2 सितंबर 2025
मंगलवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

जांच रिपोर्ट उजागर होने के बाद अब डीएम के कार्वाई पर टिकी निगाहें 3

बाढ़ से नुकसान का आकलन करेगी केंद्रीय सर्वेक्षण टीम, क्यों फट रहे बादल?

♦ एआई से पता लगाएंगे जानकार

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सोमवार को जम्मू में वर्षा, बाढ़ एवं भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर प्राकृतिक आपदा से हुए नुकसान का जायजा लिया। गृह मंत्री जम्मू में चक मांगू गांव के बाढ़-प्रभावित लोगों से भी मिले। वे तवी पुल, शिव मंदिर और जम्मू में बाढ़ से क्षतिग्रस्त हुए घरों का भी निरीक्षण करने भी पहुंचे। शाह ने कहा, बाढ़ से हुए नुकसान का जायजा लेने गृह मंत्रालय की एक सर्वेक्षण टीम, जल्द ही जम्मू पहुंचेगी। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, मौसम विभाग व एनडीएमए को डेटा

एनालिटिक्स और एआई के उपयोग से बादल फटने के कारणों का अध्ययन करना चाहिए। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के दौरे के बाद केंद्रीय गृह मंत्री की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय बैठक में ताजा स्थिति की समीक्षा की गई। केंद्रीय गृह मंत्री ने हाल की घटनाओं में हुई जन-हानि पर दुख व्यक्त किया। शाह ने कहा कि संकट की इस घड़ी में, पहले दिन से ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने केन्द्रशासित प्रदेश के उपराज्यपाल और मुख्यमंत्री से बात की है। भारत सरकार ने बचाव कार्यों में अपनी पूरी शक्ति लगा दी है। केन्द्रशासित प्रदेश और सभी एजेंसियों ने मिलकर संभावित नुकसान को बहुत कम किया है। समन्वित प्रयासों के साथ हम कई जानें बचाने में सफल हुए हैं। हमारी सभी अर्ली वॉर्निंग एप्स की पद्धतियों, उनकी सटीकता और उनकी जमीनी पहुंच का क्रिटिकल एनिलिसिस होना चाहिए। बार-बार समीक्षा कर व्यवस्था में सुधार करना ही हमें जीरो कैजुअल्टी अप्रोच की दिशा में लेकर जा सकता है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, भारतीय खाद्य निगम, पर्याप्त राशन की व्यवस्था करे और दस दिन बाद कनेक्टिविटी की स्थिति को देखते हुए राशन की डिलिवरी ऑफलाइन करने का निर्णय लिया जा सकता है।अमित शाह ने कहा कि एक-दो दिन में ही गृह मंत्रालय की सर्वेक्षण टीमें यहां नुकसान का जायजा लेने आएंगी। उसके बाद सहायता भी प्रदान की जाएगी। स्वास्थ्य और जल विभाग को सक्रिय होकर जल आपूर्ति और स्वास्थ्य सेवाओं पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि सेना, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल और वायु सेना के मेडिकल दस्तों की सहायता ली जा सकती है। चूंकि जम्मू-कश्मीर प्राकृतिक आपदा-संभावित क्षेत्र है, इसीलिए केन्द्र के हिस्से के रूप में राज्य आपदा मोचन निधि के लिए 209 करोड़ रुपये की राशि केन्द्रशासित प्रदेश को आवंटित की गई है, जिससे यहां राहत कार्य शुरू हो गया है।गृह मंत्री ने कहा कि केन्द्र सरकार और केन्द्रशासित प्रदेश आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा समय पर दी गई चेतावनियों से जन-माल के नुकसान को कम करने में मदद मिली है। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल, सेना, केन्द्रशासित प्रदेश आपदा मोचन बल, अन्य प्रतिक्रिया दल, सभी अलर्ट पर थे। हेलीकॉप्टर भी तैयार थे। उन्होंने कहा कि सेना और एनडीआरएफ की तैनाती के बारे में भी सभी को सूचित कर दिया गया था। लोगों की निजी संपत्ति को नुकसान पहुंचा है। क्षतिग्रस्त घरों के लिए एसडीआरएफ के तहत सहायता का आकलन किया जा रहा है। इसे जल्द से जल्द वितरित किया जाएगा। कई सड़कें क्षतिग्रस्त हुई हैं और उनकी मरम्मत का काम शुरू हो गया है। अधिकांश सड़कों पर यातायात शुरू हो गया है। प्रभावित क्षेत्रों में 80 प्रतिशत से अधिक बिजली आपूर्ति बहाल कर दी गई है, लोगों को शुद्ध पेयजल मिलने लगा है।

जगदीप धनखड़ ने इस्तीफे के 40 दिन बाद छोड़ा उपराष्ट्रपति निवास

एजेंसी/नई दिल्ली

पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने इस्तीफे के 40 दिन बाद उपराष्ट्रपति निवास छोड़ दिया है. अब वो छतरपुर के गदाईपुर में एक प्राइवेट घर में शिफ्ट हो गए हैं. हालांकि यह एक वैकल्पिक व्यवस्था है. सरकार जब टाइप आठ बंगला आवंटित करेगी तो वो वहां शिफ़्ट हो जाएंगे. वैसे जगदीप धनखड़ को 34 एपीजे अब्दुल कलाम रोड वाला बंगला आवंटित हुआ है, लेकिन इसे तैयार होने में अभी करीब तीन महीने लगेंगे. तब तक धनखड़ छतरपुर में रहेंगे. ये अभय चौटाला का फार्महाउस है.सूत्रों के अनुसार पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने अभी अपने लिए सरकारी आवास को लेकर शहरी विकास मंत्रालय को नियम अनुसार, पूर्व उपराष्ट्रपति को मिलने वाले सरकारी

बंगले के लिए पत्र लिखा है. सूत्रों के अनुसार लेकिन अभी तक उन्हें सरकारी बंगला अलॉट नहीं किया गया है. जब तक उन्हें सरकारी बंगला अलॉट नहीं हो जाता है तब तक वो छतरपुर के फार्म हाउस में रहेंगे.हालांकि शहरी विकास मंत्रालय के तहत आने वाले डायरेक्टर ऑफ एस्टेट ने पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के लिए 34 एपीजे अब्दुल कलाम मार्ग पर टाइप 8 का बंगला खाली करा लिया है।

जो लोगों को अच्छे से मूर्ख बना दे वह ही सबसे अच्छा नेता : गडकरी

- आप मुझे पसंद करते हैं, तो मुझे वोट दें, अगर नहीं, तो मत दें
- जातिगत राजनीति का हिस्सा कभी नहीं बनने का प्रयास करूंगा

एजेंसी। नागपुर

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी अक्सर अपने बयानों को लेकर चर्चा में बने रहते हैं। उन्होंने इस बार नेताओं को लेकर कहा कि जो लोगों को सबसे अच्छा मूर्ख बना सकता है। वह ही सबसे अच्छा नेता हो सकता है। नितिन गडकरी ने नागपुर में अखिल भारतीय महानुभाव परिषद में यह बात कही। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने नागपुर में एक कार्यक्रम में बोलते हुए कहा कि जो लोगों को बेहतर ढंग से मूर्ख बना सकता है, वही सबसे अच्छा नेता हो सकता है। उन्होंने सत्य के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि अंततः सत्य की ही जीत होती है। उन्होंने कहा कि बातें करना आसान है। मैं कोई अधिकारी

नहीं हूं, लेकिन मुझे इसका एहसास है, क्योंकि जिस क्षेत्र में मैं काम करता हूं, वहां पूरे मन से सच बोलना मना है। जो लोगों को सबसे अच्छा मूर्ख बना सकता है, वह ही सबसे अच्छा नेता हो सकता है। उन्होंने कहा कि श्रीमद्भगवद्गीता में लिखा है कि अंत में सत्य की ही जीत होगी। गडकरी ने कहा कि किसी भी चीज को हासिल करने का एक शॉर्टकट होता है। शॉर्टकट के जरिए इंसान तेजी से आगे बढ़ता है। अगर आप नियम तोड़कर सड़क पार करना चाहें, तो हो सकता है कि लाल बत्ती हो या आप उसे पार कर जाएं, लेकिन एक दार्शनिक ने कहा कि शॉर्टकट कट यू शॉर्ट। इसीलिए हमने ईमानदारी, विश्वसनीयता, समर्पण, सच्चाई जैसे मूल्य दिए हैं। उन्होंने कहा कि समाज में इन सबका अपना महत्व है। उन्होंने कहा कि पंथ और संप्रदायों को मंत्रियों से दूर रखना चाहिए। धार्मिक कार्य, सामाजिक कार्य और राजनीति अलग-अलग चीजें हैं। अगर धर्म को सत्ता सौंप दी जाए, तो उसे नुकसान होगा। मंत्री जहां भी जाते हैं, वहां आग लगाने से खुद को नहीं रोक पाते। वह दो महंतों के बीच झगड़ा कराते हैं, फिर गद्दी के लिए संघर्ष होता है। फिर सरकार निलंबित करती है, एक समिति नियुक्त करती है और फिर दोनों सरकार में आ जाते हैं, गडकरी ने धर्म और राजनीति को दूर रखने की सलाह दी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भले ही उन्हें इससे वोट न मिलें, लेकिन वे जातिगत राजनीति का हिस्सा कभी नहीं बनेंगे। नितिन गडकरी ने बताया कि अक्सर लोग उनसे जाति का हवाला देकर समर्थन मांगते हैं, लेकिन वे अपने सिद्धांतों पर अडिग रहते हैं। गडकरी ने दोहराया, ष्मैं राजनीति में हूँ और यहां ये सब चलता रहता है, लेकिन मैं इससे इनकार करता हूं, भले ही इससे मुझे वोट मिलें या न मिलें।

मैं काम करूंगा तभी आप मुझे पसंद करेंगे

गडकरी बीजेपी में अपनी बेबाकी के लिए जाने जाते हैं। वह जनता को अपनी बात साफ और सीधे शब्दों में कहते हैं। उन्होंने कहा कि मैं काम करूँगा। अगर आप मुझे पसंद करते हैं, तो मुझे वोट दें, अगर नहीं, तो मत दें। गडकरी ने कहा कि जहां बात करना आसान है और करना मुश्किल, वहीं उन्होंने अनुभव किया है कि जिस क्षेत्र में वे काम करते हैं, वहां पूरे दिल से सच बोलने को हतोत्साहित किया जाता है। एक मराठी कहावत – हाओसे, नावसे, गावसे (हर किसी की अपनी शैली और उद्देश्य होते हैं) का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि अंततः, जो नेता लोगों को मूर्ख बनाकर उन्हें समझा सकता है, वही अक्सर सफल होता है। साथ ही, गडकरी ने सत्य के मूल्य पर जोर दिया। उन्होंने कहा, हालांकि, एक बात सच है। भगवान कृष्ण ने भगवद् गीता में लिखा है कि सत्य ही अंतिम विजेता है।

संगम सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल

परामर्श शुल्क मात्र ₹ 1/-

- जनरल फिजिशियन
- स्त्री रोग विशेषज्ञ
- जनरल व गेस्ट्रो सर्जरी
- बाल रोग विशेषज्ञ
- नाक, कान, गला विशेषज्ञ
- हड्डी व जोड़ रोग विशेषज्ञ
- न्यूरो फिजिशियन व सर्जरी
- हृदय रोग विशेषज्ञ
- ओनको सर्जरी (कैंसर)
- यूरोलॉजी सर्जरी
- फिजियो थेरेपी सेन्टर
- पैथोलॉजी

Add.: 53/2, Avadhpuri Colony, Khargapur, Gomti Nagar, Lucknow - 226010 | Email : Sangamhospitals2025@gamil.com
Mob.: 9956026260, 9044872872

अफगानिस्तान का 'कुनार' प्रांत, भूकंप से 800 लोगों की मौत, गांव के गांव हुए तबाह

एजेंसी/कुनार

पूर्वी अफगानिस्तान में आए शक्तिशाली भूकंप में लगभग 800 लोगों की मौत हो गई। 2,500 से अधिक लोग घायल हो गए। तालिबान सरकार के एक प्रवक्ता यह जानकारी दी। भूकंप के बाद परेशान अफगानी लोग रात के अंधेरे में भी मलबे में अपने लापता प्रियजनों की तलाश करते रहे। पड़ोसी नंगरहार प्रांत के जलालाबाद शहर के समीप कुनार प्रांत के कई शहरों में रविवार देर रात आए 6.0 तीव्रता के भूकंप से बड़े पैमाने पर तबाही मची है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, रात 11:47 बजे आए भूकंप का केंद्र नंगरहार प्रांत के जलालाबाद शहर से 27 किलोमीटर दूर पूर्व-उत्तरपूर्व में था। भूकंप का केंद्र जमीन से आठ किलोमीटर की गहराई में था। कम गहराई वाले भूकंप ज्यादा नुकसान पहुंचाते हैं। भूकंप के बाद भी कई झटके महसूस किए गए। फुटेज में दिखाया गया कि बचावकर्मी घायल लोगों को ढही हुई इमारतों से निकाल कर स्ट्रेचर की मदद से हेलिकॉप्टरों में ले जा रहे हैं।

भूकंप से तबाह अफगानिस्तान को भारत ने भेजी मदद

भारत के पड़ोसी देश अफगानिस्तान में रविवार देर रात भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। रविवार सुबह तक भूकंप के कई झटके आए। इससे जमकर तबाही हुई है। अब तक 800 से ज्यादा लोगों के मारे जाने की खबर है। ऐसे में भारत ने अफगानिस्तान को मदद भेजी है। भारत की तरफ से 1000 फैमिली टेंट और 15 टन खाद्य सामग्री भेजी गई है। वहीं, आने वाले दिनों में और ज्यादा मात्रा में राहत और बचाव सामग्री भारत की तरफ से भेजी जाएगी।

चार धाम यात्रा 5 सितंबर तक रोकी गई हेमकुंड साहिब भी नहीं जा सकेंगे श्रद्धालु

एजेंसी/नई दिल्ली

उत्तराखंड में चार धाम यात्रा और हेमकुंड साहिब यात्रा पांच सितंबर तक स्थगित कर दी गई है। गढ़वाल मंडल आयुक्त विनय शंकर पांडे ने बताया कि मौसम विभाग के रेड और ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इस अलर्ट को देखते हुए चार धाम यात्रा रद्द करने का फैसला किया गया है। यह यात्रा नवंबर तक जारी रहने के आसार हैं। हालांकि, फिलहाल खराब मौसम के चलते इसे रोका गया है।उत्तराखंड की पवित्र चारधाम यात्रा (यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ और बद्रीनाथ धाम) हर साल अप्रैल-मई में शुरू होती है और अक्टूबर-नवंबर में समाप्त होती है। यह यात्रा हिंदू धर्म में अत्यंत महत्वपूर्ण है, जहां श्रद्धालु इन चार धामों के दर्शन करके पापों से मुक्ति और मोक्ष की प्राप्ति मानते हैं। चारधाम यात्रा की शुरूआत धामों के कपाट खुलने के साथ होती है और समापन कपाट बंद होने पर। कपाट खुलने की तिथियां महाशिवरात्रि, अक्षय तृतीया आदि शुभ मुहूर्त पर तय होती हैं। इस साल यमुनोत्री के कपाट 30 अप्रैल को खुले थे और दो नवंबर को बंद होंगे। इस यात्रा के प्रमुख पड़ाव यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ और बद्रीनाथ धाम हैं। हेमकुंड साहिब के कपाट 25 मई 2025 को खुले थे और अक्टूबर में बंद होंगे।

A. D. GROUP OF EDUCATION

Recognized By:- Health Department Gov. Of Bihar, Bihar Nursing Council Jharkhand Nursing Council, BUHS Bihar, Ranchi University, PCI New Delhi | INC New Delhi

पाल पैरामेडिकल इंस्टिट्यूट एंड हॉस्पिटल

निःशुल्क शिक्षा अभियान पढ़ना, रहना एवं खाना मुफ्त

नर्सिंग एवं पारामेडिकल के क्षेत्र में कैरियर बनाने का सुनहरा मौका

मेडिकल डेन्टल आयुर्वेदा होमियोपैथी यूनानी वेटरनरी नेचुरोपैथी

के क्षेत्र में कैरियर बनाने का सुनहरा मौका

India & Abroad के Top मेडिकल कॉलेज में नामांकन करावाएं

100% प्लेसमेंट की सुविधा

JAMUI College Of Pharmacy (Bihar) PCI-4409
S.N.S. College Of Health. Education (Ranchi) PCI-7033
R.S. Institute Of Health Education (Ranchi) PCI-9093
S.N.S. Intitute Of Health Education (Ranchi)
RAJIV College Of Health. Education (Ranchi)
S.S. College Of Nursing (Buxar)

ADMISSION DEPARTMENT OF EDUCATION

B.ED | D.Le.Ed | BBA BCA | MBA | BA | B.Sc B.Com | POLYTECHNIC | MA | M.Sc | M.Com | MBBS BDS | BHMS, BUMS, BAMS, MD, MS

WHO Approved College High FMGE Passing Percentage
World Class Education with affordable
Super Multi Speciality Hospital with good patient flow
For: NEET Qualified Students

NCISM I NMC & WHO Approved College
Apply Online: www.palparamedical.com

ANM I B.Sc Nursing I GNM I D. Pharma I B. Pharma
BPT I DMLT I CMS ED I DRESSER I BMLT I P.B.sc Nursing

+91 8851335609, 9472164547, 6206049137
Head Office:- Itarhi Block Buxar, Bihar (802123)
Our Branch office:- Patna I Lucknow I Noida

DR. DHANJEE PAL
DIRECTOR/CEO

सितंबर की बारिश के लिए आईएमडी का अलर्ट

बाढ़ और लैंडस्लाइड की भी दी गई चेतावनी

एजेंसी/नई दिल्ली

भारत में सितंबर में सामान्य से अधिक बारिश होने का अनुमान है। इस बार मानसून के मौसम में देश के कई हिस्सों में पहले ही भारी बारिश की वजह से आपदाएं आ चुकी हैं। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (क्टऊ) ने रविवार को कहा कि सितंबर 2025 के लिए मासिक औसत बारिश 167.9 मिलीमीटर के दीर्घकालिक औसत से 109 प्रतिशत से अधिक होने का अनुमान है। पूवार्नुमान के अनुसार, अधिकांश

क्षेत्रों में सामान्य से लेकर सामान्य से अधिक बारिश होगी। हालांकि, पूर्वोत्तर और पूर्वी भारत के कुछ क्षेत्रों, साथ ही सुदूर दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत के कई हिस्सों और उत्तर-पश्चिमी भारत के हिस्सों में सामान्य से कम बारिश होने का अनुमान है। आईएमडी के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने चेतावनी दी कि भारी बारिश से सितंबर में उत्तराखंड में भूस्खलन और अचानक बाढ़ आ सकती है। दक्षिणी हरियाणा, दिल्ली और उत्तरी राजस्थान में सामान्य जनजीवन बाधित हो सकता है। उन्होंने कहा, ह्यउत्तराखंड से कई नदियां निकलती हैं। इसलिए, भारी बारिश का मतलब है कि कई नदियां उफान पर होंगी और इसका असर निचले इलाकों के शहरों और कस्बों पर पड़ेगा। इसलिए, हमें इसे ध्यान में रखना चाहिए। महापात्र ने कहा कि छत्तीसगढ़ में महानदी के ऊपरी जलग्रहण क्षेत्रों में भी भारी बारिश का अनुमान है। उन्होंने कहा कि 1980 के बाद से सितंबर में बारिश में मामूली वृद्धि का रुझान रहा है, 1986, 1991, 2001, 2004, 2010, 2015 और 2019 में इस महीने में कम बारिश को छोड़कर। महापात्र ने कहा कि राजस्थान से मानसून वापसी की सामान्य तिथि एक सितंबर से बदलकर 17 सितंबर हो गई है।

परिजनों के हंगामे से मच गई थी अफरा तफरी, मरीज के परिजनों के साथ अस्पताल कर्मियों ने की मारपीट

बक्सर में निजी अस्पताल पर लापरवाही और रूपए मांगने का आरोप, शिशु की मौत से परिजनों में आक्रोश

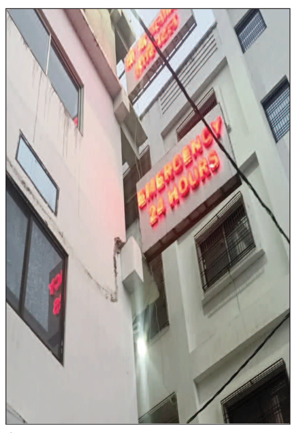

केटी न्यूज/बक्सर

नगर थाना क्षेत्र के गोलंबर स्थित वीके ग्लोबल अस्पताल पर एक बार फिर गंभीर सवाल उठे हैं। बेलाउर गांव निवासी नागेंद्र तिवारी ने आरोप लगाया है कि इलाज में लापरवाही और लगातार पैसों की मांग के कारण उनकी छह माह की गर्भवती पत्नी के शिशु की मौत हो गई। इस घटना से सोमवार को अस्पताल परिसर में हंगामा खड़ा हो गया और क्षेत्र में गुस्से का माहौल है। पीड़ित परिजनों के अनुसार वे गर्भवती महिला को लेकर इलाज कराने अस्पताल पहुंचे थे। परिजनों का आरोप है कि भर्ती होते ही दवाइयों और जांच के नाम पर मनमाने ढंग से पैसे वसूले जाने लगे। जब उन्होंने आपत्ति जताई तो अस्पताल कर्मियों और प्रबंधन से जुड़े लोगों ने न सिर्फ अभद्र व्यवहार किया बल्कि मारपीट तक कर दी। परिजनों का दावा है कि उन्हें कमरे में बंद कर लाठियों से पीटा गया। किसी तरह जान बचाकर वे गर्भवती महिला को वाराणसी स्थित बीएचयू लेकर गए, जहां उपचार के दौरान शिशु की मौत हो गई। परिजनों का कहना है कि यदि समय पर सही इलाज और सहयोग मिलता तो मासूम की जान बच सकती थी। दूसरी ओर, अस्पताल प्रबंधन ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। अस्पताल के निदेशक डॉ. वीके सिंह का कहना है कि मरीज पक्ष का आरोप पूरी तरह निराधार है। उनका दावा है कि उल्टे मरीज के परिजनों ने ही अस्पताल कर्मियों और महिला चिकित्सक के साथ दुर्व्यवहार किया। अस्पताल के गार्ड और चिकित्सा कर्मियों ने भी कहा कि परिजन आईसीयू तक में घुस गए और धक्का-मुक्की करने लगे, जिससे हालात बिगड़ गए। फिलहाल नगर थाना पुलिस मामले की जांच में जुटी है। इधर, बच्चे की मौत से परिवार में मातम पसरा हुआ है और ग्रामीणों में गहरा आक्रोश है। लोग इस घटना को निजी अस्पतालों में बढ़ते आर्थिक दोहन और अव्यवस्था का उदाहरण मान रहे हैं। पीड़ित परिवार ने न्याय और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। यह घटना एक बार फिर सवाल खड़ा करती है कि क्या इलाज के नाम पर मनमानी वसूली और लापरवाही से मरीजों की जिंदगी दांव पर लगाई जा रही है। अब देखना है कि पुलिस जांच के बाद सच्चाई किस ओर इशारा करती है।

बक्सर समेत पांच नगर निकायों में चल रही योजनाओं की प्रगति की नगर विकास मंत्री ने की समीक्षा, समय पर कार्य पूर्ण करने का दिया निर्देश

शहरी विकास योजनाओं की समीक्षा बैठक में मंत्री सख्त, पारदर्शिता और गुणवत्ता पर जोर

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर जिला समाहरणालय के सभाकक्ष में सोमवार को नगर विकास एवं आवास विभाग, बिहार सरकार के मंत्री जीवेश मिश्र की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में बक्सर जिले के सभी पांच नगर निकायों, नगर परिषद बक्सर, नगर परिषद डुमरांव, नगर पंचायत ब्रह्मपुर, नगर पंचायत चौसा और नगर पंचायत इटाढ़ी में चल रही विकास योजनाओं की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई।

बैठक में स्वच्छ भारत मिशन (शहरी), प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी), राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन, अमृत 2.0, मुख्यमंत्री शहरी पेयजल निश्चय योजना और पक्की गली-नाली योजना जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं की प्रगति पर चर्चा की गई। मंत्री ने प्रत्येक योजना की स्थिति, अब तक पूर्ण हुए कार्यों और शेष बचे लक्ष्यों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता हर शहर को स्वच्छ, सुंदर और आधुनिक सुविधाओं से युक्त बनाना है।

बैठक में मंत्री ने दिए स्पष्ट निर्देश

समीक्षा के दौरान मंत्री ने अधिकारियों को कड़े शब्दों में निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी योजना में लापरवाही, भ्रष्टाचार या देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने जोर दिया कि सभी कार्य पूर्ण पारदर्शिता और उच्च गुणवत्ता के साथ तय समयसीमा में पूरे होने चाहिए।

मंत्री ने खासतौर पर स्वच्छता पर जोर दिया तथा कहा कि सभी नगर निकाय नियमित रूप से कूड़ा उठाव, नालियों की सफाई और सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता सुनिश्चित करें।

गुणवत्ता से समझौता नहीं

उन्होंने कहा कि सड़कों, नालियों और अन्य निर्माण कार्यों में टिकाऊपन और गुणवत्ता सर्वोच्च प्राथमिकता हो। पेयजल की सुचारू आपूर्ति हर वार्ड में शुद्ध पेयजल समय पर और पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हो। अधिकारी नियमित रूप से नागरिकों से संवाद करें और उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान करें। जो परियोजनाएं अंतिम चरण में हैं, उन्हें शीघ्र पूरा कर जनता को समर्पित किया जाए। उन्होंने कहा कि सभी योजनाएं समय से पूर्ण होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि स्वच्छ और सुविधायुक्त शहर बने। नगर विकास मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में राज्य सरकार शहरी विकास को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए प्रतिबद्ध है। ह्लसरकार का लक्ष्य है कि बिहार का हर शहर स्वच्छ, सुंदर और सुविधाओं से युक्त बने। इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी। उन्होंने अधिकारियों से अपील की कि वे योजनाओं को केवल सरकारी प्रक्रिया तक सीमित न रखें, बल्कि लोगों की वास्तविक जरूरतों को ध्यान में रखते हुए उन्हें लागू करें।

अधिकारियों की उपस्थिति

इस अवसर पर जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह, उप विकास आयुक्त आकाश चौधरी, सभी नगर निकायों के मुख्य पार्षद, कार्यपालक पदाधिकारी, अभियंता तथा अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा प्रस्तुत रिपोर्टों पर विस्तार से चर्चा हुई और भविष्य की कार्ययोजना पर भी विचार किया गया।

नागरिकों को सीधे लाभ का आश्वासन

मंत्री ने कहा कि सरकार की योजनाएं तभी सफल मानी जाएंगी जब उनका सीधा लाभ आम नागरिकों तक पहुंचे। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि नागरिकों की शिकायतों को गंभीरता से लें और उनके समाधान के लिए ठोस कदम उठाएं। बैठक के अंत में मंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि विकास योजनाओं की निगरानी नियमित रूप से होगी। सभी नगर निकायों से समय-समय पर प्रगति रिपोर्ट ली जाएगी और लापरवाह अधिकारियों पर कार्रवाई भी की जाएगी।

डुमरांव पुलिस की बड़ी कार्रवाई, चोरी की बाइक संग दो गिरफ्तार, झारखंड से चोरी हुई बाइक बरामद

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव पुलिस ने अपराध नियंत्रण की दिशा में एक अहम सफलता हासिल करते हुए चोरी की बाइक के साथ दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की यह कार्रवाई न केवल चोरी के एक पुराने मामले का पदार्फाश करती है, बल्कि अपराधियों के मनोबल को तोड़ने का भी काम करेगी। जानकारी के अनुसार, थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने बंझु डेरा के पास वाहन जांच अभियान चलाया। जांच के दौरान नोनियाडेरा की ओर से आ रही बिना नंबर प्लेट की एक पल्सर बाइक को रोकने का प्रयास किया गया। पुलिस को देखते ही बाइक सवार युवक भागने लगे, लेकिन त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने दोनों को खदेड़कर पकड़ लिया। जब बाइक से संबंधित कागजात मांगे गए तो दोनों कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। इसके बाद

पुलिस ने बाइक को जब्त कर इंजन और चेसिस नंबर के आधार पर जांच की। जांच में यह खुलासा हुआ कि बाइक झारखंड के धनबाद जिले के कतरास थाना क्षेत्र से करीब दो वर्ष पूर्व चोरी हुई थी। बाइक मालिक गोवर्धन टुड़ी, पिता बिरेन टुड़ी ने इसकी पुष्टि भी की और बताया कि चोरी के बाद कतरास थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। गिरफ्तार दोनों अभियुक्तों की पहचान काराकाट थाना क्षेत्र के रघुनाथपुर बाल गांव निवासी चंदन कुमार उर्फ गोलू तथा दावथ थाना क्षेत्र के देवगाना गांव निवासी संतोष कुमार के रूप में हुई है। दोनों को आवश्यक कार्रवाई पूरी करने के बाद जेल भेज दिया गया। थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा ने कहा कि चोरी की बाइक की बरामदगी और अभियुक्तों की गिरफ्तारी पुलिस की बड़ी उपलब्धि है। इस कार्रवाई से आपराधिक घटनाओं पर अंकुश लगेगा और आम जनता का पुलिस पर विश्वास और अधिक मजबूत होगा।

डुमरांव पुलिस की बड़ी कार्रवाई, तीन वारंटी धराए

डुमरांव। डुमरांव थाना क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए पुलिस ने अभियान चलाकर तीन वारंटियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार गिरफ्तार किए गए वारंटियों में दक्षिण टोला निवासी मनु सिंह, बंझुडेरा निवासी पूर्णवासी यादव और नंदन गांव के धुरावन मुसहर शामिल हैं। तीनों के खिलाफ कोर्ट से वारंट निर्गत था, जिसके आधार पर पुलिस ने दबिश दी और सफलता पूर्वक उन्हें हिरासत में ले लिया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपियों को थाने लाकर आवश्यक कागजी कार्रवाई शुरू कर दी है। अधिकारियों ने बताया कि फरार वारंटियों को पकड़ना पुलिस की प्राथमिकता में है, ताकि न्यायिक प्रक्रिया में तेजी लाई जा सके। इस कार्रवाई से क्षेत्र में पुलिस की सख्ती और सक्रियता का स्पष्ट संदेश गया है कि कानून से बचना अब आसान नहीं होगा।

बदलाव का संकल्प लेकर निकले रवि उज्जवल कुशवाहा

- कई पंचायतों में जनसंपर्क अभियान चलाकर 5 सितम्बर को शहादत दिवस कार्यक्रम में आमंत्रण

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव विधानसभा क्षेत्र में राजनीतिक सरगर्मी धीरे-धीरे तेज होने लगी है। आगामी विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए भावी प्रत्याशी माने जा रहे रवि उज्ज्वल कुशवाहा ने सोमवार को नावानगर, कतिकनार, सोनवर्षा, बेलाव और रूपसागर पंचायतों में व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से सीधे संवाद किया और डुमरांव में राजनीतिक बदलाव का आह्वान किया।ग्रामीणों से मुलाकात के क्रम में श्री कुशवाहा ने कहा कि डुमरांव विधानसभा वर्षों से विकास से वंचित है। यहां की जनता मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष करती रही है। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सड़क जैसी बुनियादी जरूरतों पर कभी गंभीरता से काम नहीं हुआ। उन्होंने लोगों से अपील की कि इस बार चुनाव में एकजुट होकर बदलाव की दिशा में निर्णय लें, ताकि आने वाली पीढ़ियों का भविष्य बेहतर हो सके। इसी क्रम में उन्होंने 5 सितम्बर को शहीद जगदेव प्रसाद की शहादत दिवस पर डुमरांव नगर भवन में आयोजित होने वाले कार्यक्रम की जानकारी भी दी। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम समाज और राजनीति की दिशा तय करने वाला साबित होगा। इसमें बड़ी संख्या में शामिल होकर शहीद के प्रति श्रद्धांजलि देने और उनके विचारों को आगे बढ़ाने का संकल्प लेना चाहिए।जनसंपर्क अभियान के दौरान ग्रामीणों ने भी अपनी समस्याओं से अवगत कराया। नावानगर और सोनवर्षा में लोगों ने खराब सड़कों और पेयजल संकट की बात रखी, जबकि बेलाव और रूपसागर पंचायत में बेरोजगारी और किसानों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया गया। श्री कुशवाहा ने आश्वासन दिया कि बदलाव की राह पर चलकर इन समस्याओं का स्थायी समाधान किया जाएगा। इस अवसर पर बड़ी संख्या में समर्थक भी उनके साथ मौजूद रहे। इनमें सरदार कुशवाहा, अशोक कुशवाहा, मुन्ना कुशवाहा, सुशील सिंह, धेनुक धारी, डॉ. बिहारी कुशवाहा, शंकर मौर्य, राजू कुशवाहा, सूर्यकांत कुशवाहा, बलिराम कुशवाहा और विरबल कुशवाहा प्रमुख रूप से शामिल थे।

एक नजर

पीएम की मां को गाली देने वाले राष्ट्रहित के हितैषी नहीं हो सकते : प्रो. एके दुबे

डुमरांव। डुमरांव नगर के एक निजी सभागार में रविवार को भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर अखिलेश कुमार दुबे ने कार्यकताओं के साथ एक बेठक की। बैठक में पार्टी सहित न्य विषयों पर कार्यकताओं के साथ विचार-विमर्श किया। यह बैठक राजनीतिक विमर्श से कहीं अधिक बौद्धिक संवाद का रूप लेती दिखी। प्रो. दुबे ने कहा कि एक शिक्षक का दायित्व सिर्फ बेहतर पठन-पाठन तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज को सुव्यवस्थित दिशा देना भी उसका कर्तव्य है। इसी सोच के तहत वे आगामी नवंबर माह में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और इमोशनल इंटेलिजेंस पर आधारित एक गैर-राजनीतिक कार्यक्रम आयोजित करेंगे। इसमें आईआईएम, आईआईटी और दिल्ली विश्वविद्यालय जैसे संस्थानों के प्राध्यापक शामिल होंगे। जिले में बौद्धिक जागरूकता और नई तकनीक की समझ विकसित करने का प्रयास इसे मानी जा रही है। बैठक में प्रो. दुबे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हो रहे विकास कार्यों की सराहना की और साथ ही हाल ही में प्रधानमंत्री की मां के खिलाफ की गई अभद्र टिप्पणी की कड़ी निंदा भी की। उन्होंने कहा कि जो लोग प्रधानमंत्री की मां को गाली देते हैं, वे देश के विकास के सगे नहीं हो सकते। देश आज चौतरफा प्रगति कर रहा है और इस यात्रा को बाधित करने वालों की सोच समाज विरोधी है। बैठक में स्थानीय मुद्दों पर भी चर्चा हुई और कार्यकताओं ने जिले के विकास के लिए अपने-अपने सुझाव दिए। प्रो. दुबे ने आश्वस्त किया कि शिक्षा और सामाजिक विकास को केंद्र में रखकर हर संभव पहल की जाएगी। इस मौके पर श्रीकांत सिंह, रामबदन दुबे, कमल किशोर राय, डॉ. सुनील कुमार सिंह, डॉ. संजय कुमार पांडे, डॉ. मनोज कुमार, चुनमुन प्रसाद वर्मा, बिहारी पाल, अभिषेक कुमार सिंह, हरिओम मिश्रा, शिव कुमार मिश्रा सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

फेयर प्राइस डीलर ने सरकार के समक्ष जो अपनी मांग किया है, उस पर सकरात्मक पहले होने से खुश हैं

डुमरांव। नगर के मां डुमरेजिन के परिसर में फेयर प्राइस डीलर एसोसिएशन की बैठक सोमवार को आयोजित की गई। बैठक में यह निर्णय लिया गया की अगामी दो सितंबर से राशन का वितरण शुरू किया जाएगा। बैठक की अध्यक्षता एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष श्रीकृष्ण चौबे व संचालन अनुमंडल अध्यक्ष भुटेश्वर सिंह ने किया। सभी डीलरों को यह बताया गया कि हमारी जो सरकार से मांगें थीं, सरकार ने उस पर विचार करना शुरू कर दिया है, इसलिए हमलोग भी सहयोगात्मक कदम उठाते हुए आगे का काम करेंगे। हमारी जो मांग सप्ताहिक छुट्टी, सभी राजपत्रित छुट्टी, 47 की बढ़ोतरी व पेपरवेट प्रक्रिया को लागू करने की मांग पर सरकार ने सकरात्मक पहल शुरू कर दिया है। इसलिये हमें भी सरकार का सहयोगी बन आगे का काम करना होगा। फिर यह निर्णय लिया गया की अगामी 2 सितंबर 2025 से से राशन का वितरण शुरू कर दिया जाएगा। इस अवसर पर सच्चिदानंद उपाध्याय, पारसनाथ सिंह, शैलेन्द्र कुमार, शिव वचन सिंह, हीरालाल वर्मा, जयप्रकाश, मुकेश कुमार, अशोक कुमार सहित अन्य डीलर मौजूद थे।

कुमार अर्थोपेडिक क्लिनिक
Mob : 9122226720
डॉ0 वीरेन्द्र कुमार
अर्थोपेडिक सर्जन
M.B.B.S., D. Ortho PMCH
एफ. आई. एम. एस. (युके)
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डॉ0 अरूण कुमार
M.B.B.S., D.N.B. (New Delhi)
FMAS (New Delhi), DMAS (Germany)
पेट रोग विशेषज्ञ
जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन
डॉ. एस. के. अम्बष्ठा
M.B.B.S., M.D. (Gold Medalist)
Dermatologist & Cosmetologist
चर्म रोग, कुष्ट रोग, सौंदर्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
(Skin, VD, Laprosy & Cosmetics)
SKIN SPECIALIST
पताः- सुमित्राा महिला कॉलेज से पूरब, ढ़ेलवानी मोड़, डुमरॉव

मधुबन मैरिज हॉल
आपके सपनों का विवाह स्थल
अब आपके शहर बक्सर में विवाह, रिसेप्शन, मैरेज एनिवर्सरी, जन्मदिन और सभी शुभ अवसरों के लिए एक भव्य और सुविधाजनक उपलब्ध है स्थल
विशेषताएं:
- विशाल और सुसज्जित हॉल
- आकर्षक स्टेज डेकोरेशन
- ठहरने की उत्तम व्यवस्था (एसी/नॉन-एसी कमरे)
- बड़ा पार्किंग एरिया
- 24x7 बिजली और पानी की सुविधा
- साफ-सुथरा और हाइजीनिक किचन एरिया
- बजट के अनुसार पैकेज उपलब्ध
- हर आयोजन को बनाएं यादगार, सिर्फ मधुबन मैरिज हॉल के साथ
अखिलेश्वर पाठक
प्रोपराइटर

सारीमपुर, बक्सर
बुकिंग के लिए संपर्क करें: +91 7061608901

बड़ा सवाल, क्या फर्स्ट आइडिया के चयन में दोषी अधिकारियों पर गिरेगी गाज

जांच रिपोर्ट उजागर होने के बाद अब डीएम के कार्रवाई पर टिकी निगाहे

- तत्कालीन एमडीएम सह स्वच्छता के नोडल डीपीओ नाजिश अली की अनुशंसा पर पूर्व डीईओ अनिल कुमार द्विवेदी ने किया था चयन

केटी न्यूज/बक्सर

शिक्षा विभाग के अधिकारियों के बाद अब प्रशासनिक अधिकारियों ने भी अपने जांच में हाउस कीपिंग एजेंसी फर्स्ट आइडिया के चयन को दोषी माना है। बता दें कि केशव टाइम्स पूर्व में ही इस खबर को पूरे तथ्यों के साथ प्रकाशित कर चुका है, जिसमें यह जिक्र था कि पूर्व की एजेंसी को बिना किसी ठोस वजह के हटा तथाकथित शिक्षा मॉफियाओं के दबाव में फर्स्ट आइडिया का चयन किया गया है।

यहां बता दें कि पूर्व जिला शिक्षा पदाधिकारी अमरेन्द्र पांडेय भी अपने एक पत्र में इसका उल्लेख कर चुके है कि अजय सिंह उनके कार्यालय में आकर बताए है कि वे फर्स्ट आइडिया के सहयोगी है।

बता दें कि अपर समाहर्ता (विभागीय जांच) गिरिजेश कुमार के नेतृत्व में गठित जांच टीम ने यह स्पष्ट कर दिया है कि बिना किसी ठोस वजह के जिले डुमरांव, नावानगर तथा इटाढ़ी प्रखंडो में पूर्व की चयनित हाउस कीपिंग एजेंसी जेकेएसबी स्कील्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की जगह फर्स्ट आइडिया डिजीटल एप्लीकेशन प्राइवेट लिमिटेड कंपनी का चयन कर लिया गया था।

जांच टीम का मानना है कि 10 नवंबर 2023 को पूर्व जिला शिक्षा पदाधिकारी ने जेकेएसबी के कार्यों में रूचि नहीं लेने का आरोप लगा शो-कॉज जारी किया था तथा 13 नवंबर को ही जिला शिक्षा पदाधिकारी ने जेकेएसबी के जगह फर्स्ट आइडिया को 15 नवंबर से नावानगर, डुमरांव व इटाढ़ी प्रखंडों में काम करने का वर्क ऑर्डर दे दिया था।

यहां दिलचस्प है कि शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने जेकेएसबी को शो-कॉज जारी करने के पहले ही छह नवंबर 2023 को ही फर्स्ट आइडिया से सहमति पत्र भी ले लिया था, जबकि नियमों के तहत एक कंपनी को हटाने के बाद ही दूसरी कंपनी से सहमति पत्र लेना था।

यहीं नहीं शो-कॉज जारी करने के अगले दिन 11 नवंबर को ही डीईओ ने बिना किसी ठोस वजह के जेकेएसबी को चयनमुक्त कर दिया था, जबकि 22 नवंबर को जेकेएसबी ने अपने पत्र के माध्यम से आपत्ति जताइ थी कि मेरा चयन कब रद्द किया गया है तथा इसकी जानकारी मुझे नहीं दी गई है। इसके अलावे जेकेएसबी ने डीईओ के शो-कॉज का जबाव 11 नवंबर को ही उनके मेल पर देने का प्रमाण भी दिया है। बावजूद पूर्व डीईओ अनिल कुमार द्विवेदी ने मनमाने तरीके से उक्त एजेंसी के बदले फर्स्ट आइडिया को तीन प्रखंडो की जिम्मेवारी दे दी।

बड़ा सवाल क्या दोषी अधिकारियों पर होगी कार्रवाई

फर्स्ट आइडिया के चयन दोषपूर्ण व मनमाने ढंग से होने की पुष्टि के बाद अब यह सवाल उठने लगा है कि क्या फर्स्ट आइडिया के चयन के जिम्मेवार अधिकारियों पर भी जिलाधिकारी द्वारा कोई कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि फर्स्ट आइडिया के चयन में पूर्व डीपीओ नाजिश अली तथा पूर्व जिला शिक्षा पदाधिकारी अनिल कुमार द्विवेदी की भूमिका को केशव टाइम्स पहले ही संदिग्ध बता चुका है। यहां द्रष्टव्य है कि शिक्षा विभाग के अधिकारियों के जांच के दौरान भी फर्स्ट आइडिया के चयन को अवैध माना गया था। बावजूद सांसद के पत्र पर डीएम ने इसकी जांच प्रशासनिक अधिकारियों से करवाने का फैसला लिया। वहीं, इस दौरान स्थापना डीपीओ विष्णुकांत राय द्वारा उक्त एजेंसी को सबसे पहले भुगतान भी कर दिया गया। जानकारों का कहना है कि फर्स्ट आइडिया के चयन से लेकर भुगतान तक में शिक्षा विभाग के कुछ अधिकारियों की मेहरबानी बनी रही। ऐसे में अब देखना दिलचस्प हो गया है कि मानकों को ताक पर रख हाउस कीपिंग एजेसियों के चयन के दोषी अधिकारियों पर क्या कार्रवाई हो रही है।

कई अन्य मामलों की जांच है जरूरी

बता दें कि फर्स्ट आइडिया के चयन दोषमुक्त साबित होने के बाद कई ऐसे मामले भी है जिनकी जांच जरूरी हो गया है। मसलन हाउस कीपिंग एजेंसी फर्स्ट आइडिया की कार्यशैली, कंपनी द्वारा अपने केनरा बैंक के खातों से व्यक्तिगत खातों में लाखों का ट्रांजेक्शन तथा एजेंसी के तहत चयनित सफाईकर्मियों के शोषण सहित कई ऐसे मामले है जिनकी गहराई से जांच होने पर कई अन्य गड़बड़िया भी निकल कर सामने आएगी।

गेंद अब जिलाधिकारी के पाले में

बता दें कि अब गेंद जिलाधिकारी के पाले में है। अधिकारियों द्वारा उन्हें जांच रिपोर्ट सौंप दिया गया है। अब देखना है कि क्या जिलाधिकारी फर्स्ट आइडिया को चयनमुक्त कर दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई करते है या फिर यह रिपोर्ट भी फाइलों में दबकर रह जाएगा।

एक नजर

कड़सर में राजस्व महाअभियान शिविर, सैकड़ों किसानों ने भूमि सुधार त्रुटि निष्पादन का लिए आवेदन

नावानगर। स्थानीय प्रखंड के कडसर पंचायत भवन में सोमवार को राजस्व महाअभियान के तहत विशेष शिविर का आयोजन किया गया। इस मौके पर पंचायत क्षेत्र के सभी मौजा से सैकड़ों किसान पहुंचे और अपनी जमीन से जुड़े मामलों के आवेदन जमा किए। इनमें जमाबंदी त्रुटि सुधार, नामांतरण तथा बंटवारे से जुड़े मामले प्रमुख रहे। शिविर का निरीक्षण एसडीएम राकेश कुमार ने किया। उन्होंने बताया कि हर पंचायत में दो दिन का शिविर लगाया जा रहा है। इन शिविरों में चार मुख्य कार्य किए जा रहे हैं कि जमाबंदी में गलती सुधार, उत्तराधिकार नामांतरण, बंटवारा नामांतरण और छूटी हुई जमाबंदी को ऑनलाइन करना। उन्होंने कहा कि किसानों के आवेदन मौके पर ही बिहारभूमि पोर्टल पर दर्ज किए जा रहे हैं, जिससे वे ऑनलाइन स्थिति देख सकेंगे।

मुखिया ने बताई अभियान की उपयोगिता : शिविर की अध्यक्षता पंचायत मुखिया रजिन्द्र रवानी ने की। उन्होंने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य किसानों की जमीन संबंधी समस्याओं का तुरंत समाधान करना है। मौके पर प्रदीप कुमार, विमल कुमार, चंदन कुमार, कृष्णा चौधरी, मंटू कुमार सहित कई कर्मचारी मौजूद रहे।

ग्रामीणों ने रखी मांग: शिविर में आए किसानों और स्थानीय लोगों ने प्रशासन से ऐसे शिविर नियमित रूप से आयोजित करने की मांग की, ताकि भूमि संबंधी विवाद और समस्याओं का समय पर निपटारा हो सके।

ग्रामीण कार्य विभाग कर्मियों ने नेशनल मूवमेंट फोर ओल्ड पेंशन स्कीम को लेकर देश व्यापी ब्लैक डे मनाया

केटी न्यूज/डुमरांव

कार्यक्रम के अवसर पर आज 1 सितम्बर को ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल डुमरांव के पदाधिकारीयों, कर्मचारियों ने पुरानी पेंशन बहाल करने के लिए ब्लैक डे मनाया। इस अवसर पर कार्यालय के तमाम पदाधिकारी व कर्मचारियों ने काला बिल्ला लगाकर काम किया। फिर उन्होंने कार्यालय परिसर में पुरानी पेंशन बहाल करने के समर्थन में जमकर नारेबाजी की। इस दौरान सभी आक्रोशित थे, उनका कहना था कि इसी देश में राजनेताओं को चार-चार पुरानी पेंशन मिल रही है,ओर हमलोगों को अंशदायी पेंशन ।यह कहां का न्याय है?

कार्यक्रम को समबोधित करते हुए के राज्य संगठन सचिव लवकुश सिंह ने कहा कि आज ही के दिन 2004 में तत्कालिन वाजपेयी सरकार ने हमसे हमारी पेंशन छिनने का काम किया था। तबसे हमलोग इसे लागु करवाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं ।संघर्ष तब तक जारी रहेगा जब तक सरकार इसे लागु नहीं करती है ।लवकुश सिंह ने कहा की पेंशन बुढ़ापे का सहारा है,लाठी है,मान सम्मान है।

उन्होंने जानकारी दिया कि 14 सितम्बर 2025 को पटना के मील्लर स्कूल में पेंशन अधिकार रैली का आयोजन किया गया है,जिसमें लाखों लोग उपस्थित होंगें।5 सितम्बर को शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षकों के सम्मान में उपवास कार्यक्रम तथा 12 सितम्बर को पुरे राज्य में मशाल जूलूस निकाला जाएगा।

कार्यक्रम में ई0 संजय कुमार,ई0 राम लाल राम,ई0 कुन्दन कुमार ,ई0 अनुराग सिंह ,ई0 संतोष कुमार तिवारी, संजय कुमार ,ई0 मन प्रीय मधुकर ,ई0 श्री मती प्रेम लता कुमारी,ई0ओम प्रकाश गौतम ,ई0 विनोद कुमार,ई0 मनीषा कुमारी,अविनेश राजा,रविरंजन प्रकाश ,अभिमन्यु कुमार,ऋषभ सिंह ,कुमार कुमार,मन लाल यादव,प्रेम चन्द चक्रवर्ती ,मो0 शाह फैसल,धर्मेन्द्र कुमार चंचल,लल्लू कुमार,सुरेश सिंह ,मो0 साजीर हुसैन,मुनी जी सिंह ,रमेश राम,राम चन्द्र रज्जक,उपेन्द्र यादव,मोहन राय,अमर कुमार वर्मा,तथा विनोद मिश्र मुख्य रुप से उपस्थित थे।

पुरानी पेंशन बहाली की मांग तेज अनुमंडल अस्पताल के कर्मियों ने बांधी काली पट्टी

केटी न्यूज/डुमरांव

पुरानी पेंशन योजना बहाली को लेकर एनएमओपीएस (नेशनल मूवमेंट फॉर ओल्ड पेंशन स्कीम) की बिहार इकाई ने एक बार फिर केंद्र और राज्य सरकार के खिलाफ मोर्चा खोला। रविवार को संगठन के आह्वान पर डुमरांव अनुमंडल अस्पताल में काला दिवस मनाया गया। यह कार्यक्रम भारत सरकार द्वारा एकीकृत पेंशन योजना लागू करने की तिथि 1 सितंबर 2025 के विरोध में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में केंद्र और बिहार सरकार के सभी एनपीएस कर्मियों ने अपने कार्यस्थल पर काला बिल्ला लगाकर शांतिपूर्वक कामकाज किया। इस दौरान अस्पताल में कार्यरत चिकित्सक, नर्स और कर्मचारी बड़ी संख्या में शामिल हुए। आयोजन की अध्यक्षता जीएनएम एवं एआईआरएनएफ के उपाध्यक्ष अनिल कुमार यादव ने की, जबकि संचालन फार्मासिस्ट संतोष कुमार ने किया।

जीएनएम अनिल कुमार यादव ने कहा कि संगठन लगातार एनपीएस और यूपीएस का विरोध करता रहा है और सरकार से पुरानी पेंशन योजना बहाल करने की मांग करता आया है। उन्होंने कहा कि नई पेंशन योजनाएं सरकारी कर्मचारियों के हित में नहीं हैं और इससे उनके भविष्य की सुरक्षा पर प्रश्नचिह्न खड़ा होता है। उन्होंने सभी सरकारी कर्मियों से 5 सितंबर को उपवास और 14 सितंबर को पटना में आयोजित रैली में शामिल होकर विरोध दर्ज कराने की अपील की। काला दिवस कार्यक्रम में डॉ. सुमित सौरभ, डॉ. शिव कुमार, अजय सिंह, मृत्युंजय कुमार, विकास कुमार, मनीष कुमार, सोनू कुमार, जमालुद्दीन अंसारी सहित कई अधिकारी और कर्मी मौजूद रहे। स्वास्थ्यकर्मियों की इस शांतिपूर्ण पहल ने एक बार फिर यह संदेश दिया कि पुरानी पेंशन योजना बहाली की मांग अब और तेज होगी।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने दलों से मांगा सहयोग, 30 सितम्बर को होगी अंतिम सूची जारी

केटी न्यूज/बक्सर

आगामी चुनावी तैयारियों को लेकर बक्सर जिले में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण-2025 कार्यक्रम पर सोमवार को गंभीर मंथन हुआ। समाहरणालय परिसर स्थित सभाकक्ष में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी डॉ. विद्यानन्द सिंह की अध्यक्षता में सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ अहम बैठक आयोजित की गई। बैठक का मकसद 01 जुलाई 2025 की अर्हता तिथि के आधार पर मतदाता सूची के प्रकाशन, दावे-आपत्तियों के निपटान और अंतिम सूची तैयार करने की प्रक्रिया पर चर्चा करना था।

बैठक की शुरूआत में जिलाधिकारी ने सभी उपस्थित प्रतिनिधियों और अधिकारियों का स्वागत किया और मतदाता सूची को त्रुटि रहित बनाने के लिए सहयोग की अपील की। उन्होंने बताया कि 01 अगस्त को प्रारूप निर्वाचक सूची प्रकाशित हो चुकी है, जिस पर दावे और आपत्तियां दर्ज करने की अंतिम तिथि 01 सितम्बर 2025 है। उन्होंने राजनीतिक दलों को सचेत करते हुए कहा कि यदि किसी भी पात्र मतदाता का नाम छूट गया है तो आज ही दावा दर्ज कराएं, क्योंकि बाद में इसका अवसर नहीं मिलेगा।

निर्वाचन पदाधिकारी ने स्पष्ट किया कि प्राप्त दावों और आपत्तियों का निष्पादन 25 सितम्बर तक कर लिया जाएगा। इसके बाद आयोग की अनुमति लेकर 30 सितम्बर को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन होगा।

दलों को सौंपे गए प्रपत्र

बैठक में सभी दलों के प्रतिनिधियों को दावा-आपत्ति दर्ज कराने के लिए उपलब्ध कराए गए प्रपत्र-9, प्रपत्र-10 और प्रपत्र-11 की प्रतियां सौंपी गईं।

डीएम डॉ. सिंह ने साफ कहा कि स्वच्छ और त्रुटिरहित मतदाता सूची बनाने में राजनीतिक दलों की सक्रिय भूमिका जरूरी है। इसके लिए प्रत्येक दल को अपने-अपने बीएलए (बूथ लेवल एजेंट) नियुक्त करने होंगे, ताकि वे बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) के साथ मिलकर मतदाता सूची को सटीक बना सकें।

स्टेशन रोड मरम्मत बना मुसीबत, नगरवासी जाम से त्रस्त

- वैकल्पिक मार्ग की मांग तेज, प्रशासन से त्वरित समाधान की अपील

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव नगर की जीवनरेखा कही जाने वाली स्टेशन रोड इन दिनों मरम्मत कार्य के कारण आमजन के लिए परेशानी का सबब बन गई है। लंबे समय से जर्जर हालत में पड़ी इस मुख्य सड़क का निर्माण कार्य तो शुरू हो गया, लेकिन अव्यवस्थित ढंग से किए जा रहे कार्य ने लोगों की दिक्कतें और बढ़ा दी हैं।

निर्माण कार्य के तहत जहां-जहां सड़क टूटी हुई थी, वहां जेसीबी से खुदाई कर सड़क को उखाड़ा गया। मगर समस्या तब बढ़ी जब तोड़े गए हिस्से का मलबा समय रहते नहीं उठाया गया। इससे सड़क पर धूल और गड्ढों का अंबार लग गया। नतीजा यह हुआ कि नगर की मुख्य सड़क पर दिनभर जाम की स्थिति बनी रही। विदित हो कि यातायात बाधित होने पर प्रशासन ने भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक लगा दी, लेकिन इससे समस्या पूरी तरह हल नहीं हुई। एक ओर से मरम्मत कार्य चलने के कारण दूसरी ओर से गुजरने वाले छोटे-बड़े वाहनों को भी जाम का सामना करना पड़ा। खासकर ऑफिस, स्कूल और बाजार जाने वाले लोगों को घंटों सड़क पर फंसे रहना पड़ा। जाम की समस्या से त्रस्त नागरिक अब वैकल्पिक मार्ग की मांग कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि छोटे वाहनों को सुमित्रा कॉलेज रोड से जंगल बाजार होते हुए निकाला जाए। साथ ही, प्रखंड कार्यालय के पास से बड़ाबाग होकर शहर में प्रवेश की व्यवस्था की जाए। यदि ऐसा किया गया तो नगरवासियों सहित अनुमंडल क्षेत्र के हजारों लोगों को राहत मिलेगी। स्थानीय लोगों का आरोप है कि निर्माण एजेंसी की लापरवाही से समस्या और गंभीर हो रही है। पहले नया थाना के पास तक ही कटिंग हुई थी, लेकिन बाद में इसे शनिचरा बाबा मंदिर तक बढ़ा दिया गया। सड़क के लंबे हिस्से के कट जाने से मरम्मत की रफ्तार धीमी पड़ी है और परेशानी दोगुनी हो गई है। व्यवसायियों का कहना है कि जाम की वजह से ग्राहकों की आवाजाही प्रभावित हो रही है। स्कूल जाने वाले बच्चों और मरीजों को भी समय पर अपने गंतव्य तक पहुंचने में कठिनाई हो रही है। कई बार एंबुलेंस तक जाम में फंस जाती है, जिससे लोगों में नाराजगी है।

नगरवासियों की मांग

नगरवासियों ने जिला प्रशासन से मांग किया है कि वैकल्पिक मार्ग तुरंत प्रभाव से लागू किया जाए और निर्माण एजेंसी को निर्देश दिया जाए कि सड़क का मलबा समय पर हटाया जाए तथा काम तेजी से पूरा किया जाए। लोगों का कहना है कि विकास कार्य का लाभ तभी है जब वह सुविधाजनक तरीके से पूरा हो, अन्यथा अधूरा प्रबंधन नागरिकों के लिए अभिशाप बन जाता है।

बक्सर को 40 करोड़ की विकास सौगात, मंत्री जीवेश मिश्रा ने किया शिलान्यास

- भाजपा-जदयू नेताओं और कार्यकताओं की मौजूदगी में योजनाओं का शुभारंभ, कार्यकताओं में दिखा उत्साह, नगर विकास मंत्री ने प्रेस वार्ता आयोजित कर दी जानकारी

केटी न्यूज/बक्सर

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की विकासवादी सोच को आगे बढ़ाते हुए सोमवार को बक्सर की धरती को नई सौगात मिली। राज्य के नगर विकास एवं आवास मंत्री जीवेश मिश्रा बक्सर पहुंचे, जहां उन्होंने नगर परिषद क्षेत्र और विभिन्न वार्डों में संचालित होने वाली योजनाओं का शिलान्यास किया। इस अवसर पर उन्होंने कुल 40 करोड़ रुपये की विकास योजनाओं की घोषणा की।अतिथि गृह बक्सर पहुंचने पर भाजपा कार्यकताओं और नगर

परिषद वार्ड पार्षदों ने फूल-मालाओं से मंत्री का भव्य स्वागत किया। पूरे परिसर में उत्साह का माहौल था। कार्यकताओं का जोश देखते ही बन रहा था। जिला भाजपा प्रभारी अरुण कुशवाहा ने मंत्री का स्वागत किया, वहीं दर्जनों पार्षद और स्थानीय नेताओं ने भी गर्मजोशी से अभिनंदन किया। शिलान्यास के उपरांत मंत्री जीवेश मिश्रा ने प्रेस वार्ता किया। पत्रकारों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि बक्सर जिले में नगर निकायों को मजबूत बनाने और बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के लिए यह योजनाएं एक मील का पत्थर साबित होंगी। इसके बाद उन्होंने पार्षदों के साथ परिचयात्मक बैठक कर नगर की समस्याओं और विकास की संभावनाओं पर चर्चा की। मंत्री ने विशेष रूप से कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में राज्य में चौमुखी विकास हो रहा है। बक्सर जैसे ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण जिले को भी अब विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के प्रयास तेज किए जा रहे हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि आगे भी नगर विकास एवं आवास विभाग द्वारा नई योजनाएं लाकर लोगों को राहत पहुंचाई जाएगी। कार्यक्रम के दौरान भाजपा-जदयू नेताओं और कार्यकताओं की भारी मौजूदगी रही। मंच पर प्रमुख रूप से भाजपा लिगन सेल के प्रदेश अध्यक्ष विंध्याचल राय, जदयू जिलाध्यक्ष अशोक यादव, भाजपा के निवर्तमान जिलाध्यक्ष विजय कुमार सिंह उर्फ भोला सिंह, विनोद राय, लक्ष्मण शर्मा, अनिल पांडेय, मनोज पांडेय, प्रदीप दुबे, धन्नजय राय, रानी चौबे, ओमज्योति भगत, शिला त्रिवेदी, इंदु देवी, अमित कुमार सिंह, आशानन्द सिंह, ज्वाला सैनी, अजय भट्ट, अजय वर्मा, विंध्याचल सिंह, संजय सिंह, दीपक पांडेय, सुशील राय, सोनू राय, प्रमोद मिश्रा, अनतु तिवारी, हिरामन पासवान, बालबच्चन पाठक, अंजय चौबे तथा भाजपा जिला मीडिया प्रभारी उमाशंकर राय समेत सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भाजपा कार्यकताओं ने इसे ऐतिहासिक क्षण बताते हुए कहा कि मंत्री के आगमन और सौगात से जिले के लोगों की लंबे समय से चली आ रही विकास की उम्मीदें अब पूरी होंगी। वहीं वार्ड पार्षदों ने मंत्री के सामने स्थानीय स्तर की समस्याओं और आवश्यकताओं को रखा, जिस पर शीघ्र कार्रवाई का भरोसा दिलाया गया। मंत्री जीवेश मिश्रा का यह बक्सर दौरा कार्यकताओं और स्थानीय जनप्रतिनिधियों के लिए ऊर्जा से भरने वाला साबित हुआ। 40 करोड़ की विकास योजनाओं के शिलान्यास के साथ बक्सर नगर को नई दिशा देने का संकल्प लिया गया।

प्रतापसागर में वेल्डिंग दुकान से लाखों का सामान चोरी, ग्रामीणों में दहशत

डुमरांव। नया भोजपुर थाना क्षेत्र केसी प्रतापसागर गांव में रविवार और सोमवार की मध्यरात्रि चोरों ने एक वेल्डिंग दुकान को निशाना बनाया। घटना करीब 2 बजे की बताई जा रही है। चोरों ने दुकान का दरवाजा तोड़कर भीतर प्रवेश किया और वहां रखे कीमती सामान पर हाथ साफ कर दिया। चोरी गए सामानों में दो वेल्डिंग मशीन, करीब छह क्विंटल लोहा, लोहे से बनी नवनिर्मित खिड़कियां और अन्य औजार शामिल हैं। सोमवार की सुबह जब नेनुआ गांव निवासी दुकानदार फूलदेव कुमार, पिता ललन प्रसाद सिंह दुकान पर पहुंचे तो दरवाजा टूटा देख दंग रह गए। अंदर जाकर उन्होंने पाया कि लगभग सारा कीमती सामान गायब है। उन्होंने तत्काल नया भोजपुर थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष मनीष कुमार दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की छानबीन शुरू की। उन्होंने बताया कि संदिग्धों की तलाश में पुलिस आसपास के इलाकों में छापेमारी कर रही है। इस चोरी की घटना से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। लोगों ने आक्रोश जताते हुए कहा कि आए दिन चोरी की घटनाएं बढ़ रही हैं, जिससे रात में नींद हराम हो गई है। ग्रामीणों ने पुलिस से रात्रि गश्त बढ़ाने और सुरक्षा के ठोस इंतजाम करने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते सख्त कदम नहीं उठाए गए तो चोरों के हौसले और बुलंद हो सकते हैं। फिलहाल पुलिस मामले की तहकीकात में जुटी है।

प्रधानाध्यापक ने प्रखंड विकास पदाधिकारी को दिया आवेदन

एनडीए गठबंधन ने आक्रोश मार्च निकाल राहुल गांधी और तेजस्वी का फूंका पुतला

केटी न्युज/रोहतास

बिहार में वोटर अधिकार यात्रा के दौरान दरभंगा में राहुल गांधी के मंच से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की स्वर्गीय मां को गाली दिए जाने के विरोध में सोमवार को बिक्रमगंज के मुख्य तेंदुनी चौक पर में भाजपा सहित एनडीए कार्यकताओं ने राहुल गांधी और प्रतिपक्ष के नेता तेजस्वी यादव का पुतला दहन किया। कार्यक्रम का नेतृत्व नगर अध्यक्ष नागेश्वर कुशवाहा और काराकाट विधानसभा भाजपा नेता डॉ. मनीष रंजन ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम का आगाज लोगों ने शहर के आरा रोड़ स्थित भाजपा कार्यालय से जुलूस निकाल शहर के विभिन्न मार्गों का भ्रमण करती हुई तेंदुनी चौक पर पहुंची। जहां पर राहुल गांधी और तेजस्वी यादव के पुतला पर लात-जूते बरसाते हुए उनके पुतले को आग लगा दहन किया। मौके पर काराकाट विधानसभा क्षेत्र भावी प्रत्याशी भाजपा नेता डॉ. मनीष रंजन ने कहा कि जिस तरह से राहुल की सभा में प्रधानमंत्री की मां के साथ हमारे देश की भारत मां पर भी यह अभद्र टिप्पणी की गई। इस तरह के आचरण को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और राजद के लोग एक बार फिर बिहार में 2005 जैसी जंगलराज स्थिति लाना चाहते हैं। जबकि नगर अध्यक्ष नागेश्वर कुशवाहा ने बताया कि प्रदेश और देश की जनता होने वाली बिहार के विधानसभा चुनाव में उन्हें सबक सिखाने के लिए तैयार हैं। साथ ही भारतवासियों राहुल गांधी और तेजस्वी यादव देशद्रोही का नाम देते हुए आक्रोश व्याप्त हैं। पुतला दहन आक्रोश मार्च में युवा मोर्चा अध्यक्ष उत्तम सिंह, देवानंद कुशवाहा सुदर्शन प्रसाद वैश्य, नगर उपाध्यक्ष पंकज कुमार,अंकित त्रिपाठी, बाल्मीकि गुप्ता, महेंद्र साह,ललन चौरसिया,भीम पांडे, सरपंच अरुण पांडे, लंगत सिंह, शिवजी पांडे, हरेंद्र हरियाली, सुनील सिंह, दिनेश सिंह, लल्लू सिंह, रमाशंकर सिंह, देवानंद सिंह, बीर बहादुर सिंह, अनिकेत सिंह, राहुल सिंह, राजेश्वर सिंह, मनमोहन तिवारी, रमेश सिंह, बलवंत सिंह, सुनील यादव, अनिकेत सिंह, सरोज सिंह,परवीन सिंह, गुड्डू यादव, विवेक कुशवाह, चंदेश्वर पांडे, नंदा पांडे, अजय मिश्रा, राहुल सिंह सहित सैकड़ों लोगों ने भाग लिया।

एक नजर

व्यवहार न्यायालय के स्वर्गीय अधिवक्ता के श्राद्धकर्म पर लोगों ने दी श्रद्धांजलि

बिक्रमगंज। सोमवार को व्यवहार न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता स्वर्गीय परमानंद सिंह के श्राद्धकर्म पर लोगों ने उन्हें दी श्रद्धांजलि। अवसर पर जिला सहित अनुमंडल क्षेत्र के अधिवक्ता, जनप्रतिनिधि,शिक्षाविद व समाजसेवी लोगों ने उनके तैलचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया । श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित वक्ताओं ने स्व. सिंह के व्यक्तित्व और कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि वे न सिर्फ एक कुशल अधिवक्ता थे,बल्कि समाज और शिक्षा जगत के लिए भी प्रेरणास्त्रोत थे। उनके प्रति दुःख व्यक्त करते हुए उपस्थित ने उनके द्वारा बताए गए पदचिन्हों पर चलकर समाज सेवा और न्याय की परंपरा को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। मौके पर अंजबित सिंह महाविद्यालय बिक्रमगंज के अरुण सिंह,डॉ.कन्हैया सिंह,अक्षय प्यारे, डॉ.श्रीनिवास सिंह, हरिचरण कुशवाहा,सत्यजीत राज, प्रेम कुमार रंजन,मुन्ना कुमार, जगनारायण सिंह,प्रकाश,रवि रंजन, घनश्याम सिंह,गुप्तेश्वर प्रसाद गुप्ता सहित महाविद्यालय के अधिकारी, शिक्षक और शिक्षकेत्तर कर्मी बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

भाई की सुख-समृद्धि के लिए करमा एकादशी का व्रत रखेंगी बहनें

आरा। करमा धरमा पर्व, जिसे करमा पूजा या करम एकादशी भी कहा जाता है, भाई-बहन के पवित्र रिश्ते, प्रकृति के सम्मान और कृषि समृद्धि का अनूठा उत्सव है। यह पर्व हर वर्ष भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाता है। इस वर्ष करमा पर्व तीन सितंबर, बुधवार को मनाया जाएगा। यह पर्व मुख्य रूप से झारखंड, छत्तीसगढ़, उड़ीसा, बिहार और बंगाल के आदिवासी समुदायों में मनाया जाता है, जहां इसकी समृद्ध परंपराएं और गहरी पौराणिक कथाएं इसे विशेष बनाती हैं। करमा पर्व केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं है, बल्कि यह प्रकृति के साथ मानव के गहरे संबंध, कृषि की अहमियत और पारिवारिक रिश्तों की मजबूती का प्रतीक भी है। इस दिन बहनें अपने भाइयों की लंबी उम्र, स्वास्थ्य और समृद्धि के लिए व्रत रखती हैं और करम देवता की पूजा करती हैं, जिन्हें फसलों और खुशहाली का अधिष्ठाता माना जाता है। भोजपुर जिले में करमा-धरमा पर्व पर आंगन में झूर (झूल) स्थापित करने की परंपरा है, जिसे वृद्धि और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। महिलाएं अपने घर और आंगन को गोबर से लीपकर पवित्र बनाती हैं। पूजा से पूर्व पुष्प, कलश और अखंड दीप की स्थापना की जाती है। महिलाएं दिनभर उपवास रखकर करम-धरमा कथा श्रवण करती हैं और रातभर मंगल गीत गाती हैं। दूसरे दिन तालाब या नदी में झूर का विसर्जन किया जाता है।

कैमूर : आसमानी बिजली गिरने से तीन महिलाओं की मौत, चार गंभीर रूप से झुलसी

- खेत में सोहनी कर रही महिलाओं पर अचानक आकाशीय बिजली गिर गई

केटी न्युज/रोहतास

कैमूर जिला क्षेत्र में खेत में काम कर रही महिलाओं पर मौत बनकर गिरी आसमानी बिजली। इस दर्दनाक हादसे में तीन महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार महिलाएं गंभीर रूप से झुलस गईं। घटना के बाद पूरे इलाके में कोहराम मच गया है। घटना मोहनिया थाना क्षेत्र के दनियालपुर कुरुई गांव की है। खेत में सोहनी कर रही महिलाओं पर अचानक आकाशीय बिजली गिर गई।

इसकी चपेट में आने से तीन महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं। हादसे के बाद ग्रामीणों ने आनन-फानन में सभी को मोहनिया अनुमंडल अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने तीन महिलाओं को मृत घोषित कर दिया, वहीं झुलसी महिलाओं का इलाज जारी है। मृतकों की पहचान कुमारी देवी पति मनोज राम, प्रेमशिला देवी पति मदन राम और मांग्री देवी पति अशोक राम के रूप में हुई है। वहीं झुलसी हुई महिलाओं में मीरा देवी,जानकी देवी, कुंती देवी और गीता देवी शामिल हैं। सभी लोग मोहनिया थाना क्षेत्र के कुरुई गांव के ही निवासी बताए जा रहे हैं। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस सहित जनप्रतिनिधि पहुंचे। बताया जाता हैं कि सोमवार की सुबह बारिश शुरू होते ही अचानक आसमानी बिजली गिर गई। जिससे तीन महिलाओं की मौके पर मौत हो गई और चार गंभीर रूप से झुलस गई हैं। वही मृतक के परिजनों ने सरकार से मांग करते हुए कहा कि हमारे पीड़ित परिवार को आपदा मुआवजा राशि जल्द से जल्द मिले। दूसरी तरफ घटना के संदर्भ मे प्रियेश प्रियदर्शी थाना प्रभारी मोहनिया ने बताया कि घटना में तीन महिलाओं की मौत हुई है और चार लोग झुलस गए हैं। शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। जबकि मौके पर मौजूद पुष्प लता अंचलाधिकारी मोहनिया ने बताया कि घटना में तीन महिलाओं की मौत सहित चार लोग झुलसे हैं। जिनकी मदद के लिए सरकारी प्रक्रिया जारी है। वही जिले में इस दिल दहला देने वाली घटना से पूरे इलाके में मातम पसरा हुआ है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

पूर्व के विवाद को लेकर पुत्र को मारी गोली व मारपीट कर पिता को किया जख्मी

- जख्मियों का आरा शहर स्थित निजी अस्पताल में कराया जा रहा है इलाज
- पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर आरोपी सगे भाइयों को किया गिरफ्तार
- बहोरनपुर थाना क्षेत्र के बहोरनपुर बांध के समीप सोमवार की शाम घटी घटना

केटी न्युज/आरा

जिले के बहोरनपुर थाना क्षेत्र के बहोरनपुर बांध के समीप सोमवार के शाम पूर्व के विवाद को लेकर हथियारबंद बदमाशों ने कोर्ट से वापस लौट रहे बेटे को गोली मार दी। जख्मी किशोर को गोली पीठ पर मारी गई है। वहीं रहे उसके पिता के सिर पर भी बदमाशों ने हथियार के बट से मारकर सिर फाड़ दिया। जिससे दोनों जख्मी हो गए। इसके बाद उन्हें आरा शहर स्थित निजी अस्पताल लाया गया। जानकारी के अनुसार गोली से जख्मी किशोर बहोरनपुर थाना क्षेत्र के दामोदरपुर गांव वार्ड नंबर 9 निवासी सुनील राय का 17 वर्षीय पुत्र सुजीत कुमार है। वही मारपीट के दौरान जख्मी उसके 50 वर्षीय पिता सुनील राय हैं। इधर सुजीत राय ने बताया कि वह अपने पिता सुनील राय के साथ बाइक से आरा कोर्ट में तारीख पर आया था। जब वह शाम में वापस गांव लौट रहा था। उसी दौरान बहोरनपुर बांध के समीप बाइक सवार दो युवक आए और उस एवं उसके पिता को गोली मार दी। जिससे दोनों जख्मी हो गए। वहीं दूसरी तरफ सुजीत राय ने गांव के ही राजू राय और अमरेन्द्र राय पर खुद को व अपने पिता को गोली मारने का आरोप लगाया है। साथ ही उसने बताया कि आरोपी के भाई की कुछ माह हत्या हुई थी। जिसमें उन लोगों द्वारा उसे भी आरोपित बनाया गया था। जबकि वह उस घटना में शामिल नहीं था। उसी विवाद के कारण उनके द्वारा गोली मारी गई है। वही बहोरनपुर थानाध्यक्ष सुशांत कुमार ने बताया कि पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर दामोदरपुर गांव निवासी स्व.राजेंद्र राय के पुत्र राजू राय एवं अमरेंद्र राय को गिरफ्तार कर लिया गया है। इसके पश्चात पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है। बता दे कि इसी वर्ष 3 फरवरी की शाम बहोरनपुर थाना क्षेत्र के दामोदरपुर गांव निवासी जब स्व.राजेंद्र राय के 38 वर्षीय पुत्र सह सीएसपी संचालक धर्मेंद्र कुमार राय गौरा बाजार स्थित पीएनबी बैंक के शाखा से चार लाख रुपये की निकासी कर वापस गौरा बाजार स्थित सीएसपी केंद्र पर लौट रहे थे। उसी दौरान बहोरनपुर बांध के समीप उनकी गोली मारकर हत्या कर दी गई थी एवं चार लाख रुपये भी लूट ली गई थी। इसके बाद मृतक धर्मेंद्र कुमार राय के भाई धीरेंद्र राय के बयान पर अज्ञात अपराधियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। अनुसंधान के क्रम में जख्मी सुजीत राय का नाम आया था और उसे पर लाइनर का काम करने का आरोप लगा था।

पेंशन योजना लागू हेतु शिक्षक और कर्मियों ने काला पट्टी बांध मनाया ब्लैक-डे

केटी न्युज/रोहतास

सोमवार को एनएम ओपीएस बिहार राज्य कार्यकारणी के आह्वान जिला इकाई रोहतास द्वारा एनपीएस व यूपीएस के विरोध में जिले के विभिन्न विद्यालयों तथा विभिन्न विभागों के कार्यालयों में एनपीएस से आच्छादित शिक्षकों तथा कर्मचारियों के द्वारा काला पट्टी-बैच लगाकर ब्लैक डे मनाया। मौके पर कर्मियों ने पुरानी पेंशन बहाल करने की मांग सरकार से की। वही एनएम ओपीएस प्रदेश सोशल मीडिया प्रभारी विकाश कुमार सिंह ने बताया कि पुरानी पेंशन की मांग लंबे समय से किया जा रहा है। जो कुछ राज्यों में ओल्ड पेंशन योजना बहाल भी कर दिया गया है। जिससे कर्मियों में खुशी का माहौल है। साथ ही उन्हें सेवानिवृत के बाद उन्हें अच्छा पेंशन का भी लाभ मिलेगा। उन्होंने सुशासन की सरकार से गुहार लगाई कि बिहार के कर्मियों को भी बुढ़ापे की लाठी पुरानी पेंशन लौटा दी जाए। रोहतास सचिव अरविंद कुमार ,संयुक्त सचिव बब्लू सिंह ने बताया कि जबतक राज्य सरकार हम सभी शिक्षकों, अधिकारियों,कर्मचारियों की पुरानी पेंशन बहाल नहीं कर देती तबतक शिक्षकों का आंदोलन जारी रहेगा। जिसको लेकर जिले के सभी शिक्षक 14 सितम्बर को पुरानी पेंशन योजना लागू के संदर्भ में संघर्ष महारैली तहत मिलर स्कूल, पटना के मैदान में सुबह 10 बजे से हजारों की संख्या में पहुंचने की योजना बना चुके हैं। मौके पर जगरनाथ सिंह,राजेश कुमार सहित अन्य शिक्षक उपस्थित थें।

मंत्री के समीक्षा बैठक में वार्ड पार्षदों ने किया हंगामा

केटी न्युज/आरा

बिहार सरकार में नगर विकास एवं आवास विभाग के मंत्री जीवेश कुमार बिहार के आरा सोमवार को पहुंचे। जहां समाहरणालय सभागार में भोजपुर जिलान्तर्गत नगर निकायों में कार्यान्वित योजनाओं का शिलान्यास, उद्घाटन सह समीक्षा बैठक में शामिल हुए। जहां वार्ड पार्षदों ने जमकर हंगामा कर दिया। जहां वार्ड पार्षदों ने मंत्री का गो बैक का नारा लगाया। दरअसल सोमवार को नगर विकास एवं आवास विभाग मंत्री जीवेश कुमार द्वारा आरा में 10 करोड़ का योजनाओं का शुभारंभ किया गया। हंगामे के बाद कुछ देर तक समाहरणालय सभागार में अफरा तफरी का माहौल बन गया। वार्ड पार्षदों का मांग था कि वार्ड में छोटी-

मोटी कामों के लिए मोहल्ले वासियों से फजीहत झेलनी पड़ती है। जबकि बिहार सरकार के मंत्री उनके पास जाने के बाद भी हमारी बातों को सुनते भी नहीं है। वार्ड पार्षदों ने सबसे पहले सर्किट हाउस पहुंचकर मंत्री जीवेश कुमार से मिलने की कोशिश की। लेकिन वहां कुछ लोगों ने उन्हें मिलने नहीं दिया। जिसके बाद वहां तू तू मैं मैं और हंगामा हुई। वहां से जैसे ही डीएम ऑफिस मंत्री समीक्षा बैठक के लिए पहुंचे वार्ड पार्षदों ने जमकर उनका विरोध कर दिया। विरोध के बाद समीक्षा बैठक में उन्हें शामिल होने का आरा विधायक और पदाधिकारी द्वारा आग्रह किया। जिसके बाद वार्ड पार्षदों ने समीक्षा बैठक में शामिल हुए।समाहरणालय आरा के प्रांगण में श्री जीवेश कुमार,माननीय मंत्री,नगर विकास एवं आवास विभाग, बिहार, पटना द्वारा लगभग 10.5 करोड़ रुपये की लागत से भोजपुर जिला के सभी नगर निकायों में संचालित कुल 68 योजनाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन रिमोट के माध्यम से किया गया।शिलान्यास एवं उद्घाटन कार्यक्रम के उपरांत माननीय मंत्री ने नगर निकायों के पदाधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों के साथ समाहरणालय सभागार में बैठक कर विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने राजस्व वसूली में वृद्धि, प्रधानमंत्री आवास योजना को गति प्रदान करने, प्रशासनिक भवन एवं सम्राट अशोक भवन निर्माण हेतु भूमि चयन, एम.आर.एफ. सेंटर निर्माण हेतु भूमि चिह्नित कर शीघ्र निविदा प्रकाशन, नल-जल योजना को शीघ्र धरातल पर उतारने तथा बुडको द्वारा लंबित योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराने का निर्देश दिया। इसके अतिरिक्त उन्होंने प्लास्टिक के उपयोग को कम करने एवं इसके विरुद्ध जन-जागरूकता अभियान चलाने पर भी बल दिया।

इस अवसर पर माननीय सांसद,आरा श्री सुदामा प्रसाद, माननीय विधायक आरा श्री अमरेन्द्र प्रताप सिंह,श्री राधा चरण शाह (बिहार विधान परिषद सदस्य), श्री श्रीभगवान सिंह कुशवाहा (बिहार विधान परिषद सदस्य),आरा नगर निगम की महापौर श्रीमती इन्दु देवी, उपमहापौर श्रीमती पुनम देवी, सभी नगर निकायों के सभापति, उप सभापति, वार्ड पार्षद, जिला पदाधिकारी भोजपुर, उप विकास आयुक्त भोजपुर, नगर आयुक्त आरा नगर निगम, सभी नगर निकायों के कार्यपालक पदाधिकारी, बुडको आरा के प्रबंध निदेशक, सहायक अभियंता, कनीय अभियंता, वरीय उपसमाहर्ता भोजपुर सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

हाई स्कूल के नए प्रधान लिपिक का लोगों ने किया स्वागत

केटी न्युज/रोहतास

राजपुर प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत पाठकवालिया निवासी रौशन पाठक ने मंगरवालिया हाई स्कूल में प्रधान लिपिक के पद पर योगदान किया। बता दे कि स्वर्गीय पप्पू पाठक के पुत्र को अनुकंपा के आधार पर मिली नौकरी से परिवार का उदास चेहरा खिल उठा स्वर्गीय पप्पू पाठक उत्क्रमित मध्य विद्यालय पड़रिया में शिक्षक थे।

उनके आकस्मिक निधन के बाद अनुकंपा पर उनके होनहार पुत्र रोशन पाठक को मंगलवालिया हाई स्कूल में प्रधान लिपि के पद पर योगदान लिया गया। इस मौके पर गाजे-बाजे के साथ मिर्त्युंजय पाठक, मोहन पाठक, संजीत पाठक, रवि पाण्डेय, दीपक पाठक, बदे तिवारी, दिलीप पाठक, लाल बाबू सिंह, मंगल मूरत और भूमि दाता अजय दुबे ने प्रधानाध्यापक पिंकू शर्मा के समक्ष मल्यार्पण के साथ स्वागत कर के बधाई दी। यह एक महत्वपूर्ण अवसर है। जहां सामुदायिक सदस्यों ने रौशन पाठक का गर्मजोशी से स्वागत किया। अवसर पर क्षेत्र के लोगों सहित शिक्षकों ने नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दी।

गृद्धकूट पर्वत के बाद बौद्ध अनुयायियों के लिए यह सबसे पूजनीय जगह

बिहार के राजगीर का वेणुवन बौद्ध पर्यटन स्थल को मिलेगा नया लुक, खर्च किए जाएंगे 5 करोड़

एजेंसी। पटना

बिहार सरकार राज्य के पर्यटन क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिए लगातार पहल कर रही है और ऐसे में राजगीर जैसे ऐतिहासिक स्थल भला इसमें कैसे पीछे रह सकते हैं। यहां पर देशी-विदेशी सैलानियों को आकर्षित करने और उनके ठहराव को बढ़ाने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने वेणुवन में रात्रिकालीन पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वाकांक्षी योजना स्वीकृत की है। इसके तहत 4 करोड़ 99 लाख 67 हजार रुपये की धनराशि जारी की गई है जो वेणुवन को आधुनिक लाइट एंड साउंड शो और अन्य सुविधाओं से लैस कर देगी। यह योजना भगवान बुद्ध और राजा बिंबिसार से जुड़े इस पवित्र स्थल को शाम के समय जीवंत बना देगी, जहां पर्यटक बौद्ध विरासत को लेजर, संगीत, फव्वारों और प्रोजेक्शन के माध्यम से जीवंत रूप में सैलानी देख सकेंगे। इसका निर्माण कार्य शुरू हो चुका है और दो वर्षों में इसके पूरे होने का लक्ष्य है। पहले वर्ष के लिए पर्यावरण एवं वन मंत्रालय ने 64.80 लाख रुपये जारी भी कर दिए हैं। राजगीर का वेणुवन बौद्ध इतिहास का एक महत्वपूर्ण स्थल है, जहां भगवान बुद्ध ने राजा बिंबिसार के दान से अपना पहला वास स्थापित किया था। गृद्धकूट पर्वत के बाद बौद्ध अनुयायियों के लिए यह सबसे पूजनीय जगह है। यहाँ ईको-टूरिज्म और पार्क विकास योजना के तहत पुराने ढांचों को ध्वस्त कर 5,600 वर्ग मीटर क्षेत्र में भूमि विकास, नई बाउंड्री वॉल, पाथवे, श्ब्द्ध, दिव्यांगजन और सामान्य दर्शकों के लिए बैठने की व्यवस्था बनेगी। मुख्य आकर्षण 75 फीट लंबी और 40 फीट ऊंची प्रोजेक्शन स्क्रीन पर लेजर लाइट एंड साउंड शो होगा जो हर शाम 6 से 7 बजे हिंदी और अंग्रेजी में चार शो प्रदर्शित करेगा। यह शो महात्मा बुद्ध के जीवन, राजगीर की सांस्कृतिक विरासत और ऐतिहासिक घटनाओं को प्रकाश, ध्वनि प्रणाली, जल फव्वारों और लेजर प्रोजेक्शन से जीवंत करेगा, जिससे पर्यटकों को एक गहन आध्यात्मिक और मनोरंजक अनुभव मिलेगा। यह योजना रात्रिकालीन पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ-साथ स्थानीय आजीविका, पर्यावरण संरक्षण और सांस्कृतिक पर्यटन को मजबूत करेगी। राजगीर पहले से ही रोपवे, विश्व शांति स्तूप, जू सफारी, डायनासोर पार्क और ग्लास ब्रिज जैसे आकर्षणों के लिए जाना जाता है, लेकिन वेणुवन का यह नया रूप सैलानियों को रात में भी ठहरने के लिए प्रेरित करेगा। ग्रेटर राजगीर मास्टर प्लान के तहत स्मार्ट सिटी विकास, सौर ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहन और हरित पार्कों पर भी काम चल रहा है जो पर्यटन को ईको-फ्रेंडली बनाएगा। इससे बिहार का पर्यटन क्षेत्र नई ऊंचाइयों को छुएगा और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी बूस्ट मिलेगा।

पटना मेट्रो में नौकरी के नाम पर ठगी पीएमआरसीएल ने युवाओं को किया अलर्ट

एजेंसी। पटना

पटना मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (पीएमआरसीएल) में नौकरी के नाम पर ठगों के कई गिरोह राज्य में सक्रिय हो चुके हैं। पटना मेट्रो में नौकरी के नाम पर ठगों का यह गिरोह लोगों से न केवल ऑनलाइन बल्कि ऑफलाइन तरीके से भी ठगी के नए-नए तरीके अपना रहा है। यह जानकारी किसी और ने नहीं बल्कि खुद पटना मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने दी है। पटना मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने सोमवार को एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा है कि पीएमआरसीएल के नाम पर कुछ फर्जी विज्ञापन विभिन्न माध्यमों जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, ई-मेल, एसएमएस, व्हाट्सएप लिंक और अवैध वेबसाइट्स के माध्यम से प्रसारित किए जा रहे हैं। इन फर्जी विज्ञापनों में पटना मेट्रो में युवकों व युवतियों को नौकरी देने का दावा किया जा रहा है। साथ ही, आवेदकों से धनराशि या उनके बैंक खाते का विवरण भी मांगा जा रहा है। मेट्रो ने ऐसे सभी अभ्यर्थियों और आम लोगों को स्पष्ट कर दिया है कि वर्तमान में पटना मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा किसी भी प्रकार की नियुक्ति के लिए कोई भी विज्ञापन जारी नहीं किया गया है। पटना मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने यह भी साफ किया कि नियुक्ति प्रक्रिया में कभी भी किसी प्रकार का शुल्क, बैंक खाते का विवरण, क्रेडिट या डेबिट कार्ड समेत किसी भी अन्य वित्तीय जानकारी नहीं मांगी जाती है।

बैंक शाखा से 14.87 किलोग्राम सोने के आभूषण और 5 लाख नकद की लूट का मामला

पटना में उच्चस्तरीय बैठक : बिहार में खनन क्षेत्र को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का संकल्प

एजेंसी/पटना

केन्द्रीय मंत्री जी.किशन रेड्डी (खान मंत्रालय), भारत सरकार की अध्यक्षता में खान एवं भूतत्व विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षात्मक बैठक पटना में आयोजित की गयी। खान एवं भूतत्व विभाग, बिहार सरकार की ओर से आज पटना के होटल मौर्य में एक उच्चस्तरीय विभागीय समीक्षात्मक बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की केंद्रीय मंत्री, खान मंत्रालय, भारत सरकार जी. किशन रेड्डी ने अध्यक्षता की। इस मौके पर माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री, खान मंत्रालय, सतीश चन्द्र दुबे और उप मुख्य (खान एवं भूतत्व) मंत्री विजय कुमार विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। बैठक की शुरूआत गणमान्य अतिथियों के स्वागत, अभिनंदन एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके बाद दिवेश सेहरा, सचिव खान एवं भूतत्व विभाग, बिहार सरकार ने स्वागत भाषण दिया। दिनेश माहूर, संयुक्त सचिव, खान मंत्रालय, भारत सरकार ने बैठक का संदर्भ प्रस्तुत किया। बैठक में ऋॠक टएउछ अन्य केंद्रीय एजेंसियों के प्रतिनिधि मौजूद रहे और अपनी अपनी प्रस्तुतियां दीं। बैठक को संबोधित करते हुए केंद्रीय खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने कहा कि केंद्र सरकार बिहार के खनिज संसाधनों के वैज्ञानिक, पारदर्शी और सतत दोहन के लिए पूर्ण समर्थन देने को प्रतिबद्ध है। हमारा उद्देश्य बिहार में खनन क्षेत्र को नई ऊंचाइयों तक ले जाना है, जिससे राज्य में रोजगार सृजन, राजस्व वृद्धि और औद्योगिक विकास को गति मिले। राज्यों को खनिज संसाधनों के प्रबंधन में आधुनिक तकनीकों को अपनाने और युवाओं के लिए अधिक से अधिक अवसर सृजित करने के लिए प्रोत्साहित किया गया है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि बिहार सरकार के प्रयासों और केंद्र के सहयोग से बिहार खनन क्षेत्र में न केवल रोजगार के नए द्वार खोलेगा, बल्कि यह क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति का प्रतीक बनेगा। वहीं बिहार के डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि भारत सरकार द्वारा बिहार राज्य को कुल 12 वृहद् खनिज के ब्लॉक नीलामी हेतु उपलब्ध कराये गये हैं। बिहार सरकार खनन क्षेत्र में पारदर्शिता, तकनीकी नवाचार, और सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। हम खनिज संसाधनों का उपयोग बिहार के विकास, रोजगार सृजन, और औद्योगिक प्रगति के लिए करेंगे। केंद्र सरकार के सहयोग से बिहार खनन क्षेत्र में नई ऊंचाइयां छुएगा। ऋॠक को अधिक खनिज ब्लॉक उपलब्ध कराने के लिए निर्देशित किया गया है। बैठक का समापन विनोद दूहन, निदेशक, खान एवं भूतत्व विभाग, बिहार सरकार द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। इस उच्चस्तरीय बैठक में यह संकल्प लिया गया कि बिहार के खनिज संसाधनों का वैज्ञानिक और पारदर्शी दोहन किया जाएगा। राज्य सरकार और केंद्र सरकार के सहयोग से बिहार को खनन के क्षेत्र में अग्रणी बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे।

गर्व और राष्ट्र निर्माण की प्रतिबद्धता के साथ मनाया गया 66वाँ इंडियन ऑयल दिवस

एजेंसी। पटना

इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (इंडियनऑयल), पटना डिवीजनल ऑफिस ने आज 66वाँ इंडियन ऑयल दिवस बड़े उत्साह के साथ मेसर्स राजेन्द्र नगर सर्विस स्टेशन, नाला रोड, पटना में मनाया। इस अवसर पर इंडियनऑयल ने राष्ट्र की प्रगति, सतत विकास और ऊर्जा सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया। कार्यक्रम में पेंटिंग प्रतियोगिता, ग्राहकों और कस्टमर अटेंडेंट का सम्मान जैसे कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम का उद्घाटन श्री संजीव कुमार चौधरी, कार्यकारी निदेशक एवं राज्य प्रमुख, बिहार राज्य कार्यालय, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा किया गया। इस अवसर पर नवीनतम सुविधाओं से युक्त नवीनीकृत आउटलेट, जिसमें नाइट्रोजन एयर सुविधा भी शामिल है, ग्राहकों को समर्पित की गई।

श्री चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि ह्लमेसर्स राजेन्द्र नगर सर्विस स्टेशन बिहार राज्य में इंडियन ऑयल का तीसरा सबसे पुराना रिटेल आउटलेट है, जिसकी शुरूआत वर्ष 1961 में हुई थी। यह आउटलेट पटना शहर और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड दोनों के विकास का साक्षी रहा है। उन्होंने छोटे बच्चों को उनके भविष्य और सस्टेनेबिलिटी के दृष्टिकोण के लिए बधाई दी तथा डीलर और इंडियनऑयल पटना टीम को श्रेष्ठ ग्राहक सेवा प्रदान करने के लिए सराहा। इस अवसर पर श्री प्रतीक चटर्जी, मुख्य महाप्रबंधक (रिटेल सेल्स) ने कहा कि ह्लइंडियन ऑयल सदैव अपने ग्राहकों को सही गुणवत्ता, सही मात्रा और श्रेष्ठ सेवा उपलब्ध कराने का प्रयास करता है।

बिहार के वोटर लिस्ट में नेपाली नागरिकों के नाम!

- खुलासे के बाद जिला प्रशासन ने जारी किया नोटिस

एजेंसी/पटना

बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत प्रकाशित सूची में नेपाली नागरिकों के नामों का पता चलने से प्रशासन में हड़कंप मच गया है। नरकटियागंज प्रखंड में कुल 43 नेपाली नागरिकों के नाम मतदाता सूची में पाए गए हैं, जिन्हें नोटिस भेजकर भारतीय नागरिकता का प्रमाण प्रस्तुत करने को कहा गया है। इन लोगों से फार्म 7 भरवाया गया था, जिसके बाद फार्म 7 के आधार पर नामों की संख्या में तेजी से वृद्धि देखी जा रही है। ह्यएनेक्सर डीह्ण के तहत ऐसे व्यक्तियों से दस्तावेज मांगे जा रहे हैं। यदि निर्धारित समय सीमा के भीतर आवश्यक डॉक्यूमेंट जमा नहीं करते हैं, तो उनके नाम मतदाता सूची से विलोपित कर दिए जाएंगे। नरकटियागंज के अलावा सिकटा विधानसभा क्षेत्र से भी नेपाली नागरिकों के मतदाता सूची में नामों के कई मामले सामने आए हैं। प्रशासन ने सभी संबंधितों को नोटिस जारी कर भारतीय नागरिकता के प्रमाण प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। नरकटियागंज के बीडीओ सूरज कुमार सिंह ने बताया कि 43 नेपाली नागरिकों ने आधार कार्ड के साथ मतदाता सूची ड्राफ्ट में आवेदन किया है।

गंगा नदी की शुद्ध मिट्टी और प्राकृतिक (नेचुरल) रंगों का इस्तेमाल किया जा रहा

पटना में दुर्गा पूजा की धूम, पर्यावरण के अनुकूल मूर्तियां बन रहीं आकर्षण का केंद्र

एजेंसी/पटना

पटना में दुर्गा पूजा की तैयारियां जोरों पर चल रही हैं। शहर के कई हिस्सों में कारीगर मां दुर्गा की सुंदर प्रतिमाएं तैयार कर रहे हैं। खास बात यह है कि इस बार मूर्तियों को पर्यावरण के अनुकूल ढंग से बनाया जा रहा है। इसके लिए गंगा नदी की शुद्ध मिट्टी और प्राकृतिक (नेचुरल) रंगों का इस्तेमाल किया जा रहा है, जिससे नदियों या पर्यावरण को कोई नुकसान न हो। मूर्तियों को सजाने-संवारने के लिए उपयोग होने वाला श्रृंगार का सामान पश्चिम बंगाल से मंगवाया जा रहा है। बंगाल की कला और संस्कृति का असर पटना की दुर्गा पूजा पर भी साफ दिखाई देता है। यहां के कारीगर पारंपरिक तरीकों को अपनाते हुए मूर्तियों में बारीकी से काम कर रहे हैं। हालांकि, इस काम में उन्हें कई चुनौतियों का सामना भी करना पड़ रहा है। कच्चे माल की कीमतें बढ़ गई हैं और मौसम भी कभी बारिश तो कभी धूप के कारण मूर्ति निर्माण में रुकावटें पैदा कर रहा है। इसके बावजूद कारीगर पूरी लगन और निष्ठा से अपनी कला को जीवित रखने में लगे हुए हैं।दुर्गा पूजा केवल एक धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि कला, संस्कृति और परंपरा का प्रतीक है। पटना के कारीगर इस परंपरा को आगे बढ़ाने के लिए न केवल अपनी मेहनत, बल्कि पर्यावरण के प्रति जागरूकता भी दिखा रहे हैं। इस साल की दुर्गा प्रतिमाएं न केवल खूबसूरत होंगी, बल्कि प्रकृति के लिए भी सुरक्षित होंगी।

मुंगेर में पूजा विसर्जन के दौरान दो सगे भाई डूबे

मुंगेर। मुंगेर जिले के सफियासराय थाना क्षेत्र के सिंधिया भागवत साह टोला में रविवार को गंगा नदी में बड़ा हादसा हो गया। कर्मा धर्मा पूजा की सामग्री विसर्जन के दौरान दो सगे भाई गंगा में डूब गए। ग्रामीणों की मदद से एक बच्चे को बचा लिया गया, जबकि दूसरा अब तक लापता है। जानकारी के मुताबिक, पूजा सामग्री विसर्जन के लिए घाट पर पहुंचे सुदीन यादव के दोनों बेटे गंगा में उतर गए। इसी दौरान 12 वर्षीय विकास कुमार गहरे पानी में डूब गया, जबकि उसका छोटा भाई आयुष कुमार ग्रामीणों की तत्परता से बचा लिया गया। हादसे के बाद घाट पर अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में ग्रामीण जुट गए।सूचना मिलते ही सफियासराय थाना के एएसआई रामरूप सहनी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और बचाव कार्य शुरू कराया।

बिहार सरकार के साथ आईटीसी ग्रुप ने किया करार

पटना के हृदयस्थल पर बनेगा फाइव स्टार होटल

एजेंसी/पटना

राजधानी पटना के लोगों को एक और बड़ी सौगात मिलने वाली है। बिहार सरकार ने आईटीसी होटल्स लिमिटेड के साथ समझौता किया है। इस करार के तहत पटना में एक शानदार फाइव स्टार होटल का निर्माण किया जाएगा। पर्यटन सचिव लोकेश कुमार सिंह ने इस बात की जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि यह होटल पटना के इनकम टैक्स गोलंबर के पास पाटलिपुत्रा अशोका होटल की जगह बनाया जाएगा। पहले पाटलिपुत्रा अशोका जहां था वहां अब कुछ दिनों बाद फाइव स्टार होटल दिखेगा। जो इतना भव्य होगा कि लोगों का ध्यान अपनी ओर आकृष्ट करेगा। उन्होंने बताया कि पटना में क्ळउ ग्रुप जैसे प्रतिष्ठित होटल का आना पटनावासियों के लिए गर्व की बात है और इससे पर्यटकों व स्थानीय लोगों दोनों को ही आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी।बता दें कि पटना का इनकम टैक्स गोलंबर इलाका पटना का हृदयस्थल माना जाता है। यहां से डाकबंगला चौराहा, मुख्य सचिवालय, पटना जंक्शन, पटना एयरपोर्ट, गांधी मैदान, मरीन ड्राइव जैसी कई महत्वपूर्ण जगह पास में है। पहले यहां अशोका होटल संचालित था, लेकिन कोरोना से पहले यह बंद हो गया था। इस जगह का इस्तेमाल कोरोना के समय में लोगों को वैक्सीन देने के लिए किया था। जिसके बाद से यह होटल बंद है। अब बिहार सरकार के पर्यटन विभाग ने पीपीपी मोड में निविदा जारी कर इस जमीन पर फाइव स्टार होटल बनाने का निर्णय लिया है। पर्यटन सचिव ने जानकारी दी कि पटना में दो और फाइव स्टार होटलों की योजना पर भी काम चल रहा है। इसके लिए गांधी मैदान पुराना बस स्टैंड और आर ब्लॉक चौराहे के पास स्थित सुल्तान पैलेस को चिन्हित किया गया है, जहां बड़े होटल ग्रुप्स को आमंत्रित किया जाएगा।

सुभाषितम्

शिक्षा किसी घड़े को भरने जैसा नहीं है यह तो अग्नि प्रज्वलित करने के समान है। -डब्ल्यू बी. बीट्स

भारत पर अमेरिकी टैरिफ और ऊर्जा सुरक्षा

ट्रंप प्रशासन द्वारा भारत से निर्यातित वस्तुओं पर 50% टैरिफ लगाना, रूस से भारत के कच्चे तेल आयात के जवाब में, एक संकीर्ण और असंगत नीति को दशार्ता है। भारत की आलोचना की जा रही है जबकि चीन, जापान, तुर्की और यूरोपीय संघ के कई देश रूस से कहीं अधिक तेल आयात कर रहे हैं। यह चयनात्मक रवैया इस टैरिफ को अनुचित और राजनीतिक रूप से प्रेरित बनाता है। इसका असर भारत की अर्थव्यवस्था पर खासकर वस्त्र, रत्न और कीमती धातुओं जैसे क्षेत्रों में देखा जा सकता है। भले ही रोजगार और महंगाई पर इसका पूरा असर अभी स्पष्ट नहीं हुआ है, लेकिन भारत सरकार ने अपने निर्यात बाजारों में विविधता लाने की दिशा में कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। भारत का विशाल घरेलू बाजार, मजबूत कूटनीतिक संबंध और बढ़ती आर्थिक-सेना शक्ति ऐसे दबावों को सफल नहीं होने देगी। भारत और रूस के बीच व्यापार अमेरिकी डॉलर की बजाय रुपये में होता है, जो वैश्विक व्यापार में डॉलर मुक्त व्यवस्था की ओर एक कदम है। भारत मध्य पूर्व देशों के साथ भी रुपये में तेल व्यापार के विकल्प तलाश रहा है। यदि यह चलन बढ़ा, तो यह पेट्रो-डॉलर प्रणाली को चुनौती देगा और अमेरिकी आर्थिक प्रभुत्व को कम कर सकता है। इफ्क्रउर देशों के बीच रुपये आधारित व्यापार की भारत की पहल भी इसी दिशा में है। अमेरिका की चिंता भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा से अधिक, डॉलर की वैश्विक पकड़ कमजोर होने को लेकर है। भारत की ऊर्जा सुरक्षा लंबे समय से तेल आयात पर निर्भरता से जुड़ी है। भारत अपनी 82% से अधिक कच्चे तेल की जरूरतें आयात से पूरी करता है, जिससे विदेशी मुद्रा पर दबाव और बाहरी झटकों की आशंका बढ़ जाती है। अधिकांश तेल परिवहन क्षेत्र–दोपहिया, कार, ट्रक, बस, विमानन ईंधन और कृषि व थर्मल पावर में डीजल–में खपत होता है। इसे कम करने के लिए भारत ने इलेक्ट्रिक वाहनको बढ़ावा देना शुरू किया है, विशेषकर दोपहिया, यात्री वाहन और बसों में। साथ ही, वैकल्पिक ऊर्जा परियोजनाओं में भी निवेश किया जा रहा है। हिमालय क्षेत्र में जलविद्युत परियोजनाओं की योजना है, पर भूकंपीय जोखिम, भूस्खलन और मानसून के दौरान पर्यावरणीय चुनौतियां गंभीर हैं। इनके लिए पर्यावरणीय और सामाजिक प्रभावों का गहन मूल्यांकन जरूरी है। भारत दुनिया में बिजली का एक बड़ा उत्पादक और उपभोक्ता है। थर्मल पावर (मुख्यतः कोयला) अभी भी 45.4% बिजली उत्पादन में योगदान देता है, जबकि जलविद्युत का हिस्सा लगभग 10.2% है, जिसे अब सौर और पवन ऊर्जा ने पीछे छोड़ दिया है। 2025 तक गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों की क्षमता 217 जीडब्ल्यू पार करने का अनुमान है, जो ऊर्जा नीति में बड़ा बदलाव है। राष्ट्रीय बायोएनेर्जी मिशन, ग्रीन हाइड्रोजन मिशन और रूफटॉप सोलर जैसे कार्यक्रम इस दिशा में अहम हैं।

वर्तमान में, भारत की कुल स्थापित बिजली क्षमता का लगभग 49% गैर-जीवाश्म स्रोतों (जिसमें परमाणु ऊर्जा भी शामिल है) से आता है। ग्रीन हाइड्रोजन के साथ-साथ परमाणु ऊर्जा परियोजनाएं भी तेजी से बढ़ाई जा रही हैं ताकि दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। अमेरिकी टैरिफ भारत के लिए तात्कालिक आर्थिक चुनौती जरूर हैं, लेकिन भारत अपने व्यापार और ऊर्जा नीतियों में बड़े स्तर पर बदलाव कर रहा है। ये प्रयास न केवल राष्ट्रीय हितों की रक्षा करते हैं, बल्कि एक संतुलित और बहुध्रुवीय वैश्विक व्यवस्था की दिशा में भी योगदान देते हैं।

चिंतन-मनन

क्षमा भाव आत्मसात करें

बुद्धि का अर्थ है नीर-क्षीर विवेक करने वाली शक्ति और ज्ञान का अर्थ है आत्मा तथा पदार्थ को जान लेना। ज्ञान का अर्थ है आत्मा तथा भौतिक पदार्थ के अन्तर को जानना। आधुनिक शिक्षा में आत्मा के विषय में कोई ज्ञान नहीं दिया जाता, केवल भौतिक तत्वों तथा शारीरिक आवश्यकताओं पर ध्यान दिया जाता है। फलस्वरूप शैक्षिक ज्ञान पूर्ण नहीं हैं। असम्मोह अर्थात संशय तथा मोह से मुक्ति तभी प्राप्त हो सकती है, जब मनुष्य झिझकता नहीं और दिव्य दर्शन को समझता है। वह धीरे-धीरे निश्चित रूप से मोह से मुक्त हो जाता है। क्षमा का अभ्यास करना चाहिए। मनुष्य को सहिष्णु होना चाहिए और दूसरों के छोटे अपराध क्षमा कर देना चाहिए। सत्यम का अर्थ है तथ्यों को सही रूप में अन्यों के लाभ के लिए प्रस्तुत किया जाए। तथ्यों को तोड़ना-मरोड़ना नहीं चाहिए। सामाजिक प्रथा के अनुसार कहा जाता है कि वही सत्य बोलना चाहिए, जिससे दूसरे लोग समझ सके कि सच्चाई क्या है। कोई चोर है और यदि लोगों को सावधान कर दिया जाये कि अमुक व्यक्ति चोर है, तो यह सत्य है। यद्यपि सत्य कभी-कभी अप्रिय होता है, किन्तु कहने में संकोच नहीं करना चाहिए। सत्य की मांग है कि तथ्यों को यथारूप में लोकहित के लिए प्रस्तुत किया जाए। यही सत्य की परिभाषा है। दम का अर्थ है इन्द्रियों को व्यर्थ विषयभोग में न लगाया जाए। अनावश्यक इन्द्रियभोग आध्यात्मिक उन्नति में बाधक है। मन पर भी अनावश्यक विचारों के विरुद्ध संयम रखना चाहिए। इसे शम कहते हैं। मनुष्य धन-अर्जन के चिन्तन में ही सारा समय न गवाए। यह चिन्तन शक्ति का दुरुपयोग है। मन का उपयोग मनुष्यों की मूल आवश्यकताओं को समझने के लिए किया जाना चाहिए। साधुपुरुषों, गुरुओं महान विचारको की संगति में रहकर विचार-शक्ति का विकास करना चाहिए। जो कुछ कृष्णभावनामृत के विकास के अनुकूल हो, उसे स्वीकार करे और जो प्रतिकूल हो, उसका परित्याग करे।

अनुसंधान संस्थान में तकनिकी हिंदी जानकारों की आवश्यकता

- संजय गोस्वामी

आज हिंदी का प्रचार जोर शोर से चल रहा है और हिंदी हेतु सरकार द्वारा राजभाषा हेतु उपनिदेशक (राजभाषा) व अनुवाद अधिकारी की नियुक्ति होती है अच्छी बात है अभी हिंदी दिवस भी सामने आ रही है और अभी से ही लोग हिंदी लेख और उससे जुड़े प्रतियोगिता में भाग लेने को इक्छुक है हिंदी में कर्मचारी को ट्रेनिंग भी दी जा रही है लेकिन हिंदी को अनुसन्धान संस्थान पर थोपना सही नहीं है क्योंकि विज्ञान या इंजीनियरिंग को हिंदी में कितने लोग पढ़े है यदि पढ़े भी है तो संस्थान में काम करने वाले सभी लोग पढ़े हैं क्या? क्योंकि कुछ लोगों के विज्ञान को हिंदी में पढ़ाई करने से अनुसन्धान का कार्य पूर्ण रूप से नहीं होता है क्योंकि टीम वर्क के साथ काम करना होता है अनुसन्धान संस्थान में देश के टॉप इंजीनियरिंग कॉलेज जैसे आईआईटी, एनआईटी आदि के स्टूडेंट रहते हैं वहाँ सारा पढ़ाई इंग्लिश में होता है इसलिए हिंदी और सिर्फ हिंदी में काफी अंतर है वहाँ हिंदी अनुवादक कार्मिक होते हैं जिसे विज्ञान और इंजीनियरिंग की पकड़ कितनी होती है वो सबको पता है नतीजा यह होता है कि टेक्निकल या इंजीनियरिंग शब्दों का हिंदी में कैसे इस्तेमाल किया जाए, अंत में गूगल ट्रांसलेशन की मदद लेते हैं और कार्मिक द्वारा हिंदी ट्रांसलेशन में गलत अर्थ आता है जैसे आप फिजिकल प्रोग्रेस को हिंदी में गूगल ट्रांसलेशन

करेंगे तो शारीरिक प्रगति आता है जिसे भौतिक प्रगति होना चाहिए उसी तरह परचेज ऑर्डर का गूगल ट्रांसलेट करते हैं तो खरीद आदेश आता है जबकी क्रय आदेश होना चाहिए इसी तरह प्रोक्योरमेंट को गूगल से ट्रांसलेशन करेंगे तो भी खरीद ही आता है जबकी उसका सही अर्थ प्रापण होना चाहिए आरटीडी जो एक इलेक्ट्रिकल यन्त्र है उसे गूगल से ट्रांसलेशन करने पर सेवानिवृत हो जाता है और एक ऐसा ही शब्द ढ जिसे टाइटेनियम कहा जाता है गूगल उसे तिवारी पकड़ लेता है ऐसे अनगिनत शब्द हैं जो विज्ञान में हिंदी में गूगल कभी सही अर्थ जो उसमें फिट होना चाहिए वो नहीं बतलाता है अतः यदि अनुसन्धान संस्थान में हिंदी को अनिवार्य करना जरुरी नहीं है नहीं तो वहाँ के साइंटिस्ट को शोध करने में कई कठिनाई का सामना करना पड़ता है ऐसे भी वैज्ञानिक खोज देश या विदेश पर निर्भर नहीं करती है वह सिद्धांत को प्रैक्टिकल के सफलता पर निर्भर करती है और जब आईआईटी और लगभग सभी इंजीनियरिंग कॉलेज में इंग्लिश में पढ़ा होता है तो अनुसन्धान संस्थान में वैज्ञानिक हिंदी में कैसे काम करेंगे अतः अनुसन्धान संस्थान में देश के विकास हेतु टेक्नोलॉजी का उपयोग किया जाता है जो समय से कार्य को पूर्ण करना उसका उद्देश्य होता है तकनीकी लेखन से आशय तकनीकी और व्यावसायिक क्षेत्रों में उपयोग किए जाने वाले तकनीकी संचार को लिखने से है। उदाहरण के लिए, कंप्यूटर हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर, इंजीनियरिंग, रसायन विज्ञान, वैमानिकी, रोबोटिक्स, वित्त, चिकित्सा, उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स, जैव प्रौद्योगिकी और वानिकी जैसे तकनीकी और व्यावसायिक क्षेत्रों में उपयोग किए जाने वाले तकनीकी संचार को लिखना। अतः आज हिंदी में तकनीकी लेखन यदि शुरूआत से ही की जाए, तभी इसका फायदा होगा मंगलवार (5 अगस्त, 2025) को लोकसभा को सूचित किया गया कि सरकार ने आधिकारिक संचार, केंद्रीय सेवाओं या शैक्षणिक संस्थानों में हिंदी को अनिवार्य बनाने के लिए कोई निर्देश जारी नहीं किया है। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने डीएमके सांसद कलानिधि वीरास्वामी के एक लिखित प्रश्न के उत्तर में यह बात कही। इस प्रश्न में पूछा गया था कि क्या सरकार ने हिंदी को अनिवार्य बनाने के लिए कोई निर्देश जारी किए हैं। मंत्री ने उत्तर दिया, नहीं, महोदय। डीएमके सांसद मथेश्वरन वी.एस. द्वारा 2014 से हिंदी के प्रचार-प्रसार पर खर्च की गई धनराशि के बारे में पूछे गए एक अलग प्रश्न का उत्तर देते हुए, मंत्री ने आँकड़े प्रस्तुत किए जिनसे पता चला कि 2014-15 और 2024 के बीच राजभाषा विभाग को आवंटित बजट से ?736.11 करोड़ खर्च किए गए हैं लेकिन हिंदी अपने देश की भाषा है खुसबू बिखेरती है अतः हिंदी के साथ साथ क्षेत्रीय भाषा का भी सम्मान होएक प्रसिद्ध और शिक्षाप्रद दोहा है। करत करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान रसरी आवत जात के सिल पर परत निशान। इसमें जो सबसे महत्वपूर्ण बात है वह है अभ्यास। अगर मान लिया जाए अभ्यास ही गलत हो, या गलत दिशा में किया जा रहा हो। तो सफलता मिलने की संभावना लगभग शून्य ही हो जाएगी। इसलिए हर कार्य या अभ्यास के पीछे भी गंभीरता बहुत जरूरी है। गंभीरता और मन से किया गया कार्य ही सार्थक होता है। इसके अभाव में अभ्यास निरर्थक साबित हो जाएगा। हम जो भी प्रश्नों के जवाब देते हैं वह जवाब कहीं न कहीं मौजूद भी होते हैं। अगर उस जवाब में हम अपने अनुभव द्वारा, उनमें नए उदाहरण नहीं जोड़ेंगे। तो मेरे जवाब का कोई मतलब ही नहीं रह जाएगा यानी मेरा जवाब गंभीरता पूर्वक नहीं लिया जाएगा। उसे एक तरह का कॉपी-पेस्ट ही माना जाएगा। स्कूल के दिनों में एक कहानी पढ़ी थी कि किस तरह एक जादुई बांसुरी वाला व्यक्ति पूरे शहर के लोगों को चूहे के आतंक से आजादी दिलाता है। उस बांसुरी की आवाज में इतना खिंचाव था कि शहर के सारे चूहे उस आवाज के पीछे खींचते चले गए और शहर के बाहर दूरदराज गुफा में बंद कर दिए गए। कहीं न कहीं यह तकनिकी हिंदी का प्लेटफार्म भी लोगों को जादुई बांसुरी वाले व्यक्ति की तरह ही अपनी ओर आकर्षित करता है और विज्ञान लेखक बगैर पारिश्रमिक के ही लगातार मेहनत करते रहते हैं। जो एक सच्चाई भी है।मेरे हिसाब से विज्ञान लेखन का जो नाता है वह कहीं न कहीं एक आकर्षण से भी जुड़ा हुआ मालूम पड़ता है। पुरातात्विक अनुसंधानों से ज्ञात हुआ है कि आज से लगभग दस हजार वर्ष पूर्व ही मनुष्य ने फसल पैदा करना सीखा था। वेदों में भी इस काल के कृषि विकास का महत्वपूर्ण वर्णन मिलता है। ऋग्वेद तथा अथर्ववेद में कृषि, गोपालन आदि का विशद विवेचन मिलता है। इनमें फसल उत्पादन के लिये आवश्यक भूमि, भूमि की तैयारी, जल तथा सिंचाई, पादप-पोषण, फसल सुरक्षा और मौसम के बारे में बहुत कुछ पढ़ने को मिलता है । साथ ही उस समय के गोपालन के बारे में भी जानकारी मिलती है। जिसका आधुनिक विज्ञान के आधार पर परीक्षण करके बहुत लाभ उठाया जा सकता है। इन्हीं जानकारियों को यहाँ क्रमबद्ध रूप से प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है। अलग-अलग भाषाओं के लिए, अलग-अलग लिपियों का भी प्रयोग मिलता है। यूरोपीय देशों की भाषाओं के लिए रोमन लिपि का प्रयोग मिलता है। ईरान और इराक आदि देशों की भाषाओं के लिए फारसी लिपि का प्रयोग होता है। अरब देशों की भाषाओं और बोलियों के लिए, अरबियन लिपि का प्रयोग होता है। भारत में संस्कृत, प्राकृत और अपभ्रंश प्राचीन भाषों का प्रयोग मिलता है। हिन्दी, मराठी, गुजराती और पंजाबी आदि आर्य भाषा- परिवार की भाषाओं के लिए अलग-अलग लिपियों का प्रयोग होता है हुए भी नागरी लिपि का प्रयोग होता है। संस्कृत, प्राकृत, अपभ्रंश, मराठी, कोंकणी, नेपाली और मणिपुरी भाषाओं की अभिव्यक्ति के लिए देवनागरी लिपि का प्रयोग होता है। बांग्ला, उड़िया, असमिया आदि पूर्वी क्षेत्र की भाषाओं की अलग-अलग लिपियाँ हैं। परन्तु इन भाषाओं का देवनागरी लिपि के निर्माण और विकास में महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

भारत के भविष्य के लिए खेल-आधारित शिक्षा

- श्रीमती अन्नपूर्णा देवी

यदि हमें विकसित भारत का निर्माण करना है, तो हमें शुरूआत –अपने सबसे छोटे नागरिकों की क्षमता के विकास से करनी होगी, जहाँ से जीवन का आगाज होता है। आंगनवाड़ी केंद्र में बच्चों की खिलखिलाती हँसी में, उनके द्वारा गायी जाने वाली कविताओं में और उनके द्वारा बनाए जाने वाले ब्लॉक में हमारे राष्ट्र के भविष्य का सामर्थ्य आकार लेता है। प्रधानमंत्री श्री नरे-?द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, भारत ने अपने सबसे छोटे नागरिकों को अपनी विकास यात्रा के केंद्र में रखा है। प्रधानमंत्री ने–न केवल विश्वविद्यालयों और डिजिटल बुनियादी ढाँचे में निवेश करके, अपितु बच्चे के जीवन की पहली कक्षाः आंगनवाड़ी के अतिशय महत्व को पहचानते हुए हमारी राष्ट्रीय प्राथमिकताओं को नए सिरे से परिभाषित किया है। आज के भारत में, खेल अब सिर्फ. मनोरंजन भर नहीं, अपितु –नीति है। और इसके परिणाम बिल्कुंल स्पखष्ट.और विश्व सनीय हैं ।पिछले एक दशक में, मोदी सरकार ने प्रारंभिक बाल्या?वस्था के विकास के प्रति अपने दृष्टिकोण को मूलभूत रूप से पुनर्परिभाषित किया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 निर्णायक मोड़ साबित हुई, जिसमें यह स्वीकार किया गया कि मस्तिष्क का 85 प्रतिशत विकास छह साल की उम्र से पहले ही हो जाता है। यदि हम स्मार्ट, स्वस्थ और अधिक उपयोगी आबादी चाहते हैं, तो हमें वहाँ निवेश करना होगा जहाँ इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है–जीवन के शुरूआती छह वर्षों में। वैज्ञानिक प्रमाण इस बदलाव का समर्थन करते हैं। सीएमसी वेल्लोर के क्लिनिकल महामारी विज्ञान विभाग द्वारा किए गए

एक अध्ययन में पाया गया कि जिन बच्चों को 18 से 24 महीने तक व्यवस्थित प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई) मिली, उनके आईक्यू में–पाँच साल की उम्र तक 19 अंक तक, और नौ साल की उम्र तक तो 5 से 9 अंक तक की उल्लेखनीय और स्थायी वृद्धि देखी गई। विकासशील भारत के लिए ये वृद्धि बेहद महत्वपूर्ण है। भारत के ये निष्कर्ष वैश्विक शोध के अनुरूप हैं। अंतर्राष्ट्रीय अध्ययनों से पता चलता है कि पाँच साल की उम्र से पहले गुणवत्तापूर्ण ईसीसीई कार्यक्रमों में भाग लेने वाले बच्चों में उच्च आईक्यू, बेहतर सामाजिक कौशल और बेहतर शैक्षणिक प्रदर्शन की संभावना 67 प्रतिशत अधिक होती है। जैसा कि नोबेल पुरस्कार विजेता डॉ. जेम्स हेकमैन की प्रसिद्ध उक्ति है, जितनी जल्दी शुरूआत, उतने बेहतर परिणाम–और उतने ही कुशल रिटर्न उनके शोध में अनुमान व्यकक्त् किया गया है कि प्रारंभिक बाल्या वस्थाट में निवेश से 13-18 प्रतिशत तक रिटर्न मिलता है–जो शिक्षा या नौकरी के प्रशिक्षण के किसी भी अन्य चरण से अधिक है। ईसीसीई के आर्थिक और सामाजिक दोनों ही प्रकार के महत्व को समझते हुए महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने पोषण भी पढ़ाई भी नामक एक पहल शुरू की है, जिसने आंगनवाड़ी केंद्रों को जीवंत प्रारंभिक शिक्षा केंद्रों में तब्दीएल कर दिया है। आंगनवाड़ी कार्यकताओं को पहली बार स्थानीय और स्वदेशी सामग्रियों का उपयोग कर गतिविधि-आधारित और खेल-उन्मुख दृष्टिकोणों पर ध्यान केंद्रित करते हुए व्यवस्थित रूप से ईसीसीई में प्रशिक्षित किया जा रहा है। शिक्षण-अधिगम सामग्री के लिए बजट आवंटन में भी पर्याप्त वृद्धि की गई है, और मासिक ईसीसीई दिवसों को संस्थागत रूप दिया गया है। आज, आंगनवाड़ी केंद्र केवल पोषण का स्थान नहीं है–यह प्रत्येक बच्चे की पहली पाठशाला है, जो जीवन के सबसे महत्वपूर्ण वर्षों में जिज्ञासा, रचनात्मकता और समग्र विकास का पोषण करती है। मंत्रालय ने इस परिवर्तन को दिशा देने के लिए 3-6 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा हेतु राष्ट्रीय पाठ्यक्रम-आधारशिला, की शुरूआत की है। आधारशिला बच्चों के केवल बौद्धिक विकास पर ही नहीं, बल्कि भावनात्मक, शारीरिक और सामाजिक कल्याण पर भी जोर देते हुए समग्र विकास पर केंद्रित है। यह खेल के माध्यम से सीखने की व्यीवस्थित प्रक्रिया को आगे बढ़ाता है, जिससे बच्चों को सहयोगपूर्ण वातावरण में बढ़ने और फलने-फूलने का अवसर मिलता है। बच्चे खेलने के प्रति सहज रूप से आकर्षित होते हैं - अपनी दुनिया के कोने-कोने को खोज और आनंद के स्थान में तब्दी ल कर देते हैं। सही वातावरण के साथ यह प्रवृत्ति आजीवन सीखने की नींव बन जाती है। पोषण भी पढाई भी सुरक्षित, व्यनवस्थित और प्रेरक वातावरण प्रदान करके इस भावना को पोषित करती है जहाँ बच्चे निर्देशित खेल और शिक्षा के माध्यम से फल-फूल सकते हैं। प्रारंभिक बाल्यॉंवस्थो देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई) हमारे देश के भविष्य को आकार देने में बुनियादी भूमिका निभाती है। पोषण भी पढाई भी पहल के तहत, देश भर के आंगनवाड़ी केंद्रों को समग्र प्रारंभिक शिक्षा के लिए पोषण स्थलों में बदला जा रहा है। व्यंवस्थित आधारशिला की 5+1 साप्ताहिक योजना यह सुनिश्चित करती है कि दिन की शुरूआत 30 मिनट के उन्मुक्तिध खेल से हो, उसके बाद भाषा, रचनात्मकता, मोटर स्किल और सामाजिक संपर्क को बढ़ाने वाली व्यमवस्थित गतिविधियाँ हों। दोपहर के पौष्टिक भोजन और आराम के बाद, दिन का समापन बाहरी खेल और बातचीत के साथ होता है, जो मूल्यों को सुदृढ़ करता है और भावनात्मक संबंध बनाता है। व्यवस्थित और निर्बाध खेल के प्रति यह संतुलित दृष्टिकोण अत्यंत महत्वपूर्ण है, खासकर राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के आलोक में, जिसने औपचारिक स्कूल प्रवेश की आयु को छह वर्ष कर दिया है। व्यकवस्थित ईसीसीई यह सुनिश्चित करती है कि बच्चे भावनात्मक, सामाजिक और संज्ञानात्मक रूप से स्कूल के लिए तैयार हों। देश भर के अभिभावकों का बढ़ता विश्वास वास्तव में उत्साहजनक है।

भागवत की मंशा पर शक क्यूं?

- मुस्ताअली बोहरा

ज्यादा दिन पुरानी बात नहीं जब अखिल भारतीय इमाम संगठन के तत्कालीन प्रमुख इमाम उमर अहमद इलियासी ने मीडिया से बात करते हुए संघ प्रमुख मोहन भागवत का राष्ट्रऋषि बता दिया था। पिछले काफी वक्त से भागवत हिन्दू-मुसलमान एकता को लेकर प्रयासरत हैं। हाल ही में उन्होंने कहा कि जब से इस्लाम भारत में आया है तब से यहीं है और यहीं रहेगा। बात बिल्कुल सहीं है, इस्लाम भी यहीं रहेगा और मुसलमान भी। भारत के मुसलमान वो हैं जिनका एतबार लोकतांत्रिक व्यवस्था और सामाजिक सद्भाव में था। जिन को इस्लामिक वतन चाहिए था वो बटवारे के वक्त पाकिस्तान चले गए थे। कुल मिलाकर, भागवत के बयानों की और भी सियासी वजह हो सकती है लेकिन भागवत के इन प्रयासों की सराहना तो की ही जानी चाहिए। एक वक्त था जब पॉपुलर फ्रंट आफ इंडिया यानि पीएफआई के तकरीबन सैकड़ा भर ठिकानों पर छापे, हिजाब विवाद, भाजपा प्रवक्ता नुपुर शर्मा के पैगंबर मोहम्मद साहब पर की गई टिप्पणी, ज्ञानवापी मस्जिद मसले, गौ हत्या और मॉब लिचिंग, लव जिहाद, धर्मान्तरण, उत्तरप्रदेश में मदरसो के सर्वे, अन्य कुछेक मस्जिदों और एतिहासिक इमारतों की खुदाई की मांग आदि मसलों के बीच आरएसएस चीफ मोहन भागवत की अखिल भारतीय इमाम संगठन के प्रमुख इमाम उमर अहमद इलियासी से मुलाकात की थी। चूंकि, अखिल भारतीय इमाम संगठन का कार्यालय मस्जिद परिसर में है लिहाजा दिल्ली की मस्जिद में आएसएस प्रमुख का पहुंचना अपने आप में ही बड़ी बात रही। इमाम उमर इलियासी के पिता जमील इलियासी की मजार पर भी संघ प्रमुख पहुंचे, साथ ही इमाम के परिजनों से भी मुलाकात की। इसके बाद दिल्ली के ही आजाद मार्केट के एक मदरसे का दौरा किया और यहां बच्चों से मुलाकात की। इसके बाद उमर अहमद इलियासी ने मीडिया से बात करते हुए मोहन भागवत को राष्ट्रपिता और राष्ट्रऋषि बता दिया। भागवत के मस्जिद और मदरसे पहुंचने से लेकर हालिया बयान तक के पीछे जितने मुंह उतनी बातें वाली बात चरितार्थ हो रही है। कुछेक का तर्क है कि आरएसएस यूनिफॉर्म सिविल कोड और जनसंख्या नियंत्रण कानून के लिए माहौल तैयार कर रहा है। कुछ का कहना है कि अगले लोकसभा चुनाव के पहले संघ, मुसलमानों की नाराजगी को कम करने की कोशिश कर रहा है। भागवत से पहले संघ के पाँचवें सरसंघचालक कुप्पाहाली सीतारमय्या सुदर्शन भी इलियासी के परिजनों से मिलते रहे हैं लेकिन तब इतनी चर्चा नहीं हुई। भागवत के मस्जिद-मदरसों पर पहुंचने को लेकर बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो मायावती की तीखी प्रतिक्रिया सामने आई थी। मायावती ने कहा कि मस्जिद और मदरसे जाकर उलेमाओं से मिलने, फिर खुद को राष्ट्रपिता और राष्ट्रऋषि कहलवाने के बाद क्या भाजपा मस्जिद और मदरसों के प्रति अपने नकारात्मक रूख में बदलाव लाएगी। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने निशाना साधते हुए कहा कि मोहन भागवत जी अब आप अखलाक और बिलकिस बानो के परिवार से भी मिलें। बिलकिस बानो को न्याय दिलाएं। बलात्कारियों का सम्मान करने वालों के खिलाफ बयान दें जहां जहां निर्दोष मुसलमानों को आपके कार्यकताओं ने सताया है उनसे माफी मांगे अन्यथा आपका मस्जिद-मदरसा जाना केवल दिखावा होगा। संघ की स्थापना के 100 साल पूरे होने पर देश की राजधानी दिल्ली में 26 से 28 अगस्त तक तीन दिवसीय व्याख्यान श्रृंखला के आखिरी दिन मोहन भागवत ने कई मसलों पर अपनी राय रखी।

आज का राशिफल

मेष आप अपनी योग्यता और परिश्रम से कार्यस्थल पर सबका ध्यान आकर्षित करेंगे।

तुला दिन लाभ से भरा होगा। धन और करियर दोनों ही क्षेत्रों में संतुलन बनाए रखना आवश्यक है।

वृषभ आज भाग्य साथ देगा। कार्यक्षेत्र में नई योजनाओं की शुरुआत के लिए दिन शुभ है।

वृश्चिक व्यवसाय में किसी नए क्लाइंट से डील करते समय पूरी सतर्कता बरतें।

मिथुन आज दिन मिलाजुला रहेगा। अनावश्यक खर्चों के कारण आपका बजट असंतुलित हो सकता है।

धनु आज भाग्य साथ दे रहा है। धन संबंधी मामलों में ग्रहों की विशेष कृपा है।

कर्क आज दिन शुभ है और आपकी ईमानदारी और समर्पण का कार्यक्षेत्र में सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

मकर दिन आर्थिक मामलों में काफी उतार-चढ़ाव वाला रहेगा। धन के मामलों में मुश्किल हो सकती है।

सिंह आज दिन मिलाजुला रहेगा। मानसिक तनाव के कारण कार्यक्षेत्र में एकाग्रता की कमी हो सकती है।

कुंभ आज भाग्य साथ दे रहा है और दिन नवाचार और शोध कार्यों के लिए बहुत अनुकूल है।

कन्या भाग्य साथ दे रहा है। तर्कशक्ति और स्पष्टता कार्यक्षेत्र में निर्णायक भूमिका निभाएगी।

मीन आज दिन शुभ है और आपको वित्तीय रूप से लाभ प्राप्त होगा।

विशेष

ना-टायर्ड, ना रिटायर्ड, मोदी प्रधानमंत्री बने रहेंगे

देश की राजधानी दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और संघ प्रमुख मोहन भागवत के 75 साल की उम्र पूरी होने पर रिटायर करने की बात चल रही थी। संघ की धमकियों के आगे जब मोदी नहीं झुके। तब संघ प्रमुख को कहना पड़ा, ना टायर्ड ना रिटायर्ड। उन्होंने कहा कि वह भी 80 साल की उम्र तक काम करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले ही कह चुके हैं।वह 75 साल की उम्र पूरा करने पर अपना पद नहीं छोड़ेंगे। सही है, समर्थ व्यक्ति के लिए कोई नियम कानून नहीं होते हैं। वह दूसरों के लिए नियम कानून बनाता है। संघ के 100 साल पूरे होने जा रहे हैं। इतना स्पष्ट हो गया है कि मोदी -भागवत अपना पद नहीं छोड़ेंगे।

मोदी और जिनपिंग के बीच प्रेमालाप

पिछले 7 वर्षों से भारत और चीन के संबंधों में बर्फ जमी हुई थी। अब यह बर्फ पिघलना शुरू हो गई है। रिश्तो की गर्माहट ने बर्फ को तेजी के साथ पिघलाना शुरू कर दिया है।30 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चीन पहुंच रहे हैं। वहां पर चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग का प्रेमालॉप चीन और भारत के बीच नया इतिहास लिखने जा रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जब से मोदी के प्रति बेरुखी दिखा रहे है। उसके बाद से ही मोदी को नए फ्रेंड की तलाश थी।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1879: ब्रिटेन ने दक्षिण अफ्रीका में जुलू के साथ शांति संधि पर हस्ताक्षर किए. 1923: टोकियों में भूकंप से डेढ़ लाख से अधिक लोग मारे गए. 1939: जर्मनी ने पोलैंड पर हमला किया जिसके साथ द्वितीय विश्व युद्ध भड़क उठा. 1942: रास बिहारी बोस ने आजाद हिंद फौज का गठन किया था. 1945: जापान ने द्वितीय विश्वयुद्ध में अमरीकी युद्धपोत (मिसौरो) पर आत्म समर्पण किया था. 1947: भारतीय मानक समय लागू किया गया. 1950: उत्तर कोरियाई सैनिकों ने मेकांग नदी के पार कर कोरिया पर आक्रमण किया. 1956: जीवन बीमा कारोबार का राष्ट्रीयकरण किया गया. 1961: गुट निरपेक्ष देशों का पहला सम्मेलन बेलग्रेड (यूगोस्लाविया) में हुआ. 1965: पाकिस्तानी फौजों ने कश्मीर युद्ध विराम रेखा पार की. 1969: लीबिया में सेना ने सत्ता पर कब्जा किया.

दैनिक पंचांग

सितम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

2025 वर्ष का 244 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास भाद्रपद **पक्ष** शुक्ल
तिथि नवमी 02.44 बजे रात्र को समाप्त।
नक्षत्र ज्येष्ठा 19.55 बजे को समाप्त।
योग विष्कुम्भ 16.32 बजे को समाप्त।
करण बालव 13.55 बजे तदनन्तर कौलव 02.44 बजे रात्र को समाप्त।

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	कन्या	06.53 बजे से
चंद्र	वृश्चिक में	तुला	09.04 बजे से
मंगल	कन्या में	वृश्चिक	11.18 ब.से
बुध	सिंह में	धनु	13.34 बजे से
गुरु	मिथुन में	मकर	15.40 बजे से
शुक्र	कर्क में	कुंभ	17.26 बजे से
शनि	मीन में	मीन	18.59 बजे से
राहु	कुंभ में	मेष	20.29 बजे से
केतु	सिंह में	वृष	22.09 बजे से
राहुकाल		मिथुन	00.08 बजे से
7.30 से 9.00		कर्क	02.21 बजे से
बजे तक		सिंह	04.37 बजे से

चन्द्रायु 8.8 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 08° 16'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872454
जूलियन दिन 2460919.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना रवि उलावल
तारीख 08
विशेष गौरी पूजा।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

हाईस्कूल शिक्षक नियुक्ति 2016 मामले में हाईकोर्ट का बड़ा फैसला, जांच के लिए बनी फैक्ट फाइंडिंग कमेटी

रांची, एजेंसी। झारखंड हाईकोर्ट के जस्टिस दीपक रोशन की अदालत ने स्नातक प्रशिक्षित शिक्षक संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा 2016 (हाईस्कूल शिक्षक बहाली) से जुड़ी याचिकाओं पर आज 1 सितंबर को फैसला सुनाते हुए अहम आदेश दिया है। अदालत ने इस मामले में दायर कुल 258 याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त जस्टिस डॉ एसएन पाठक की अध्यक्षता में एक सदस्यीय फैक्ट फाइंडिंग कमेटी का गठन किया। अदालत ने कमेटी को निर्देश दिया है कि वह याचिकाकर्ताओं के दावों की जांच कर नियुक्ति की अनुशंसा करे। इस मामले में अधिवक्ता शेखर प्रसाद गुप्ता, चंचल जैन और अमृतांश वत्स समेत कई अधिवक्ताओं ने पैरवी की। गौरतलब है कि यह प्रतियोगिता परीक्षा झारखंड कर्मचारी चयन आयोग के माध्यम से वर्ष 2016 में शुरू की गयी थी। परीक्षा के जरिए कुल 17,572 पदों पर शिक्षकों की नियुक्ति की जानी थी।

हाई स्कूल शिक्षक नियुक्ति में आया बड़ा फैसला,फैक्ट फाइंडिंग कमेटी करेगी मेरिट लिस्ट की जांच

रांची, एजेंसी। झारखंड हाई कोर्ट ने हाई स्कूल शिक्षक नियुक्ति से संबंधित एक अहम फैसला सुनाया है। जस्टिस दीपक रोशन की कोर्ट ने हाई स्कूल मेरिट लिस्ट की जांच के लिए फैक्ट फाइंडिंग कमेटी का गठन किया है। इसका नेतृत्व सेवानिवृत्ति जस्टिस एसएन पाठक करेंगे। प्रार्थियों की ओर से हाई स्कूल शिक्षक नियुक्ति की मेरिट लिस्ट को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की गई थी। झारखंड हाई कोर्ट में इससे संबंधित 252 याचिकाएं दाखिल की गई थीं। प्रार्थियों की ओर से वरीय अधिवक्ता अजीत कुमार, चंचल जैन और तेजस्विता सफलता ने अदालत को बताया था कि सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन के अनुसार शिक्षक नियुक्ति से संबंधित मेरिट लिस्ट जारी नहीं की गई है। इसमें कई त्रुटियां हैं। इसलिए एक सदस्य जांच आयोग का गठन किया जाना चाहिए। जबकि सरकार की ओर से कहा गया था कि मेरिट लिस्ट में कोई त्रुटि नहीं है। सरकार के अनुसार सब कुछ सुप्रीम कोर्ट के आदेश के तहत ही जारी किया गया है। बता दें कि इस संबंध में मीना कुमारी सहित अन्य की ओर से हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की गई थी।

रामगढ़ इंजीनियरिंग कॉलेज में रैगिंग केस में कार्रवाई, छह छात्रों पर मामला दर्ज

रांची, एजेंसी। शैक्षणिक संस्थानों पर रैगिंग जैसी गतिविधियां सख्त मना है। इसको लेकर कड़े नियम बनाए गए हैं। फिर भी रैगिंग के मामले सामने आ रहे हैं। ताजा केस झारखंड के रामगढ़ जिले में रैगिंग और एक जूनियर छात्र की पिटाई के मामले में छह छात्रों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। यह घटना शनिवार को रामगढ़ इंजीनियरिंग कॉलेज, मुरुबांदा गांव में घटी। पुलिस के मुताबिक, बीटेक प्रथम वर्ष के एक छात्र ने जब नेशनल एंटी रैगिंग सेल (इत्रष्ट) में शिकायत की, तो दूसरे वर्ष के कुछ छात्रों ने उसकी पिटाई कर दी। फिलहाल पीड़ित छात्र का इलाज रामगढ़ सदर अस्पताल में चल रहा है। रामगढ़ के पुलिस अधीक्षक अजय कुमार ने बताया कि रजरप्पा थाना क्षेत्र में पीड़ित छात्र की शिकायत पर ऋष्ट के सीनियर छात्रों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। जांच शुरू हो गई है, हालांकि अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।卐 उन्होंने कहा कि कॉलेज प्रबंधन को कैंपस में रैगिंग रोकने के लिए सख्त कदम उठाने के निर्देश दिए गए हैं। कॉलेज के उपप्राचार्य नजमुल इस्लाम ने बताया कि पीड़ित छात्र बोकारो जिले के फुसरो प्रखंड का रहने वाला है और कंप्यूटर साइंस का प्रथम वर्ष का विद्यार्थी है। उसने ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके बाद कुछ दूसरे वर्ष के छात्रों ने उस पर हमला कर दिया। उन्होंने बताया कि घटना के बाद कॉलेज की एंटी रैगिंग सेल की बैठक बुलाई गई, जिसमें कैंपस में रैगिंग रोकने के उपायों पर चर्चा हुई। कॉलेज प्रबंधन ने आश्वासन दिया है कि दोषी छात्रों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

रांची एयरपोर्ट का नया शिड्यूल जारी, अब कई शहरों के लिए मिलेगी कनेक्टिंग फ्लाइट, दिल्ली के लिए 7 विमान

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट प्रबंधन ने 01 से 30 सितंबर तक के लिए विमानों के आगमन और प्रस्थान को लेकर नया शिड्यूल जारी किया है। नये शिड्यूल के अनुसार बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से 3 विमानों की संख्या घटी है। रांची से 27 की जगह अब 24 विमान हो गये हैं। रांची से इंडिगो और एयर इंडिया एक्सप्रेस के विमान नियमित संचालित हो रहे हैं। नए शिड्यूल के अनुसार अब रांची से दिल्ली के लिए 7, और बेंगलुरु ले किये 4 सीधी फ्लाइट है। वहीं मुंबई और कोलकाता के लिए 3-3 विमान है। रांची से हैदराबाद के लिए 2 फ्लाइट्स हैं। वहीं पटना, अहमदाबाद, भुवनेश्वर, चेन्नई और पुणे के लिए रोजाना एक-एक विमान है। इसके अलावा अब बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से यात्रियों को कई शहरों के लिए कनेक्टिंग फ्लाइट की सुविधा मिलेगी। एयरपोर्ट निदेशक आरआर मौर्या ने बताया कि यात्रियों को भुवनेश्वर, विशाखापत्तनम, इंदौर, त्रिवेंद्रम और गुवाहाटी के लिए कनेक्टिंग फ्लाइट मिलेगी।

सड़क हादसे में मौत में झारखंड चौथे नंबर पर

2023 में कुल 4173 मौतें, इनमें 718 सड़क पर पैदल चलने वाले

रांची, एजेंसी। सड़क हादसे में होने वाली मौतों में झारखंड देश में चौथे स्थान पर पहुंच गया है। वर्ष 2023 में राज्य में सड़क हादसे में 4173 लोगों की मौत हुई। जबकि 2020 में यह आंकड़ा 3044 था। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की रोड एक्सीडेंट इन इंडिया-2023 की रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक सड़क हादसे में 10.5प्रतिशत मृत्यु दर सिक्किम में है। वहीं बिहार में 8.96प्रतिशत, छत्तीसगढ़ में 8.83प्रतिशत और झारखंड में 8.24प्रतिशत है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि झारखंड में अधिकतर मौतें तेज रफ्तार के कारण हो रही हैं। राज्य में पैदल चलने वाले लोग भी सुरक्षित नहीं हैं। वर्ष 2023 में पैदल चलने वाले 588 पुरुष और 130 महिलाओं की हादसे में जान गई। वहीं साइकिल सवार 126 लोगों की भी सड़क हादसे में जान चली गई।

लापरवाही के साथ सड़क पर गड्ढे भी हैं हादसे की वजह : सड़क हादसे का एक बड़ा कारण सड़क इंजीनियरिंग, नियमों का पालन न करना और लापरवाह ड्राइविंग है। रिपोर्ट के मुताबिक 68प्रतिशत मौतें तेज रफ्तार की वजह से हुई। वहीं 2,161 मौतों का कारण सड़क पर गड्ढे हैं। इससे साफ है कि केवल ड्राइवरों की लापरवाही ही नहीं, बल्कि अधूरी और अव्यवस्थित सड़क भी हादसों की बड़ी वजह बन रही हैं। सड़क हादसे केवल आंकड़े नहीं हैं, यह किसी परिवार की दुनिया उजाड़ने वाली त्रासदी है।

शहरों से ज्यादा ग्रामीण इलाके में हादसे: रिपोर्ट में कहा गया है कि झारखंड में शहरी इलाके से ज्यादा ग्रामीण इलाकों में हादसे हुए। जनवरी, मई और दिसंबर से सबसे ज्यादा दुर्घटना हुई। नेशनल हाइवे पर 798 हादसे दोपहिया वाहन की हुई। इनमें 560 लोगों की मौत हुई। वहीं चार पहिया वाहन से 305 हादसे में 284 लोगों ने जान गंवाई। बस की भी 51 दुर्घटना हुई, जिनमें 51 लोगों की मौत हुई। वहीं तेज रफ्तार के कारण 1403 हादसे हुए, जिनमें 1174 लोगों की जान चली गई।

रॉन्ग साइड में चलने की वजह से 171 हादसे हुए, जिनमें 120 लोगों की मौत हुई। वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल करते हुए 42 हादसे हुए, इनमें 28 की मौत। 797 एक्सीडेंट आमने-सामने हुए, जिनमें 631 लोगों की मौत हो गई। आवासीय क्षेत्र में 1417 हादसे में 1134 और कॉमर्शियल क्षेत्र में 900 हादसे में 567 की मौत।

घाटशिला में उपचुनाव से पहले बढ़ी सियासी सरगर्मी, चंपई सोरेन की नई पोस्ट ने फिर बढ़ाई हलचल

घाटशिला, एजेंसी। घाटशिला विधानसभा में आने वाले कुछ माह में उपचुनाव तय है। ऐसे में यहां राजनीतिक गतिविधियां बढ़ने लगी है। इन दिनों प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन के इंटरनेट मीडिया पेज पर जोहार घाटशिला खूब चर्चाओं में है। अब नई पोस्ट ने एक बार फिर घाटशिला में चर्चाओं व राजनीतिक हलचल को बढ़ा दिया।

दरअसल, चंपई सोरेन रविवार को घाटशिला की भूमि से जोहार घाटशिला लिखकर एक तस्वीर अपने इंटरनेट मीडिया पेज पर पोस्ट की। जिसे आगामी विधानसभा उपचुनाव के मद्देनजर तैयारियों के नजरों से देखा जा रहा था।

इधर उक्त पोस्ट के डालने के बाद बढ़ी राजनीतिक हलचल के महज 20 घंटे के अंदर ही दोबारा चंपई ने अपने इंटरनेट मीडिया पेज पर जोहार घाटशिला लिखकर एक पोस्ट शेयर कर दिया। इस बार पोस्ट अपने पुत्र बाबूलाल सोरेन के तस्वीर के साथ की।

तस्वीर पुरानी है, लेकिन उसमें चंपई के पीछे उनके पुत्र चलते नजर आ रहे। बाबूलाल घाटशिला विधानसभा से बीते चुनाव में भाजपा प्रत्याशी बने थे, लेकिन तमाम कोशिशों के बाद भी जीत नहीं पाए।

ऐसे में रामदास सोरेन के महज कुछ माह के बाद ही निधन होने से ये सीट दोबारा खाली हो गई। अब दोबारा इस सीट पर उपचुनाव होंगे। इस बीच चंपई सोरेन के लगातार घाटशिला विधानसभा में सक्रिय होने व ऐसे इंटरनेट मीडिया पेज के पोस्ट ने राजनीतिक रूप से हलचल को बढ़ाया है।

दोबारा किए गए पोस्ट में चंपई के पीछे पुत्र बाबूलाल सोरेन की तस्वीर ये संदेश देता की चंपई ने बेटे के लिए इस सीट पर चहलकदमी बढ़ा दी है। हालांकि उपचुनाव में भाजपा किसे उम्मीदवार बनाएगी ये फिलहाल तय नहीं हुआ है।

परंपरा की विरासत को पीढ़ी दर पीढ़ी बढ़ाना है : शिल्पी

रांची, एजेंसी। झारखंड की कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि जनी शिकार उरांव जनजाति द्वारा हर 12 साल पर मनाया जाने वाला पारंपरिक उत्सव है। यह मुगलों के खिलाफ आदिवासी महिलाओं की रोहतासगढ़ किले पर जीत की याद दिलाता है। इस आयोजन में पुरुषों के वस्त्र पहनकर महिलाएं शिकार के लिए निकलती हैं। ये महिलाओं की वीरता और साहस को प्रदर्शित करता है। उन्होंने कहा कि ऑल आदिवासी वीमेंस एसोसिएशन ऑफ असम ने 2025 से एक ऐसी परंपरा की शुरुआत की है, जो वर्षों से चली आ रही है। परंपरा की विरासत को पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ाना है।

मंत्री शिल्पी रविवार को असम के डिब्रूगढ़ जिला पुस्तकालय सभागार में आयोजित ÷जनी शिकार उत्सव- 2025' में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रही थीं। कार्यक्रम का आयोजन ऑल आदिवासी वीमेंस एसोसिएशन ऑफ असम एवं ऑल आदिवासी स्टूडेंट एसोसिएशन ऑफ असम के संयुक्त तत्वावधान में किया गया था। इस उत्सव में यूनेस्को की को-चेयरपर्सन डॉ. सोना झरिया मिंज सहित भी शामिल थीं। इससे पूर्व कृषि मंत्री असम प्रदेश कांग्रेस की तरफ से आयोजित बीएलए ट्रेनिंग में शामिल हुईं। इस मौके पर असम कांग्रेस के तमाम वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। मंत्री शिल्पी ने कहा कि आज 'वोट चोर-गद्दी छोड़' का नारा राष्ट्रव्यापी जन आंदोलन का रूप लेता जा रहा है।

गणेश प्रतिमा जुलूस के दौरान हादसा, करतब दिखाने में झुलसा युवक

कोडरमा, एजेंसी। कोडरमा के जयनगर थाना क्षेत्र के जयनगर बाजार में गणेश प्रतिमा विसर्जन जुलूस के दौरान हादसा हो गया। जुलूस में करतब दिखाने के प्रयास में 25 वर्षीय युवक अनिल यादव आग की चपेट में आकर बुरी तरह झुलस गया। गंभीर रूप से घायल युवक को तत्काल स्थानीय क्लिनिक होते हुए कोडरमा सदर अस्पताल भेजा गया, जहां उसका इलाज जारी है। घायल अनिल यादव जयनगर थाना क्षेत्र के लोहाडण्डा ऊपर टोला निवासी है।

भव्य जुलूस के दौरान हुआ हादसा : मिली जानकारी के अनुसार सार्वजनिक गणपति पूजा समिति जयनगर एवं तूफान क्लब की ओर से भव्य जुलूस निकाला जा रहा था। समिति के अध्यक्ष सुनील सिंह ने बताया कि जुलूस देवी मंडप से शुरू होकर जयनगर बाजार और डोमचांच मोड़ स्थित एक अन्य देवी मंदिर तक गया। इसके बाद प्रतिमा का विसर्जन जयनगर की पूरब नदी में किया जाना था। जुलूस पूरी तरह शांतिपूर्ण तरीके से चल रहा था, इसी दौरान यह अप्रिय घटना घटी।

करतब दिखाने में लगी आग : प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, घायल युवक कहां से आया और किससे जुड़ा था, इसकी जानकारी किसी को नहीं है। अचानक उसने अपने मुंह में पेट्रोल भरकर माचिस जलाकर करतब दिखाने की कोशिश की। उसी दौरान उसकी दाढ़ी में पहले से लगे पेट्रोल में आग लग गई। वह लपटों की चपेट में आ गया। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत आग बुझाई और उसे पास के क्लिनिक ले गए। वहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसे बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल रेफर कर दिया।

अस्पताल में जारी है इलाज : घायल युवक अनिल यादव ने बताया कि करतब दिखाने के क्रम में उनसे चूक हो गई, जिसके कारण वे झुलस गए। फिलहाल उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है और चिकित्सकों की निगरानी में उनका इलाज चल रहा है। घटना के बाद जुलूस में शामिल लोगों में अफरा-तफरी मच गई। हालांकि समिति के सदस्यों और स्थानीय प्रशासन की तत्परता से स्थिति नियंत्रण में आ गई। आयोजन समिति ने कहा है कि भविष्य में ऐसे अनजान लोगों को जुलूस में घुसकर खतरनाक करतब दिखाने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

गिरिडीह में पैसों के विवाद में युवक की हत्या, गांव में तनाव का माहौल

गिरिडीह, एजेंसी। गिरिडीह जिले के बेंगाबाद थाना क्षेत्र के मुंडराडीह गांव में रविवार की देर रात गांव के 35 वर्षीय अनाउल अंसारी की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। जानकारी के अनुसार, अनाउल अपनी पत्नी लाड़ली बानो के साथ पुराने घर से खाना खाकर नए घर जा रहा था। इसी दौरान गांव की मस्जिद के पास पहले से घात लगाए बैठे मो. मकसूद और उसके परिजनों ने उन्हें घेर लिया और चाकू से हमला कर दिया। पत्नी के शोर मचाने पर ग्रामीण मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक अनाउल गंभीर रूप से घायल हो चुका था।

ग्रामीणों की मदद से घायल अनाउल को गिरिडीह सदर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अचानक हुई इस घटना से पूरे गांव में दहशत का माहौल है। मृतक के तीन छोटे-छोटे बच्चे हैं, जबकि वह चार महीने पहले ही मुंबई से काम छोड़कर गांव लौटा था। मृतक के चाचा मो. हुसैन और पिता मो. जमाल अंसारी ने आरोप लगाया है कि यह हत्या एक सोची-समझी साजिश के तहत की गई है। उन्होंने बताया कि अनाउल का कुछ लोगों के साथ पैसों के लेन-देन को लेकर विवाद चल रहा था। परिवार का कहना है कि इसी रंजिश में साजिश रचकर अनाउल की हत्या की गई है।

घटना की सूचना मिलते ही बेंगाबाद थाना प्रभारी जितेंद्र कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी। सब इंस्पेक्टर रणधीर कुमार सिंह ने बताया कि आरोपियों की पहचान कर ली गई है। प्रारंभिक जांच में पैसों के विवाद की बात सामने आई है। पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी तेज कर दी है।

हत्या की इस घटना से गांव में तनाव का माहौल है। लोग आक्रोशित हैं और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग कर रहे हैं। पुलिस ने ग्रामीणों से शांति बनाए रखने की अपील की है। साथ ही जल्द ही आरोपियों को पकड़ने का आश्वासन दिया है।

चाईबासा में दिनदहाड़े बैंक में रुपये जमा करने गए पेट्रोल पंप कर्मियों पर हमला बोला, 5 लाख रुपये लूट कर फरार

चाईबासा, एजेंसी। शहर के बीचो बीच बैंक ऑफ बड़ौदा की शाखा के बाहर सोमवार सुबह बड़ी लूट की वारदात हुई। गांधी मैदान के पास स्थित आइबीपी पेट्रोल पंप के मालिक पुनीत सेठिया के दो कर्मचारी विमलेश कुमार और संजय नंदी बैंक में रुपये जमा करने पहुंचे थे। दोनों के पास करीब पांच लाख रुपये थे।

सुबह लगभग 10-30 बजे जैसे ही दोनों बैंक के गेट के पास पहुंचे, पहले से घात लगाए तीन अपराधियों ने उन पर हमला कर दिया। बदमाशों ने रिवॉल्वर के बट से हमला कर विमलेश कुमार को घायल कर दिया और हथियार का भय दिखाकर रुपये से भरा बैग लूटकर फरार हो गए।

घटना स्थल पर दिन में भीड़भाड़ रहती है, लेकिन किसी ने भी अपराधियों को रोकने की हिम्मत नहीं की। पूरी वारदात बैंक के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। सूचना मिलते ही सदर थाना प्रभारी तरुण कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। घायल विमलेश को इलाज के लिए सदर अस्पताल भेजा गया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और अपराधियों की तलाश जारी है। अपराधी जिस ओर भागे हैं, उधर की पुलिस को अलर्ट कर दिया गया है।

फलदार पौधों से बढ़ी झारखंड की हरियाली, किसान भी हो रहे मालामाल; ब्लैकबेरी और संतरे पर रिसर्च जारी

रांची, एजेंसी। राज्य के आबादी वाले हिस्सों में ग्रीन कवर (हरियाली) बढ़ी है। एक करोड़ 58 लाख 90 हजार से अधिक फलदार पौधे बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत लगाए गए हैं। जबकि 58 लाख इमारती लकड़ियों के पौधे सड़क किनारे लगाए गए हैं।

राज्य के कुल ग्रीन कवर में इसने तीन प्रतिशत की बढ़ोतरी की है। एक लाख 45 हजार एकड़ में हुए पौधरोपण ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी गति दी है। आदिवासी बहुल गुमला और लोहरदगा जिले में सबसे ज्यादा पौधे लगाए गए हैं।

ग्रामीण क्षेत्र में आम, अमरूद और नाशपाती जैसे फलों में राज्य आत्मनिर्भर तो हुआ ही है, बाहर के राज्यों में भी इसे भेजा जा रहा है। ग्रामीण विकास विभाग की इस योजना में खाली पड़ी जमीन में पौधरोपण के लिए सरकार सहायता देती है। राज्य के 264 प्रखंडों में यह योजना चलाई जा रही है।

छोटानागपुर के जंगलों से सटे गावों में ब्लैकबेरी और संतरे के पौधे लगाने पर विचार किया जा रहा है। कृषि विज्ञान केंद्र के विज्ञानी सलाहकार संजय पांडे ने बताया कि इन पौधों की नई वेराइटी यहां के पर्यावरण के अनुकूल है।

पंतनगर कृषि विश्वविद्यालय ने वर्षों से बंजर जमीन में वनीकरण के लिए पौधों की नई वेराइटी तैयार की है। इस साल दिसंबर में एक पायलट प्रोजेक्ट के तहत ये पौधे लगाए जाएंगे। कोडरमा में इसके लिए निजी भूमि का चयन किया गया है।

धनबाद का यह पूजा पंडाल होगा खास, वडोदरा के प्रसिद्ध लक्ष्मी विलास पैलेस में विराजेंगी मां दुर्गा

धनबाद, एजेंसी। स्टीलगेट का दुर्गोत्सव पिछले 37 वर्षों से धनबाद जिले का मुख्य आकर्षण बना हुआ है। हर वर्ष अलग-अलग थीम पर तैयार होने वाले इस भव्य आयोजन का इंतजार भक्तों को सालभर रहता है। इस बार श्रीश्री दुर्गा पूजा कमेटी, सरायढेला, कोलाकुसमा ग्राम पंचायत शिव मंदिर परिसर कमेटी गुजरात के वडोदरा स्थित ऐतिहासिक लक्ष्मी विलास पैलेस की तर्ज पर पंडाल तैयार कर रही है। पूरे आयोजन का बजट लगभग 30 लाख रुपये है।

इसमें से सिर्फ पंडाल निर्माण पर ही करीब 16 लाख रुपये खर्च हो रहे हैं। पश्चिम बंगाल के कलाकार इस पंडाल को आकार दे रहे हैं। मां दुर्गा की प्रतिमा भी बंगाल के कारीगरों द्वारा बनायी जा रही है। इसपर लगभग तीन लाख रुपये खर्च होंगे। इस वर्ष प्रतिमा की सजावट में पूरी तरह से प्राकृतिक रंगों का इस्तेमाल किया जा रहा है। इसके अलावा मां दुर्गा और अन्य देवी-देवताओं के आभूषण विभिन्न प्रकार के बीजों से बनाये जा रहे हैं। सरायढेला स्टीलगेट दुर्गोत्सव अब महज पूजा का कार्यक्रम नहीं, बल्कि पूरे धनबाद की सांस्कृतिक धरोहर बन चुका है। यहां हर साल हजारों लोग दर्शन और मेले का आनंद लेने आते हैं। इस बार लक्ष्मी विलास पैलेस की झलक देने वाला पंडाल और बीजों से बने आभूषण भक्तों के लिए अद्वितीय अनुभव साबित होंगे।

पंडाल और प्रतिमा के साथ यहां लगने वाला मेला भी लोगों के आकर्षण का बड़ा केंद्र होगा। इस वर्ष यह मेला सात अक्तूबर तक चलेगा। इसी दिन मुख्य प्रतिमा का विसर्जन किया जायेगा। हालांकि जिस प्रतिमा की पूजा की जाएगी, उसका विसर्जन तीन अक्तूबर को संपन्न होगा। अध्यक्ष शंकर प्रसाद सिंह, सचिव प्रेम चंद्र मंडल, उपाध्यक्ष गोकुल चंद्र महतो, प्रेम प्रकाश साव, संयुक्त सचिव हेमंत कुमार मंडल, तपन मंडल, मथुरा प्रसाद महतो, अनिल चंद्र कुंभकार, कोषाध्यक्ष विद्यापति दास, सह-कोषाध्यक्ष संजय कुमार महतो के अलावा कार्यसमिति के 25 सदस्य हैं।

पूजा समिति के अध्यक्ष शंकर प्रसाद सिंह ने कहा कि हमारा प्रयास हमेशा यही रहता है कि भक्तों को कुछ नया और यादगार देखने को मिले। इस बार लक्ष्मी विलास पैलेस की तर्ज पर पंडाल तैयार किया जा रहा है।

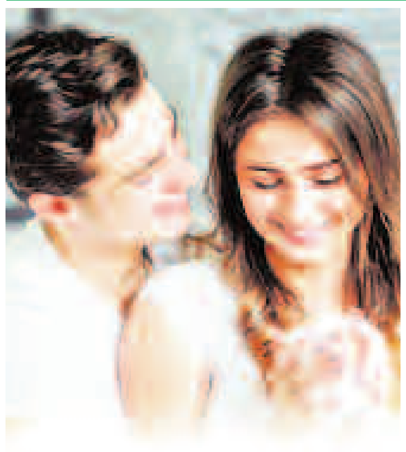

रिश्ते में फिर से नए रंग भरना चाहती हैं तो आजमाइए ये टिप्स

जीवन में मध्य काल को पार करने के बाद बहुत से दंपती की रोमांस में दिलचस्पी का कम होते जाना स्वाभाविक है। बहुत से दंपती यह सोचते हैं कि कब उनके साथ प्यारभरी बातें की थी। शायद महीनों हो गए। नतीजा रिश्तों में कडवाहट के रूप में सामने आता है। यदि आप अपने बेजान होते रिश्ते में फिर से प्यार के नए रंग भरना चाहती हैं तो ये टिप्स आजमाइए।

वैवाहिक जिंदगी में अगर दूरियां जगह बनाने लगें तो समझिए आप दोनों का रिश्ता लंबा नहीं चल पाएगा। रिश्ते में फिर से गर्माहट लाने के लिए अपने पार्टनर के साथ नियमित रूप से प्यारभरी बातें करें। प्यार से जहां आपको संतुष्टि मिलेगी, वहीं पार्टनर भी आपके करीब आएंगे। शादी के बाद वाला रोमांटिक मूड बनाए रखने के लिए पत्नी हमेशा पति से खूब लाड लडाए, पति की हर मांग और इच्छा को पूरा करने के लिए खुशीखुशी तैयार रहे। पति उसके लिए कुछ अच्छा काम करें, तो पत्नी उन्हें दिल से धन्यवाद देना न भूले। इस रोमांटिक मौसम में एक खूबसूरती सी डेड प्लान करें, रिश्ते की रूमानियत बनाए रखने की जिम्मेदारी भी तो आपकी ही है। ऐसे में एक-दूसरे के साथ टाइम बिताने के लिए डिनर डेट प्लान करें।इतना बेस्ट मौका मिला है टीवी देखते समय, कार में बैठे हुए या साथ चलते हुए, एक-दूसरे का हाथ थामना न भूलें। पार्टनर का ये स्पर्श आपको उन दिनों की याद ताजा करा देगा जब एक-दूसरे का हाथ थामते ही आपके दिल की धडकनें तेज हो जाती थी। रोमांस करने से आत्मसम्मान में बढोत्तरी होती है। पार्टनर को अगर ऑफिस के काम का बोझ सत्ता रहा है, तो उसकी इस परेशानी को आप बहुत हद तक सेक्स के जरिए दूर कर सकते हैं। प्यार आपको साथी के करीब तो लाता ही है, साथ ही आपका तनाव भी दूर करता है। हफ्ते में दो से तीन बार रोमांस करने से ब्लड प्रेशर बराबर रहता है, जिससे स्ट्रेस लेवल कम होता है और ज्यादा खुश रहते हैं।

सीमित आय के साथ खरीदें अपने सपनों का घर

घर ख़रीदना एक बहुत बड़ा निवेश है। ख़ासतौर पर उनके लिए जिनकी आय सीमित है। अधिकांश युवाओं का मासिक वेतन 15 हज़ार रुपये प्रति माह से शुरू होकर लगभग 3 वर्षों में 25 से 30 हज़ार रुपये प्रति माह तक पहुंचता है। इसी में कई ख़र्चे पूरे करने होते हैं जिसके बाद घर का सपना पूरा कर पाना लगभग नामुमकिन लगने लगता है। इसी वर्ग को ध्यान में रखकर हम एक ऐसी रणनीति तैयार करेंगे ताकि हर कोई अपने घर का सपना साकार कर सके।

बजट से शुरुआत

सबसे पहले अपना बजट बनाएं। इस बात का प्रयास करें कि प्रारंभ में आप ऐसा घर ख़रीदें, जो आपके बजट में आता हो। बाद में उसे बेचकर प्राप्त राशि को डाउन पेमेंट की तरह प्रयोग करते हुए बड़े घर के लिए बड़ा लोन लेने पर विचार कर सकते हैं।

क्षेत्र का चयन

आमतौर पर शहर के व्यस्त या विकसित इलाक़ों में घरों की क़ीमतें अधिक होती हैं। इसलिए ऐसे इलाक़ों की खोज करें जहां अभी क़ीमतें कम हैं, लेकिन अगले 5 वर्षों में बढ़ने की संभावनाएं हैं।

ऋण की पात्रता जांच लें

कोई भी बैंक घर या फ्लैट की क़ीमत का शत-प्रतिशत लोन नहीं देता है। लोन की राशि घर की क़ीमत के 80 से 90 फ़ीसदी तक हो सकती है। आपके वेतन से होने वाली कटौतियों को भी ध्यान में रखा जाता है। कुल कटौतियां 60 फ़ीसदी से अधिक न हों, कुछ मामलों में यह 70 फ़ीसदी तक स्वीकार की जा सकती हैं।

डाउन पेमेंट

अब प्रश्न यह है कि घर की क़ीमत और बैंक लोन के अंतर को कैसे पाटा जाए। इस उद्देश्य से इन विकल्पों पर विचार करें-

- यदि आपके पास स्वर्ण आभूषण हैं और वो लॉकर में रखे हैं, तो उन्हें काम पर लगाएं। गोल्ड लोन आसानी से और कम ब्याज पर मिल जाता है, जिससे प्राप्त धनराशि का उपयोग आप डाउनपेमेंट अथवा मार्जिन भरने के लिए कर सकते हैं।
- पोस्ट ऑफिस के एनएससी, बीमा पॉलिसी, बैंक का फिक्स्ड डिपॉज़िट, शेयर और म्यूचुअल फंड के आधार पर भी लोन लेकर आप धन जुटा सकते हैं।

ईएमआई से पहले सिप

यदि लोन लेने के लिए आपके पास कुछ भी उपलब्ध नहीं है, तो कुछ वर्षों के लिए लोन लेने के विचार को स्थगित करें। ईएमआई का तनाव लेने से अच्छा है कि आप हर महीने किसी अच्छे इक्विटी म्यूचुअल फंड में एसआईपी यानी सिस्टमैटिक इंवेस्टमेंट की योजना बनाएं।

आवास योजना भी एक विकल्प है

यह पता लगाएं कि आपके शहर में विकास प्राधिकरण की एलआईजी और एमआईजी आय वर्ग के लिए क्या कोई आवास योजना है। प्राय: सभी बड़े शहरों में निम्न और मध्यम आय वर्ग के परिवारों के लिए आवास योजनाएं चलाई जा रही हैं। जिन शहरों और क़स्बों में प्राधिकरण नहीं है, वहां हमें प्रधानमंत्री आवास योजना के विषय में पता करना चाहिए। अफोर्डेबल हाउसिंग स्कीम के अंतर्गत भी सस्ते घर बनाए जा रहे हैं। इन योजनाओं के अंतर्गत बनाए जा रहे घरों की क़ीमतें काफ़ी किफ़ायती होती हैं।

ड्रेस सलेक्ट करते समय रखें कलर का खास ख्याल

करते समय सिर्फ उस आउटफिट के वर्क और स्टाइल पर ही ध्यान नहीं दिया जाता बल्कि उसके कलर का भी खास ख्याल रखा जाता है, क्योंकि हर कलर हर महिला पर सूट करें ये जरूरी नहीं। इसलिए आउटफिट सेलेक्ट करते समय कलर का ख्याल रखना बहुत जरूरी है। वैसे कलर सिर्फ आपके कॉम्पलेक्शन को ही नहीं, बल्कि फिगर को भी कॉम्प्लीमेंट करता है। जी हां अगर आप स्लिम लुक चाहती है, तो आपको ड्रेस सलेक्ट करते समय उसके कलर का भी खास ख्याल रखना चाहिए। यदि आप कलर पर ध्यान नहीं देती है, तो ये आपके पूरे लुक को बिगाड़ सकता हैं। अगर आपकी बॉडी थोड़ी हैवी है, और आप स्लिम दिखना चाहती है, तो आपको आउटफिट के स्टाइल के साथ ही उसके कलर का खास ध्यान रखने की जरूरत हैं। आइए जानते है कुछ ऐसे कलर के बारे में जो आपको स्लिम लुक दे सकते हैं। अगर आप स्लिम लुक चाहती है, तो अपने वार्डरोब में डार्क कलर को जगह दें। आप डार्क कलर में स्लिम नजर आती है। आप डार्क कलर में ब्लैक, नेवी ब्लू, चॉकलेट ब्राउन या डार्क ग्रे शेड्स चुन सकती है। यह आपको स्लिम लुक देगा। अगर आप स्लिम लुक चाहती है तो मोनोक्रोमैटिक रंग पहनें। मोनोक्रोमैटिक शेड्स पहनने से आपके शरीर का बल्की एरिया पतला नजर आता है। जैसे की हमने पहले ही कहा की कलर के साथ स्टाइल का भी आपको ख्याल रखना है, स्लिम दिखने के लिए सिर्फ एक ही कलर पर आप टिकी न रह जाएं बल्कि इसके बजाय आप डार्क और लाइट शेड्स का कॉम्बिनेशन के साथ भी ट्राई करें। इससे आप स्लिम और स्टाइलिश लुक पा सकती है।

दमकती त्वचा का सपना पूरा करेंगे इन फलों के छिलके

आज तक आपने अच्छी सेहत बनाए रखने के लिए फलों को डाइट में शामिल करने की सलाह तो कई बार सुनी होगी पर क्या आप जानते हैं फल अगर आपको अच्छी सेहत पाने में मदद करते हैं तो फलों के छिलके आपकी खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम भी कर सकते हैं।

पपीते का छिलका

चेहरे का रूखापन दूर करके त्वचा का ग्लो बढ़ाने का काम करता है पपीते का छिलका। इसके लिए पपीते के छिलके को सुखाकर बारीक पीस कर इसका पाउडर बना लें। अब दो चम्मच पाउडर में एक चम्मच ग्लिसरीन मिलाकर उसका गाढ़ा पेस्ट बनाकर उसे अपने चेहरे पर फेस पैक की तरह लगा लें। पैक सूख जाने पर अपना चेहरा धों लें। चेहरे की टैनिंग हटाने के लिए पपीते के छिलके को पीसकर उसमें नींबू का रस मिला का इस्तेमाल करें।

संतरे का छिलका

चेहरे पर मौजूद दाग-धब्बे, मुहांसों और टैनिंग से निजात पाने के लिए संतरे के छिलके को पीसकर उसका बारीक पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट में 2 चम्मच कच्चा दूध और दो चुटकी हल्दी मिलाकर इस पेस्ट को फेस पैक की तरह चेहरे पर लगाएं। पैक सूखने पर चेहरे ठंडे पानी से धो लें।

नींबू का छिलका

टैनिंग दूर करने के लिए नींबू के छिलके को पीसकर उसका पेस्ट बनाकर चेहरे पर फेस पैक की तरह इस्तेमाल करें।

केले का छिलका

टैनिंग से छुटकारा पाने के लिए आप केले के छिलके के अंदरूनी सफेद भाग को चेहरे पर हल्के हाथों से बीस मिनट तक रगड़ें। इसके बाद चेहरा धो लें। ऐसा करने से चेहरे की चमक बढ़ती है।

आम का छिलका

चेहरे की झुर्रियों को कम करने के लिए आम के छिलके को पीसकर इसका पेस्ट चेहरे पर लगाने से मुहांसों और झुर्रियों को कम करने में मदद मिलती है। इसके लिए आम के छिलके को सुखाकर इसका पाउडर बना कर गुलाब जल के साथ, गेहूं के आटे में मिलाकर चेहरे पर उबटन की तरह इस्तेमाल करें।

परिवार और खुद को ऐसे सुरक्षित रखें

आजकल 'सायबर किडनैपिंग' शब्द काफ़ी चर्चा में है। अन्य ऑनलाइन ठगी की तरह सायबर किडनैपिंग भी सायबर क्राइम का एक तरीक़ा है। इसमें अपराधी इंटरनेट की मदद से व्यक्ति की सारी जानकारी इकट्ठी करता है और फिर उसे कॉल करता है। वह व्यक्ति को धमकाकर, डराकर और परिजनों को नुक़सान पहुंचाने का हवाला देकर उसकी बताई हुई जगह पर जाने के लिए कहता है। वीडियो कॉल या फोटो मांगकर उस पर नज़र रखता है। वहीं दूसरी तरफ़ व्यक्ति के घर पर फोन करके और नक़ली तस्वीरें या वीडियो भेजकर उसके अपहरण का दावा करता है। जबकि असल में अपहरण होता ही नहीं है। कुछ अपराधी पीड़ित व्यक्ति की नक़ली तस्वीर, आवाज़ या वीडियो बनाने के लिए एआई का सहारा ले रहे हैं।

अपराधी किसी को भी अपना शिकार बना सकते हैं। लेकिन वो लोग या छात्र अधिक जोखिम में हैं जो परिवार से दूर अन्य राज्य या देश में रहते हैं।

सोशल मीडिया का सावधानी से इस्तेमाल

सोशल मीडिया या मैसेंजर पर अपनी निजी जानकारी ध्यान से साझा करें। परिवार में कौन, कहां रहता है या दिनचर्या क्या है, इसे साझा करने के बचें। कई लोग घर जाने के बाद सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हैं कि वे कितने दिनों बाद अपने घर-शहर आए हैं। कई लोग अपने प्लानर की तस्वीर भी साझा करते हैं, जिसमें कई ऐसी जानकारियां या दिनचर्या लिखी हो सकती हैं जिन पर अपराधी की नज़र जा सकती है। किसी भी लिंक पर क्लिक करने से बचें। मोबाइल का सॉफ्टवेयर अपडेटेड रखें। मज़बूत पासवर्ड रखें। इनकी मदद से भी ठग आप तक पहुंच सकता है।

कैसे बच सकते हैं सायबर किडनैपिंग से

पहले सबूत जुटाएं...

ठग से सबूत के तौर पर पीड़ित से बात कराने के लिए कहें। अगर वो किसी और व्यक्ति को पीड़ित बनाकर बात कराए तो उससे निजी सवाल के जवाब मांग सकते हैं। सवाल ऐसे होने चाहिए जिनका जवाब केवल पीड़ित और आप जानते हों, जैसे कि कोई यादगार लम्हा या हास्य पल आदि। अगर बात करने से वो इंकार करता है तो उसे सवाल पूछने के लिए कहें।

समझदारी से काम लें...

अपराधी की आवाज़ ध्यान से सुनें। उसके बोलने के तरीक़े और पीछे से आने वाली आवाज़ पर ध्यान दें। इससे अपराधी तक पहुंचने में मदद मिल सकेगी। अगर हो सके तो उसी वक़्त दूसरे फोन से पीड़ित से संपर्क करें। उसकी सुरक्षा सुनिश्चित होते ही पता लग जाएगा कि फोन ठगी के लिए है।

मदद ज़रूर लें...

इस तरह के फोन आने पर घबराएं नहीं। उसके कहने पर फौरन कोई फ़ैसला लेने से बचें। ठग कुछ भी करने के लिए कहता है तो उस समय उसको हां कह दें ताकि उसे लगे कि आप उसकी बात मान रहे हैं। लेकन उसके बाद पुलिस और सायबर सेल की मदद लें।

परिवार को बताएं...

अगर सायबर किडनैपिंग का शिकार बनाने की मंशा से ठग कॉल करता है तो फौरन इसकी जानकारी परिवार को दें ताकि वे भी सचेत हो जाएं। सबूत के लिए ठग की कॉल रिकॉर्ड करें या मैसेज का स्क्रीनशॉर्ट ले लें।

डॉलर से दूरी, सोने से प्यार... विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ाने नया तरीका आजमा रहा भारत?

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक ने अपने विदेशी मुद्रा भंडार को बढ़ाने के लिए एक नया तरीका अपनाया है। अब रिजर्व बैंक अमेरिकी ट्रेजरी बिलों की बजाय सोने में ज्यादा निवेश कर रहा है। इसका मतलब है कि भारत सरकार अपनी बचत को सिर्फ डॉलर में रखने के बजाय अलग-अलग चीजों में बांट रही है। यह बदलाव दुनिया भर में हो रहा है, क्योंकि कई देश अब डॉलर पर पूरी तरह से निर्भर नहीं रहना चाहते। अमेरिका के ट्रेजरी विभाग और रिजर्व बैंक के आंकड़ों से पता चलता है कि भारत ने पिछले साल के मुकाबले इस साल जून में अमेरिकी ट्रेजरी बिलों में कम निवेश किया। लेकिन सोने का भंडार बढ़ा दिया है। फिर भी, भारत अमेरिकी ट्रेजरी बिलों में निवेश करने वाले टॉप 20 देशों में शामिल है। यह सऊदी अरब और जर्मनी से भी आगे है। इकोनॉमिक टाइम्स के अनुसार जून 2025 में भारत के पास 227 अरब डॉलर के अमेरिकी ट्रेजरी बिल थे। पिछले साल जून में यह आंकड़ा 242 अरब डॉलर था।

पावर स्टॉक में तूफानी तेजी, बिजली सप्लाई करने को लेकर हुई बड़ी डील

नई दिल्ली, एजेंसी। टोरेंट पावर के शेयरों में सोमवार को जबरदस्त उछाल आया है। टोरेंट पावर के शेयर सोमवार को क्ष्स्ध में इंट्राडे के दौरान करीब 7 पर्सेंट उछलकर 1313.70 रुपये पर जा पहुंचे हैं। पावर कंपनी को एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी से एक लेटर ऑफ अवॉर्ड मिला है। यह लेटर ऑफ अवॉर्ड कंपनी के आगामी 1600 मेगावॉट के कोयला आधारित प्लांट से बिजली की सप्लाई करने के लिए मिला है। इस प्लांट में 22,000 करोड़ रुपये का निवेश होगा। टोरेंट पावर के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 2037.35 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 1207.20 रुपये है।

प्रतिस्पर्धात्मक निविदा प्रक्रिया के बाद मिला लेटर ऑफ अवॉर्डत्न टोरेंट पावर ने घोषणा की है कि एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी की तरफ से मैनेज की गई कॉम्पिटिटिव बिडिंग प्रोसेस (प्रतिस्पर्धात्मक निविदा प्रक्रिया) में उसकी भागेदारी के बाद लेटर ऑफ अवॉर्ड जारी किया गया है। लेटर ऑफ अवॉर्ड में 5.829 रुपये का टैरिफ तय किया गया है। इस प्रोजेक्ट में करीब 22000 करोड़ रुपये का इनवेस्टमेंट होगा, यह पावर सेक्टर में टोरेंट ग्रुप का अब तक का सबसे बड़ा फाइनेंशियल कमिटमेंट होगा। टोरेंट पावर की मध्य प्रदेश में एक ग्रीनफील्ड अल्ट्रा-सुपरक्रिटिकल पावर प्लांट लगाने की योजना है। इस प्लांट की कैपेसिटी 2-800 मेगावॉट होगी। प्लांट से पूरे आउटपुट की सप्लाई एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी को की जाएगी। एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी, कोल मिनिस्ट्री की तरफ से तय की गई शक्ति पॉलिसी के मुताबिक पावर प्लांट के लिए जरूरी कोयला सुनिश्चित करेगी। 25 साल के पावर परचेज एग्रीमेंट पर दस्तखत के 72 महीनों के भीतर प्रोजेक्ट लॉन्च किया जाना है। इस पहल से प्लांट के कंस्ट्रक्शन चरण के दौरान प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष 8000 से 10000 रोजगार के मौके बनेंगे।

भारत और चीन की बढ़ती व्यापारिक नजदीकी बढ़ाएगी अमेरिका की बेचैनी

नईदिल्ली, एजेंसी।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग की मुलाकात ने एशियाई व्यापारिक राजनीति की दिशा बदलने वाले संकेत दिए हैं। असली सवाल है, क्या भारत-चीन का संभावित आर्थिक तालमेल अमेरिका की उस रणनीति को चुनौती देगा, जिसे उसने इंडो-पैसिफिक में मजबूती से गढ़ा था?

अमेरिकी और पश्चिमी थिंक टैंक का मानना है, भारत-चीन के बीच बढ़ती व्यापारिक नजदीकी वाशिंगटन की बेचैनी में लगातार इजाफा करेगी। वाशिंगटन का ब्रुकिंग्स इंस्टीट्यूशन कहता है कि भारत-चीन आपूर्ति श्रृंखला पर कामयाब साझेदारी करते हैं तो अमेरिका पर दोगुना दबाव पड़ेगा। लंदन का चैथम हाउस ने कहा, अमेरिका को समझ लेना चाहिए कि एशिया केवल उपभोक्ता नहीं बल्कि रणनीतिक साझेदार भी बन रहा है।

काउंसिल ऑन फॉरेन रिलेशंस का कहना है, भारत-चीन क्षेत्रीय व्यापार ढांचा गढ़ते हैं, तो यह अमेरिका के लिए दोहरी चोट होगी। पहली, निर्यातकों पर प्रतिस्पर्धा का दबाव और दूसरी, इंडो-पैसिफिक में अमेरिकी क्षरण। प्रसिद्ध अर्थशास्त्री अमर्त्य सेन ने कहा, भारत-चीन में व्यापारिक

गर्माहट एशियाई अर्थव्यवस्था के लिए अवसर भी है और चुनौती भी। रूसी अर्थशास्त्री और ब्रिक्स के प्रमुख रणनीतिकार सर्गेई ग्लाजयेव ने कहा, भारत-चीन व रूस स्थानीय मुद्राओं या ब्रिक्स के वैकल्पिक भुगतान तंत्र का उपयोग करते हैं तो यह अमेरिकी प्रतिबंधों और टैरिफ नीतियों को अप्रभावी बना देगा। ब्रुकिंग्स के अनुसार 2023-24 में भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार लगभग 118 अरब डॉलर रहा। इसमें भारत ने अमेरिका को 78 अरब डॉलर का निर्यात किया और अमेरिका से 40 अरब डॉलर का आयात किया। इस लिहाज से भारत को अमेरिका के साथ लगभग 38 अरब डॉलर का सकारात्मक व्यापार संतुलन मिला है। अमेरिकी बाजार भारत के लिए आईटी सेवाओं, फार्मा और इंजीनियरिंग गुड्स का सबसे बड़ा गंतव्य है, जबकि अमेरिका को भारत से रेडीमेड गारमेंट्स, आभूषण और ऑटो कंपोनेंट्स का भी बड़ा निर्यात होता है। ट्रंप के नए टैरिफ से भारत की यह बढ़त खतरे में आ सकती है। अगर भारत-चीन आपसी तालमेल से एशिया में वैकल्पिक सप्लाई चैन मजबूत करते हैं, तो अमेरिकी आयातकों को झटका लगेगा और भारत की रणनीतिक स्वतंत्रता और ज्यादा मजबूत होगी।

80 तक जाएगा सुजलॉन एनर्जी का ग्रीन स्टॉक !

नई दिल्ली, एजेंसी।
करेज फर्म मोतीलाल ओसवाल को उम्मीद है कि सुजलॉन एनर्जी के शेयरों में तेजी देखने को मिलेगी। ब्रोकरेज हाउस ने इस ग्रीन स्टॉक को टैग दिया है। आज सोमवार को सुजलॉन एनर्जी के शेयरों में तेजी देखने को मिली है। बीएसई में सुजलॉन के शेयर 56.86 रुपये के लेवल पर ओपन हुआ था। दिन में यह स्टॉक 2.5 प्रतिशत की तेजी के साथ 57.86 रुपये के लेवल पर पहुंच गया था। ब्रोकरेज हाउस का मानना है कि इस स्टॉक में 42 प्रतिशत की तेजी हासिल करने की क्षमता है। मोतीलाल ओसवाल ने इस स्टॉक को टैग दिया है। साथ ही 80 रुपये का टारगेट प्राइस सेट किया है।

शेयर बाजार में कंपनी का प्रदर्शन पिछले एक साल में कैसा?: ज्यादातर चर्चित कंपनियों की तरह सुजलॉन एनर्जी के शेयरों का प्रदर्शन भी अच्छा नहीं रहा है। पिछले एक साल में सुजलॉन एनर्जी के शेयरों का भाव 24 प्रतिशत गिरा है। जबकि इस दौरान सेंसेक्स इंडेक्स

में 2.69 प्रतिशत की गिरावट आई है। हालांकि, निवेशकों के लिए राहत की बात यह है कि 6 महीने में सुजलॉन एनर्जी का शेयर 15.44 प्रतिशत बढ़ा है। सुजलॉन एनर्जी का 52 वीक हाई 86.04 रुपये और 52 वीक लो लेवल 46 रुपये प्रति शेयर है। कंपनी का मार्केट कैप 78,578.10 करोड़ रुपये का है। बता दें, बीते 5 साल में सुजलॉन एनर्जी के शेयरों की कीमतों में 1614 प्रतिशत की तेजी आई है। सुजलॉन एनर्जी का जून तिमाही के दौरान 3244.40 करोड़ रुपये रेवन्यू रहा है। जोकि सालाना आधार पर 60 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। वहीं, अप्रैल से जून 2025 के दौरान इस ग्रीन स्टॉक का नेट प्रॉफिट 469.50 करोड़ रुपये रहा है।

एक्सपर्ट को उम्मीद 1000 के पार जाएगा सेमीकंडक्टर स्टॉक, मिला ओवरवेट रेटिंग

नई दिल्ली, एजेंसी।
लॉन्ग टर्म में निवेशकों को मोटार रिटर्न देने वाली कंपनी सीजी पावर लिमिटेड के शेयरों में शुक्रवार को तेजी देखने को मिली थी। कंपनी के शेयर शुक्रवार को 4.60 प्रतिशत की उछाल के साथ बंद हुए थे। इस मल्टीबैगर रिटर्न देने वाले स्टॉक के प्रदर्शन को लेकर एक्सपर्ट बुलिश हैं। बता दें, सीजी पावर ने बीते हफ्ते एक बड़ी खबर साझा की थी। सीजी पावर ने एक्सचेंज को दी जानकारी में

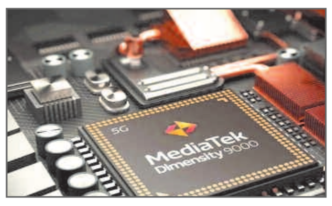

बताया कि उन्होंने गुजरात में एक एसेंबली और टेस्टिंग सेंटर लॉन्च किया है। इसी खबर ने शुक्रवार को शेयरों में तेजी लाई थी। बता दें, भारत सरकार का फोकस सेमीकंडक्टर पर इस समय खूब है। सीएनबीसी टीवी18 की रिपोर्ट के अनुसार ब्रोकरेज हाउस मॉर्गन स्टेनली ने सीजी पावर लिमिटेड को ओवरवेट रेटिंग दी है। ब्रोकरेज हाउस ने 1044 रुपये का टारगेट प्राइस सेट किया। जोकि शुक्रवार की क्लोजिंग की तुलना में 50 प्रतिशत अधिक है। पिछले 6 महीने में यह मल्टीबैगर स्टॉक 21 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न देने में सफल रहा है। वहीं, एक साल में यह स्टॉक 0.94 प्रतिशत गिरा है। हालांकि, यह सेंसेक्स इंडेक्स की 2.83 प्रतिशत की गिरावट से कम है। कंपनी का 52 वीक हाई 874.50 रुपये और 52 वीक लो लेवल 518.35 रुपये है।

यह फरवरी 2008 के बाद से ऑपरेटिंग स्थितियों में सबसे मजबूत सुधार का संकेत देता है

17 साल का टूटा रिकॉर्ड, मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में जबरदस्त उछाल

नई दिल्ली, एजेंसी। अगस्त महीने में भारत का मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर और तेजी से आगे बढ़ा है। मजबूत मांग के कारण फैक्टरी ऑर्डर और उत्पादन में तेजी आई है, जिसने पर्चेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स को 17 साल से भी ज्यादा के अपने उच्चतम स्तर पर पहुंचा दिया है। सीजनली एडजस्टेड एचएसबीसी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई अगस्त में बढ़कर 59.3 पर पहुंच गया, जो जुलाई में 59.1 था। यह फरवरी 2008 के बाद से ऑपरेटिंग स्थितियों (कारोबारी हालात) में सबसे मजबूत सुधार का संकेत देता है। नए ऑर्डर्स और उत्पादन में मजबूत वृद्धि ने कंपनियों को कच्चा माल खरीदने और नई नौकरियां देने के लिए प्रेरित किया। रिपोर्ट में कहा गया है कि कंपनियों ने अतिरिक्त सामग्री खरीदने की रफ्तार तेज की और अधिक नौकरियां सृजित कीं, जो आंशिक रूप से भविष्य के आउटलुक को लेकर सकारात्मक उम्मीदों को दर्शाता है। इनपुट स्टॉक (कच्चे माल का स्टॉक) में और वृद्धि हुई, जबकि तैयार

माल की इन्वेंटरी नौ महीने में पहली बार बढ़ी। इसका मतलब है कि कंपनियां भविष्य में और मांग की उम्मीद कर रही हैं और उसके लिए तैयारी कर रही हैं। हालांकि, कंपनियों ने अपने सेलिंग प्राइस में उल्लेखित वृद्धि की, लेकिन लागत का दबाव अभी भी नियंत्रण में बना हुआ है। यह एक बहुत ही सकारात्मक संकेत है क्योंकि इससे मुद्रास्फीति पर अंकुश लगाने में मदद मिलती है। सबसे अच्छी बात यह है कि इस तेजी का सीधा फायदा रोजगार बाजार को मिल रहा है। मजबूत विकास ने कंपनियों को नई नौकरियां पैदा करने और अपने कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया है, जिससे देश की अर्थव्यवस्था को और मजबूती मिलने की उम्मीद है। लगातार दूसरे महीने पीएमआई का 59 के ऊपर बने रहना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि भारतीय मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर मजबूत रिकवरी के रास्ते पर है। नए ऑर्डर्स की बढ़ती मांग, बढ़ता उत्पादन और बढ़ती नौकरियां देश के आर्थिक भविष्य के लिए एक सुनहरे युग की शुरुआत जैसा महसूस करा रही हैं।

होम लोन के भारी ब्याज से राहत चाहते हैं, तो जरूर अपनाएं खास तरीका

नई दिल्ली, एजेंसी। कोविड-19 काल के बाद से मकान की कीमतों में भारी तेजी देखने को मिली है।दिल्ली, नोएडा, गुरूग्राम या देश के किसी भी बड़े शहर में मकान खरीदना अब चुनौती बन गई है। अगर होम लोन लेकर मकान खरीदते हैं, तो मूल कर्ज से ज्यादा आपको ब्याज चुकाना पड़ता है। निवेश सलाहकारों का कहना है कि होम लोन के भारी ब्याज से बचने के लिए ईएमआई शुरू होने के साथ एसआईपी में निवेश करना अच्छा विकल्प साबित हो सकता है। अगर आप ईएमआई के 12 से 15 फीसदी के बराबर रकम हर माह एसआईपी में डालते हैं, तो होम लोन खत्म होते-होते आपके पास उस पर लगने वाले भारी भरकम ब्याज जितना पैसा जमा हो जाएगा। अगर आप 20 साल की अवधि के लिए 8.25 फीसदी ब्याज दर पर 50 लाख रुपये का होम लोन ले रहे हैं, तो हर महीने 42,603 रुपये की ईएमआई बनेगी। कर्ज अवधि खत्म होते-होते आपको ब्याज के रूप में 52.24 लाख रुपये से ज्यादा का भुगतान करना होगा।

जीएसटी में सुधार की उम्मीद से वाहन-एसी की खरीद टाल रहे ग्राहक-दुकानदार

● 25-30 फीसदी का होगा असर ● ब्रांडों के साथ कंपनियों की चल रही चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी।
जीएसटी स्लैब को चार से घटाकर दो करने के प्रस्ताव के बाद से ग्राहक व दुकानदार महंगी सामानों को खरीदने से बच रहे हैं। इनका मानना है कि इस हफ्ते टैक्स घटने से इनको भारी फायदा हो सकता है। जिन सामानों की खरीदी कम या पूरी तरह ठप हो गई है, उनमें प्रमुख रूप से वाहन, एसी, फ्रिज समेत अन्य इलेक्ट्रॉनिक आइटम शामिल हैं। दुकानदारों को डर है कि अभी सामान खरीदने से उनको जीएसटी घटने के बाद सस्ते में बेचना पड़ सकता है।

जीएसटी परिषद इसी सप्ताह 3-4 सितंबर को बैठक करेगी। इसमें मंत्रियों के समूह के प्रस्ताव पर चर्चा होगी। अंतिम निर्णय के बाद मौजूदा चार स्लैब 5,12,18 और 28 फीसदी

में से केवल 5 एवं 18 फीसदी के स्लैब रह जाएंगे। ऐसे में 28 फीसदी वाली वस्तुएं 18 फीसदी के दायरे में आ जाएंगी। इससे उपभोक्ताओं को फायदा की उम्मीद है।

जिन सामानों पर टैक्स घटने की उम्मीद है, उनमें वॉशिंग मशीन, एयर कंडीशनर (एसी) और रेफ्रिजरेटर जैसी वस्तुएं हैं। ग्रांट थॉर्नटन भारत के पार्टनर नवीन मालपानी ने कहा, जीएसटी 2.0 के लागू होने की तैयारी से ई-कॉमर्स क्षेत्र में

बीमा प्रीमियम का भुगतान भी रोक रहे पॉलिसीधारक

स्वास्थ्य और जीवन बीमा को जीएसटी के दायरे से बाहर रखने की चर्चा है। इससे जिन ग्राहकों को पॉलिसी अभी रिन्यू करानी है, वे इसे रोक रहे हैं। नियमों के अनुसार बीमा प्रीमियम तय समय से 15 दिन या एक महीने बाद भी भरा जा सकता है जिस पर कोई जुर्माना नहीं है।

उपभोक्ता व्यवहार खासकर इलेक्ट्रॉनिक्स और उपकरणों जैसे ऊंचे दाम वाले सामानों में बदलाव देखने को मिल रहा है। ग्राहक देखो और इंतजार करो की रणनीति अपना रहे हैं। वहीं, वाहन उद्योग का मानना है कि मांग मजबूत है। लेकिन, उन्होंने देखो और इंतजार करो की रणनीति अपनाई है। निर्णय लेने में देरी से नए वाहनों की बिक्री पर असर पड़ रहा है। उम्मीद है कि सितंबर के पहले सप्ताह के बाद ग्राहकों का विश्वास बढ़ेगा, जिसका असर खरीद-बिक्री की गतिविधियों में देखने को मिलेगा। हालांकि, निकट भविष्य में बिक्री में अस्थायी गिरावट आ सकती है। लेकिन, नई व्यवस्था पर स्पष्टता आने के बाद बिक्री में तेजी आने की उम्मीद है। ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पूरे साल का एक चौथाई राजस्व त्योहार में कमाते हैं। जीएसटी दरों में कमी से त्योहारी सीजन में ग्राहकों को अधिक आत्मविश्वास से खरीदारी करने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा। इससे मांग को बढ़ावा मिल सकता है।

रतन टाटा का एक फोन कॉल आया और सबकुछ बदल गया

रियल एस्टेट के महारथी हीरानंदानी बता रहे हैं

नई दिल्ली, एजेंसी।
कभी-कभी किसी महान हस्ती के साथ वक्त बिताने का मौका मिल जाए तो महसूस होता है कि जीवन में कितना कुछ बदल जाता है। ऐसा ही कुछ हुआ रियल एस्टेट के महारथी निरंजन हीरानंदानी के साथ। हीरानंदानी ने हाल ही में कर्ली टेल्स पर काम्या जानी के साथ बातचीत में एक अनूठी घटना की जानकारी दी। यह वाकया दिवंगत उद्योगपति रतन टाटा से जुड़ा है। वह बताते हैं कि इस घटना का उन पर गहरा असर हुआ था।

रतन टाटा ने फोन कर पूछा..: हीरानंदानी ने बताया कि यह वाकया साल 2024 का है। दिन था, एक अगस्त। उस दिन रतन टाटा ने उन्हें फोन किया और पूछा निरंजन, क्या तुम मेरे साथ एक नए ट्रस्ट, टाटा पार्किंसन ट्रस्ट में ट्रस्टी बनोगे? वह कहते हैं मैं क्या कह सकता था? उन्हें मुझ पर विश्वास था, और मैं उस ट्रस्ट में

को-ट्रस्टी बन गया। इस घटना के दो महीने बाद ही रतन टाटा का निधन हो गया था। उल्लेखनीय है कि रतन टाटा का निधन 9 अक्टूबर 2024 को हुआ था। हीरानंदानी बताते हैं कि यह एक ऐसा अनुरोध था जिसे वे कभी मना नहीं कर सकते थे, क्योंकि दोनों के बीच बहुत सम्मान और विश्वास था।

यूं ही नहीं मिल गया यह मुकाम: ऐसा नहीं है कि निरंजन हीरानंदानी ने कदम बढ़ाया और यह मुकाम हासिल हो गया। रियल एस्टेट में नाम कमाने से पहले, उन्होंने कई अलग-अलग काम किए। उन्होंने पहले एक शिक्षक के रूप में काम किया। फिर उन्होंने एक कपड़ा मिल चलाने की कोशिश की लेकिन इसमें सफल नहीं हुए। वह भी मानते हैं कि उनके करियर के शुरुआती साल असफलताओं से भरे थे।

भाग्य से नहीं होता यह सब: उन्होंने बताया, बुरे दिन कई बार आए। जब कुछ सफल होता था, तो लोग कहते थे कि तुम भाग्यशाली थे, शहर बढ़ गया, तुमने सही समय पर जमीन खरीदी, यह हुआ, और वह हुआ। लेकिन सफलता सिर्फ किस्मत से नहीं मिलती। पहली सफलता के बाद और आगे बढ़े। अपनी पहली सफलता के बाद, हीरानंदानी ने और आगे बढ़ने का फैसला किया। उन्होंने ठाणे में हीरानंदानी एस्टेट शुरू किया। उस समय कई बिल्डर उस इलाके से दूरी बना कर चल रहे थे। वह बताते हैं हमने अगला प्रोजेक्ट, हीरानंदानी एस्टेट ठाणे में शुरू किया। यह ऐसी जगह थी जहां कोई भी बिल्डर काम नहीं करना चाहता था। हमने उस प्रोजेक्ट को भी सफल बनाया। बात यह है कि ऐसे प्रोजेक्ट बार-बार सफल हो सकते हैं, और हम ऐसा करते रहेंगे। आज, रियल एस्टेट में हीरानंदानी को कौन नहीं जानता। ऐसा नहीं है कि हीरानंदानी सिर्फ अपने वेंचर को ही आगे बढ़ाते हैं। यदि कहीं कुछ अच्छा हो रहा है तो उसे सराहते भी हैं।

चांदी का भाव रिकॉर्ड हाई पर पहुंचा

हिंदुस्तान जिंक के शेयरों में दिखी 5 से अधिक की तेजी

नई दिल्ली, एजेंसी। अनिल अग्रवाल की सब्सिडियरी कंपनी हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड के शेयरों में सोमवार को 5 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है। 1 सितंबर को यह स्टॉक निफ्टी500 इंडेक्स के टॉप गेनर्स में से एक रहा है। इसी के साथ हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड के शेयरों में बीते 3 कारोबारी दिन से चली आ रही गिरावट पर रोक लग गया है। बता दें, बीएसई में हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड के शेयर 424.35 रुपये के लेवल पर ओपन हुए थे। दिन में कंपनी के शेयरों का भाव 443 रुपये के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गया था। इस माइनिंग कंपनी के शेयरों में तेजी के पीछे की वजह चांदी की कीमतों में उछाल है। चांदी का भाव घरेलू बाजार के साथ-साथ इंटरनेशनल मार्केट में एक बड़ी ऊंचाई पर बंद हुआ है। बीते एक महीने के दौरान सिल्वर की कीमतों में 5 प्रतिशत की तेजी आई है। वहीं, एक साल में चांदी का भाव 35 प्रतिशत बढ़ा है। बता दें, एमसीएक्स में भी चांदी का भाव आज रिकॉर्ड हाई पर है। हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड दुनिया की 5 सबसे बड़ी चांदी उत्पादन करने वाली कंपनियों में से एक है। हालांकि, वित्त वर्ष 2025 में चांदी का प्रोडक्शन नीचे गिर गया था। जोकि वित्त वर्ष 2026 में चांदी प्रोडक्शन कंपनी 700 टन तक हासिल कर सकती है।

इतिहास रचने की तैयारी में मुकेश अंबानी !

44 लाख शेयरहोल्डर्स को होगा फायदा?

नई दिल्ली, एजेंसी।
मुकेश अंबानी अब शेयर बाजार की दुनिया में इतिहास रचने की तैयारी में हैं। कंपनी का आने वाला आईपीओभारतीय शेयर बाजार के इतिहास का सबसे बड़ा और रिकॉर्ड-तोड़ आईपीओ माना जा रहा है। ऐसे में पूरे निवेश जगत की नजरें रिलायंस इंडस्ट्रीज पर टिक गई हैं। खासकर रिलायंस इंडस्ट्रीज के 44 लाख शेयरहोल्डर्स की निगाहे जियो आईपीओ पर हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि कंपनी की सब्सिडियरी जियो प्लेटफॉर्म को सीधे स्टॉक मार्केट में लिस्ट कराया जाएगा। लेकिन रिलायंस इंडस्ट्रीज के 44 लाख मौजूदा शेयरधारकों के लिए यह उतना सीधा फायदा देने वाला नहीं है, जितना पहले जियो फाइनेंशियल सर्विसेज के स्पिन-ऑफ के समय हुआ था। तब आरआईएल के हर शेयरधारक को सीधे शेयर मिले थे, जिससे उन्हें त्वरित लाभ हुआ। मगर इस बार आईपीओ में मौजूदा रिलायंस शेयरधारकों को छ्ब्ब्श के अलग-से शेयर नहीं मिलेंगे। बता दें कि हाल ही में

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने कहा कि दूरसंचार इकाई रिलायंस जियो अगले साल की पहली छमाही में अपना आईपीओ लेकर आएगी और शेयर बाजार में सूचीबद्ध होगी। देश की सबसे बड़ी दूरसंचार सेवा प्रदाता रिलायंस जियो इस समय आरआईएल की एक सब्सिडियरी कंपनी है। रिलायंस इंडस्ट्रीज की वार्षिक आम बैठक को संबोधित करते हुए चेयरमैन मुकेश अंबानी ने कहा कहा, जियो अपने आईपीओ के लिए सभी जरूरी तैयारियां कर रही है।

विश्व चैंपियनशिप में भारत की अगुवाई करेंगे नीरज

भाला फेंक में भारत के सबसे अधिक खिलाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। चोपड़ा ने 85.50 मीटर का क्वालिफाइंग स्तर भी पार कर लिया था जबकि अन्य तीन भारतीयों ने विश्व रैंकिंग के माध्यम से कट हासिल किया। अगले महीने टोक्यो में होने वाली विश्व चैंपियनशिप में भारत के पुरुष भाला फेंक खिलाड़ियों की संख्या सबसे अधिक होगी जिसमें नीरज चोपड़ा की अगुआई में देश के चार खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। यह वैश्विक मंच पर दो बार के ओलंपिक पदक विजेता चोपड़ा के प्रदर्शन से आई गई क्रांति का उल्लेखनीय प्रतिबिंब है। भारत ने 13 से 21 सितंबर तक होने वाली इस प्रतियोगिता के लिए रविवार को 19 सदस्यीय टीम की घोषणा की जिसमें भाला फेंक स्पर्धा में चोपड़ा के अलावा सचिन यादव, यशवीर सिंह और रोहित यादव भी देश का प्रतिनिधित्व करेंगे। टोक्यो में प्रतिस्पर्धा करने वाले शुरुआती 36 खिलाड़ियों के समूह में जगह बनाने में नाकाम रहे रोहित को विश्व एथलेटिक्स से आमंत्रण मिला जब विश्व रैंकिंग में उनसे ऊपर के प्रतियोगियों ने नाम वापस ले लिया। पिछले टूर्नामेंट में भी चार भारतीयों ने क्वालिफाई किया था लेकिन रोहित चोट के कारण बाहर हो गए थे। चोपड़ा ने 2023 में बुडापेस्ट में पिछली विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था जबकि किशोर जेना और डीपी मनु क्रमशः पांचवें और छठे स्थान पर रहे थे।

दर्द से जूझते हुए जीते नोवाक जोकोविच

38 साल की उम्र में वो कर दिया जो किसी ने नहीं किया था

न्यूयॉर्क, एजेंसी। नोवाक जोकोविच रविवार यूएस ओपन के चौथे राउंड के मुकाबले में दमदार शुरुआत की। वह तेजी से आगे बढ़ रहे थे तभी उनकी गर्दन में दर्द होने लगा। इसके बावजूद सातवीं सीड के जोकोविच 144वीं रैंकिंग के क्वालीफायर जान-लेनार्ड स्ट्रफ को 6-3, 6-3, 6-2 से हराकर अपने रिकॉर्ड 64वें ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए। जर्मनी के 35 साल के स्ट्रफ पहली बार यूएस ओपन के चौथे राउंड में पहुंचे थे।

पहले सेट में ही जोकोविच को हुई दिक्कत

नोवाक जोकोविच 4–0 से आगे चल रहे थे। अगले गेम में वह 15–लव से आगे थे। इसके बाद उन्होंने एक बेहतरीन एंगल वाली लगाकर 30–लव की बढ़त बना ली। इसके तुरंत बाद उन्होंने अपनी गर्दन पीछे से पकड़ी और अपना सिर घुमाना शुरू कर दिया। इसके बाद कुछ समय उन्हें परेशानी हो रही थी। 30–लव की बढ़त लेने के बाद भी वह गेम हार गए। इसके बाद अगले गेम में भी जान–लेनार्ड स्ट्रफ ने जीत हासिल की। लेकिन जोकोविच ने जल्द ही वापसी कर ली और फिर क्वालीफायर खिलाड़ी को कोई मौका नहीं दिया।

जोकोविच ने नया इतिहास भी लिखा

24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन नोवाक जोकोविच ने क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के साथ इतिहास भी रच दिया है। वह इस साल खेले सभी चार ग्रैंड स्लैम के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे हैं।38 साल के नोवाक जोकोविच एक ही सीजन में चारों ग्रैंड स्लैम के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए। स्ट्रफ के खिलाफ जोकोविच का यह सिंगल्स में आठवां मुकाबला था। उन्हें सभी में जीत मिली है।

क्वार्टर फाइनल में फ्रिट्ज से मुकाबला

अब यूएस ओपन 2025 के क्वार्टर फाइनल में जोकोविच का सामना अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज से होगा। 27 साल के फ्रिट्ज ने क्वार्टर फाइनल में चेक रिपब्लिक के टॉमस माचैक को 6–4, 6–3, 6–3 से हराया। फ्रिट्ज और जोकोविच के बीच अभी तक 10 मुकाबले हुए हैं। सभी में सर्बिया के दिग्गज खिलाड़ी को जीत मिली है। जोकोविच 2023 से एक भी ग्रैंड स्लैम नहीं जीत पाए हैं। आखरी बार उन्होंने यूएस ओपन का ही खिताब जीता था।

विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप

नंदिनी के न चुने जाने पर विवाद, AFI प्रवक्ता को देनी पड़ी सफाई

नई दिल्ली, एजेंसी। सुमरिवाला ने कहा, विश्व चैम्पियनशिप के लिए क्वालिफाई करने वाले सभी खिलाड़ियों का जीन टेस्ट किया गया है। इसके नतीजे सीधे विश्व एथलेटिक्स को भेजे जाएंगे। इसका खर्च भी वही वहन करते हैं। हमारे पास इस तरह की कोई रिपोर्ट नहीं है। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के प्रवक्ता आदिल सुमरिवाला

ने रविवार को स्पष्ट किया कि एशियाई चैम्पियन हेप्टाथलीट नंदिनी अगासरा को अगले महीने टोक्यो में होने वाली विश्व चैम्पियनशिप के लिए 19 सदस्यीय टीम से बाहर सिर्फ फिटनेस कारणों से किया गया है।नंदिनी ने 13 से 21 सितंबर तक होने वाली इस प्रतियोगिता के लिए क्वालिफाई कर लिया था। उन्होंने पहले बताया था कि वह टोक्यो में हिस्सा नहीं लेंगी क्योंकि मई में एशियाई चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने के दौरान उनकी कोहनी में चोट लग गयी थी। वह इस चोट से अब तक पूरी तरह से उबर नहीं पाई हैं। सुमरिवाला ने टीम की घोषणा के बाद ऑनलाइन बातचीत में कहा, नंदिनी का 2023 में हांगझोऊ में एशियाई खेलों के दौरान एक साथी खिलाड़ी ने विरोध किया था, लेकिन मैं यह बात साफ कर देना चाहता हूं कि उन्हें विश्व एथलेटिक्स ने क्लीन चिट दे दी थी। वह स्वप्ना बर्मन की शिकायत का जिक्र कर रहे थे। स्वप्ना ने हांगझोऊ में कांस्य पदक जीतने वाली नंदिनी पर आरोप लगाए थे। स्वप्ना चौथे स्थान पर रही थी। सुमरिवाला ने कहा, विश्व चैम्पियनशिप के लिए क्वालिफाई करने वाले सभी खिलाड़ियों का जीन टेस्ट किया गया है। इसके नतीजे सीधे विश्व एथलेटिक्स को भेजे जाएंगे। इसका खर्च भी वही वहन करते हैं। हमारे पास इस तरह की कोई रिपोर्ट नहीं है। विश्व एथलेटिक्स ने हाल ही में सभी सदस्य देशों को निर्देश दिया था कि वे टोक्यो में होने वाली चैम्पियनशिप में भाग लेने वाले खिलाड़ियों का एसआरवाई (सेक्स–डिटर्मिनिंग रीजन वाई) जीन टेस्ट करवाएं। यह टेस्ट मुख्य रूप से यह पहचानने के लिए किया जाता है कि भ्रूण विकास के दौरान पुरुष लिंग निर्धारण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला एसआरवाई जीन मौजूद है या नहीं। उन्होंने नंदिनी को हटाये जाने की अटकलों को खारिज करते हुए कहा, तीसरी बात, यह एक संवेदनशील मुद्दा है और इसे सार्वजनिक रूप से चर्चा में नहीं लाया जा सकता। विश्व एथलेटिक्स के गोपनीयता नियम होते हैं।

टिम साइफर्ट ने ठोका सीपीएल के इतिहास का सबसे तेज शतक

94 रन तो सिर्फ चौके-छक्के से बनाए, तोड़े ये 3 रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। न्यूजीलैंड के 30 साल के बल्लेबाज टिम साइफर्ट ने छ्क्क्र 2025 में बड़ा धमाका किया है. उन्होंने कैरेबियन प्रीमियर लीग के इतिहास का सबसे तेज शतक ठोकते हुए इस मामले में आंद्रे रसेल के रिकॉर्ड की बराबरी की है. अब दोनों के नाम छ्क्क्र में सबसे तेज 40 गेंदों पर शतक ठोकने का रिकॉर्ड दर्ज है. टिम साइफर्ट ने सबसे तेज शतक के मामले में आंद्रे रसेल के रिकॉर्ड की बराबरी 31 अगस्त को एंटीगा एंड बारबुडा फाल्कंस के खिलाफ खेले मुकाबले में की. वो इस मैच में सेंट लुसिया किंग्स की तरफ से ओपनिंग करने उतरे थे. साइफर्ट ने अपना शतक 205 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए जमाया, जिसके बाद उनकी टीम तो जीती ही, साथ ही उससे जुड़े 3 बडे रिकॉर्ड भी टूटे.

एंटीगा एंड बारबुडा फाल्कंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 204 रन बनाए थे. जवाब में सेंट लुसिया किंग्स की तरफ से ओपनिंग करने उतरे टिम साइफर्ट ने शुरुआत से ही अपने इरादे जता दिए. वो एक बार जो क्रीज पर आए तो फिर मैच जिताकर ही गए.

94 रन सिर्फ चौके-छक्के से, 40 गेंदों में किया शतक पूरा – टिम साइफर्ट की कुल इनिंग 53 गेंदों की रही, जिसमें उन्होंने नाबाद 125 रन बनाए. इस दौरान उन्होंने 9 छक्के और 10 चौके लगाते हुए अपनी इनिंग के कुल 94 रन बाउंड्रीज से बनाए. 125 रन की इस पारी के दौरान टिम साइफर्ट ने अपना शतक 40वीं गेंद पर सिंगल के साथ पूरा किया. ये छ्क्क्र में टिम साइफर्ट का पहला शतक है. जबकि, उनके ञ्20 करियर का ये चौथा शतक है. टिम साइफर्ट की विस्फोटक पारी की बदौलत उनकी टीम सेंट लुसिया किंग्स ने मुकाबला 17.5 ओवर में ही 4 विकेट खोकर जीत लिया. मतलब, उसने 6 विकेट से मैदान मारा. अब टीम के इस मैदान मारने के दौरान टिम साइफर्ट ने उससे रिलेटेड 3 बड़े रिकॉर्ड तोड़ दिए.

यूएस ओपन के दौरान सोराना क्रिस्टी की ट्रॉफियां चोरी

टेनिस खिलाड़ी ने इंस्टा पोस्ट में जानकारी दी; लिखा- यह मेरे लिए खास

न्यूयॉर्क, एजेंसी। न्यूयॉर्क में चल रहे साल के आखिरी ग्रैंड स्लैम यूएस ओपन के दौरान ट्रॉफियां चोरी होने का मामला सामने आया है। रोमानिया की टेनिस खिलाड़ी सोराना क्रिस्टी ने सोशल प्लेटफार्म इंस्टाग्राम में एक स्टोरी पोस्ट कर लिखा कि एक महिला टूर्नामेंट में जीती हुई उनकी ट्रॉफी अमेरिकी ओपन के दौरान न्यूयॉर्क में होटल के कमरे से चोरी हो गई है। 35 साल की सोराना महिलाओं के एकल वर्ग से हारकर बाहर हो चुकी हैं। उन्होंने शनिवार की रात इंस्टाग्राम पर लिखा, जिसने भी द फिफ्टी सोनेस्टा होटल के कमरा नंबर 314 से मेरी क्लीवलैंड ट्रॉफी चुराई है। कृपया उसे वापिस लौटा दो। इसकी वैसे कोई कीमत नहीं है, लेकिन भावनात्मक कीमत है।

एमएस धोनी की धरती से निकला नया सितारा

झारखंड के स्पिनर ने दलीप ट्रॉफी के डेब्यू मैच में ही की विश्व रिकॉर्ड की बराबरी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय घरेलू क्रिकेट का नया सत्र 2025–26 धमाकेदार अंदाज में शुरू हुआ है। बेंगलुरु में खेले जा रहे दलीप ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल में बल्लेबाजों ने खूब रन बनाए, लेकिन असली चर्चा गेंदबाजों के असाधारण कारनामों की रही। इनमें सबसे ज्यादा सुर्खियां झारखंड के 21 वर्षीय युवा स्पिनर मनीषी ने बटोरीं। मनीषी ने दलीप ट्रॉफी में अपने डेब्यू मैच में ही ऐसे विश्व रिकॉर्ड की बराबरी की, जो अब तक कोई भी भारतीय गेंदबाज नहीं कर पाया था। मनीषी ने ईस्ट जोन की ओर से खेलते हुए नॉर्थ जोन के खिलाफ पहली पारी में छह विकेट चटकाए। दिलचस्प बात यह रही कि ये सभी विकेट उन्होंने एलबीडब्ल्यू के रूप में हासिल किए। शुभम खजूरिया (26 रन), अंकित कुमार (30 रन), यश ढुल (39 रन), कन्हैया वधावन (76 रन), आकिब नबी (44 रन) और हर्षित राणा (7 रन) उनके शिकार बने। प्रथम श्रेणी क्रिकेट के इतिहास में यह कारनामा मात्र छठी बार देखने को मिला है, जबकि किसी भारतीय गेंदबाज ने पहली बार यह उपलब्धि अपने नाम की है। मनीषी ने इस उपलब्धि से इंग्लैंड के ओली रॉबिन्सन (2021) और मार्क इलॉट (1995), श्रीलंका के चामिंडा वास (2005) तथा पाकिस्तान के ताबिश खान (2011) जैसे बड़े नामों की सूची में जगह बनाई। झारखंड की धरती पहले भी भारतीय क्रिकेट को बड़े सितारे दे चुकी है।

ये पटका, वो मारा...

लियोनेल मेसी के साथियों ने की डब्ल्यूडब्ल्यूई वाली लड़ाई, मैदान पर खूब पटकी-पटका

नई दिल्ली, एजेंसी। लीग्स कप के फाइनल में एक बड़ा उलटफेर देखने को मिला। जहां लियोनेल मेसी की अगुवाई वाली इंटर मियामी को सिएटल साउंडर्स ने 3-0 से करारी शिकस्त दी और ट्रॉफी से उन्हें दूर कर दिया। मैच से पहले इंटर मियामी को जीत का प्रबल दावेदार माना जा रहा था, लेकिन सिएटल साउंडर्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए उन्हें पूरी तरह से पछाड़ दिया। इस मुकाबले के बाद एक बड़ा घटना भी हुई, जहां दोनों टीमों के खिलाफ आपस में ही भिड़ गए और फुटबॉल के मैदान को डब्ल्यूडब्ल्यूई रिंग में बदल दिया।

मैच के बाद लुइस सुआरेज और इंटर मियामी के खिलाड़ियों के बीच मार पीट – मैच के बाद हुई घटना ने सबको चौंका दिया। हार से गुस्साए लुइस सुआरेज ने 20 साल के खिलाड़ी ओबेद वर्गास के साथ हाथापाई शुरू कर दी। सिएटल के खिलाड़ी जब अपनी जीत का जश्न मना रहे थे, तब सुआरेज ने वर्गास को पकड़कर उनका गला दबा दिया। इस घटना के बाद दोनों टीमों के खिलाड़ियों के बीच लड़ाई शुरू हो गई और कुछ खिलाड़ियों ने एक-दूसरे को मुक्के भी मारे।

रणजी में 55 से ज्यादा का औसत, टी-20 तक सीमित नहीं रहना चाहते रिंकू, इस खिलाड़ी की तरह देना चाहते हैं भारतीय टीम को सेवा

नइ ‘दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप 2025 से पहले यूपी टी20 लीग में शानदार प्रदर्शन करने वाले रिंकू सिंह को टी20 क्रिकेट तक सीमित नहीं रहना चाहते। रिंकू को टी20 स्पेशलिस्ट का टैग पसंद नहीं है। भारत के लिए टेस्ट खेलना उनका सपना है। यही वजह है कि उन्होंने टी20 स्पेशलिस्ट कहने पर रणजी ट्रॉफी में अपने बल्लेबाजी औसत का जिक्र किया। रिंकू प्रथम श्रेणी क्रिकेट में उत्तर प्रदेश के लिए खेलते हैं। उन्होंने 50 मैच की 72 पारियों में 54.68 के औसत से 3336 रन बनाए हैं। इसमें 7 शतक और 22 अर्धशतक शामिल हैं। नाबाद 163 उनका सर्वोच्च स्कोर है। रिंकू सिंह के आइडल भारतीय टीम के पूर्व खिलाड़ी सुरेश रैना हैं। वह रैना की तरह भारतीय टीम को योगदान देना चाहते हैं।

रिंकू सिंह खुद को सभी प्रारूप का खिलाड़ी मानते हैं – इंटरव्यू में टी20 स्पेशलिस्ट कहे जाने के सवाल पर रिंकू ने कहा, मुझे पता है कि जब मैं छक्के लगाता हूं तो प्रशंसकों को बहुत अच्छा लगता है और मैं इसके लिए सचमुच आभारी हूं। लेकिन मेरा रणजी ट्रॉफी औसत भी बहुत अच्छा है,वहां मेरा औसत 55 से ज्यादा है। मुझे लाल गेंद से क्रिकेट खेलना बहुत पसंद है।

- **मौका लपकने को तैयार रिंकू** – रिंकू सिंह ने कहा, मैंने भारत के लिए दो वनडे मैच भी खेले हैं और उनमें से एक में अच्छा प्रदर्शन किया है। इसलिए, ऐसा नहीं है कि मैं सिर्फ टी20 का खिलाड़ी हूं। मेरा मानना ??है कि अगर मुझे मौका मिले तो मैं हर प्रारूप में अच्छा प्रदर्शन कर सकता हूं। मुझे एक प्रारूप के खिलाड़ी का टैग पसंद नहीं है। मैं खुद को सभी प्रारूपों के खिलाड़ी के रूप में देखता हूं। मेरा सपना भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट खेलना है और अगर मुझे मौका मिला, तो मैं इसे लपकने के लिए तैयार हूं।
- **सुरेश रैना हैं रिंकू सिंह के आदर्श** – सुरेश रैना को अपना आदर्श बताते हुए रिंकू सिंह ने कहा, 卐सुरेश रैना भैया मेरे आदर्श हैं। वह हमेशा मुझसे कहते हैं, ‘रिंकू, हर चीज के लिए तैयार रहना।

जय शाह ने महिला क्रिकेटरों के लिए खोला खजाना, वर्ल्ड कप में पुरुषों से 34 करोड़ ज्यादा होगी प्राइज मनी

नई दिल्ली, एजेंसी। महिला क्रिकेट विश्व कप की विजेता टीम को टूर्नामेंट के इतिहास में अब तक की सबसे बड़ी पुरस्कार राशि मिलेगी। यह पिछले संस्करण में 1.32 मिलियन अमेरिकी डॉलर (11.65 करोड़ रुपये) से बढ़कर 4.48 मिलियन अमेरिकी डॉलर (39.55 करोड़ रुपये) हो गई है। जय शाह की अध्यक्षता वाली इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने सोमवार (1 सितंबर) को यह घोषणा की। 30 सितंबर से शुरू हो रहे महिला क्रिकेट विश्व कप के 13वें संस्करण की मेजबानी भारत और श्रीलंका संयुक्त रूप से करेंगे। कुल मिलाकर, आठ टीमों के इस टूर्नामेंट में पुरस्कार राशि में लगभग तीन गुना वृद्धि हुई है, आईसीसी ने इस मेगा इवेंट के लिए कुल 13.88 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 122.5 करोड़ रुपये) की पुरस्कार राशि की घोषणा की है। यह 2023 में हुए पुरुषों के विश्व कप से 34 करोड़ रुपये ज्यादा है। भारत में हुए उस टूर्नामेंट की पुरस्कार राशि

10 मिलियन डॉलर (लगभग 88.21 करोड़ रुपये) थी।

297 प्रतिशत की वृद्धि – आईसीसी ने एक बयान में कहा, ‘‘आईसीसी ने महिला क्रिकेट के लिए एक नया मानदंड स्थापित किया है, क्योंकि चैंपियन को रिकॉर्ड 44.8 लाख डॉलर की पुरस्कार राशि मिलेगी।‘‘ न्यूजीलैंड में खेले गए पिछले महिला वनडे विश्व कप की कुल पुरस्कार राशि लगभग 31 करोड रुपये थी और इस तरह से अब इस राशि में लगभग 297 प्रतिशत की वृद्धि की गई है।

उपविजेता को 19.77 करोड़ रुपये – महिला वनडे विश्व कप की कुल पुरस्कार राशि आईसीसी पुरुष वनडे विश्व कप 2023 की पुरस्कार राशि से अधिक है, जिसकी कुल पुरस्कार राशि 10 मिलियन डॉलर (लगभग 88.26 करोड़ रुपये) थी। महिला वनडे विश्व कप की उपविजेता टीम को अब 2.24 मिलियन डॉलर (लगभग 19.77 करोड़ रुपये) जबकि सेमीफाइनल में हारने वाली टीमों को 1.12 मिलियन डॉलर (लगभग 9.89 करोड़ रुपये) मिलेंगे।

- **प्रत्येक प्रतिभागी टीम को 22 लाख रुपये मिलेंगे** – ग्रुप चरण में जीत दर्ज करने पर टीमों को 34,314 डॉलर (लगभग 30.29 लाख रुपये) मिलेंगे। पांचवें और छठे स्थान पर रहने वाली टीमों को 700,000 डॉलर (लगभग 62 लाख रुपये) और सातवें और आठवें स्थान पर रहने वाली टीमों को 280,000 डॉलर (लगभग 24.71 लाख रुपये) मिलेंगे। प्रत्येक प्रतिभागी टीम को 250,000 डॉलर (लगभग 22 लाख रुपये) मिलेंगे।
- **जय शाह क्या बोले** – आईसीसी ने कहा कि इस कदम का उद्देश्य दुनिया भर में महिला क्रिकेट की लोकप्रियता बढ़ाना और उसे पुरुष क्रिकेट के बराबर लाना है। आईसीसी के चेयरमैन जय शाह ने कहा कि यह महिला क्रिकेट को प्राथमिकता देने की दिशा में उठाया गया कदम है।

अल्लू ने दादी को किया याद

अभिनेता अल्लू अर्जुन की दादी, अल्लू कनकरत्नम का निधन शनिवार को हो गया था। वो 94 वर्ष की आयु में इस दुनिया को छोड़कर चली गईं, उनका अंतिम संस्कार कोकापेट में हुआ। शनिवार को जब उनका निधन हुआ तो एक्टर अल्लू अर्जुन मुंबई में शूटिंग कर रहे थे। वे शूटिंग बीच में छोड़कर तुरंत हैदराबाद पहुंचे। रविवार को 'पुष्पा-2' स्टार अल्लू अर्जुन ने उन्हें याद करते हुए एक भावुक पोस्ट सोशल मीडिया पर किया। एक्टर ने अपनी दादी की एक तस्वीर भी पोस्ट की। उन्होंने इंस्टाग्राम अकाउंट पर लिखा, हमारी प्रिय दादी अल्लू कनकरत्नम गारु अब स्वर्ग सिधार चुकी हैं। उनका स्नेह, आशीर्वाद और मार्गदर्शन हमेशा हमारी यादों में जिंदा रहेगा। हम सबको हर दिन उनकी कमी खलेगी। जिन्होंने प्रेम और संवेदनाएं हमारे साथ साझा कीं, उन सभी का दिल से आभार। दूर बैठे लोगों की प्रार्थनाएं और दुआएं भी हमें उतनी ही महसूस हुईं। आप सभी के प्रेम और सहयोग के लिए कृतज्ञ हैं। अल्लू अर्जुन और उनकी दादी के बीच काफी घनिष्ठ प्रेम था। 'पुष्पा-2' के प्रीमियर के बाद जब अल्लू अर्जुन को गिरफ्तार कर लिया गया था, तब उनकी दादी बहुत दुखी हुई थीं। बाद में जब वे घर वापस आए थे, तो एक्टर की दादी ने उनकी नजर उतारी थी। इसका वीडियो अल्लू ने शेयर किया था। इससे पहले सुपरस्टार चिरंजीवी ने एक पोस्ट में लिखा था, हमारी सास, अल्लू रामलिंगय्या गारु की धर्मपत्नी, कनकरत्नम्मा के निधन का समाचार अत्यंत दुखद है। उन्होंने अपने स्नेह, साहस और जीवन मूल्यों से पूरे परिवार को हमेशा मार्गदर्शन और प्रेरणा दी। ईश्वर से प्रार्थना है कि उनकी आत्मा को शांति मिले। ओम शांति।

परम सुंदरी ने बॉक्स ऑफिस पर मचाया धमाल, दो दिनों में कमाए ? 28.7 करोड़

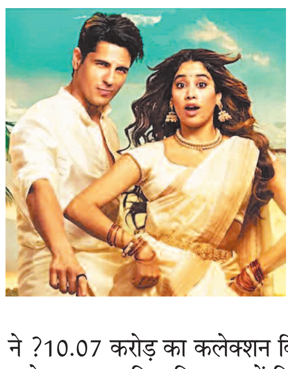

सिद्धार्थ मल्होत्रा और जान्हवी कपूर अभिनीत फिल्म परम सुंदरी ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार शुरुआत की है। दिनेश विजन की मैडॉक फिल्म्स द्वारा निर्मित इस फिल्म ने रिलीज के पहले दो दिनों में ही 28.7 करोड़ रुपये का वर्ल्डवाइड कलेक्शन कर लिया है। फिल्म ने शुक्रवार को ?7.37 करोड़ की मजबूत ओपनिंग के साथ अपनी धमाकेदार एंट्री दर्ज कराई। दर्शकों के बीच फिल्म को लेकर उत्साह शनिवार को और भी बढ़ गया, जिसके परिणामस्वरूप कलेक्शन में 36.64 की जबरदस्त उछाल देखने को मिली। शनिवार को फिल्म ने ?10.07 करोड़ का कलेक्शन किया। इस तरह, भारत में दो दिनों का कुल कलेक्शन ?17.44 करोड़ रहा, जबकि दुनिया भर में फिल्म ने?28.7 करोड़ की कमाई कर ली है।

51 साल की मलाइका अरोड़ा को रिवीलिंग ड्रेस पहनना पड़ा भारी

बॉलीवुड एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा आए दिन लाइमलाइट में बनी रहती हैं. 51 साल की एक्ट्रेस अपनी प्रोफेशनल लाइफ से ज्यादा निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में रहती हैं. फिलहाल, मलाइका अरोड़ा इन दिनों अपने एक वीडियो को लेकर जमकर ट्रोल हो रही हैं. दरअसल, एक्ट्रेस पब्लिक प्लेस पर स्पॉट हुईं और पैपराजी ने उन्हें अपने कैमरे में कैद किया. सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे इस वीडियो में देखा जा सकता है कि वह रिवीलिंग ड्रेस में नजर आ रही हैं और ये लोगों को पसंद नहीं आया. इसके बाद मलाइका अरोड़ा को जमकर निशाना बनाया गया है. आइए देखते हैं कि एक्ट्रेस ने ऐसा क्या पहना था.

मलाइका अरोड़ा का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

सेलिब्रिटी फोटोग्राफर विरल भयानी ने अपने इंस्टाग्रा अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है. इसमें आप देख सकते हैं कि मलाइका अरोड़ा नजर आ रही हैं और पैपराजी को मुस्कुराते हुए पोज दे रही हैं. इस दौरान एक्ट्रेस ने ब्रालेट पहन रखा है और अपना कर्वी फिगर फ्लॉन्ट किया है. मलाइका अरोड़ा को इस अंदाज में देखकर उनके तमाम चाहने वाले फैंस प्यार बरसा रहे हैं. वहीं, एक्ट्रेस को सोशल मीडिया पर जमकर ट्रोल किया जा रहा है. एक यूजर ने लिखा है, ये स्टाइल नहीं बेशर्मी है. एक यूजर ने लिखा है, अपनी उम्र का खयाल रखो. एक यूजर ने लिखा है, पॉपुलर होने के लिए कम कपड़े पहनती है. एक यूजर ने लिखा है, ये क्या कपड़े पहन रखे हैं.

सुमोना चक्रवर्ती की कार पर मराठा आरक्षण प्रदर्शनकारियों ने किया हमला

वो मेरे बोनट पर जोर से मार रहा था...

एक्ट्रेस सुमोना चक्रवर्ती ने इंस्टाग्राम पर आपबीती शेयर करते हुए बताया कि 31 अगस्त को साउथ मुंबई में मराठा आरक्षण आंदोलन के दौरान उनकी कार पर हमला हुआ। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनकारियों की भीड़ ने उनकी कार को रोका, बोनट पर मारा और जय महाराष्ट्र के नारे लगाए। एक्ट्रेस सुमोना चक्रवर्ती ने इंस्टाग्राम पर लंबा-चौड़ा पोस्ट किया है। इसमें उन्होंने बताया है कि 31 अगस्त को उन्हें साउथ मुंबई में मराठा आरक्षण को लेकर आंदोलन कर रहे लोगों ने उनकी कार पर हमला कर दिया था। जिससे वह खुद को असुरक्षित महसूस कर रही थीं। उन्होंने बताया कि ये वाकया दोपहर के वक्त हुआ, जब वह कोलाबा से फोर्ट जा रही थीं। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर आपबीती सुनाई है। सुमोना चक्रवर्ती ने इंस्टाग्राम पर लिखा, आज दोपहर 12:30 बजे। मैं कोलाबा से फोर्ट जा रही थी। और अचानक-मेरी कार को एक भीड़ ने रोक लिया। नारंगी रंग का स्टोल पहने एक आदमी मेरे बोनट पर जोर से मार रहा था, मुस्कुरा रहा था। अपने पेट को मेरी कार से सटा रहा था। मेरे सामने वो झूमने लगा। उसके साथी मेरे कार के शीशे के पास आकर जय महाराष्ट्र चिल्ला रहे थे और हंस रहे थे। हम थोड़ा आगे बढ़े और फिर वैसा ही हुआ। 5 मिनट के अंतराल में दो बार।

सुमोना ने बताया मुंबई का खौफनाक मंजर

सुमोना ने आगे बताया कि पुलिसवाले वहीं थे लेकिन वह बैठे हुए थे और कुछ नहीं कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वह साउथ बॉम्बे में दिन के उजाले में भी खुद को अनसेफ फील कर रही थीं। और सड़कों पर केले के छिलके, प्लास्टिक की बोतलें और गंदगी बिखरी हुई थी। एक्ट्रेस ने बताया कि फुटपाथ पर लोगों ने कब्जा कर लिया था। प्रदर्शनकारी विरोध के नाम पर खा रहे हैं, सो रहे हैं, नहा रहे हैं, खाना बना रहे हैं, पेशाब कर रहे हैं, शौच कर रहे हैं, वीडियो कॉल कर रहे हैं, रील बना रहे हैं।

संडे ऑन साइकिल:

अभिनेता जैकी श्रॉफ ने दिया हर रविवार साइकिल चलाने का संदेश

फिट इंडिया मूवमेंट के तहत देशभर में हर रविवार संडे ऑन साइकिल का आयोजन किया और लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनने का संदेश दिया जाता है। मुंबई में आयोजित संडे ऑन साइकिल कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य खेल मंत्री रक्षा खडसे और अभिनेता जैकी श्रॉफ मौजूद थे। फिल्म अभिनेता जैकी श्रॉफ ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए फिट इंडिया अभियान से सभी बच्चों को जुड़ना चाहिए। जब तक हमारे पैर में दम है, हमारा कदम आगे बढ़ सकता है। बच्चों को फोन, लैपटॉप सब चलाना चाहिए, लेकिन अपने शरीर के लिए उन्हें फिट इंडिया अभियान से जुड़ना होगा। उन्होंने कहा कि बच्चे अगर मजबूत होंगे तो हमारा राष्ट्र मजबूत होगा। हम सभी बच्चों को प्रेरित करने के लिए ही यहां आए हैं। युवाओं को कसरत, साइकिलिंग, योगा करना चाहिए। जान है तो जहान है। हर रविवार को साइकिलिंग करना चाहिए। यह हमारे शरीर के लिए बहुत जरूरी है। रक्षा खडसे ने कहा, मनसुख मांडविया के विजन के साथ पिछले एक साल से देशभर के अलग-अलग हिस्सों में संडे ऑन साइकिल कार्यक्रम आयोजित होता है। रविवार को मैंने इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

राणबीर की रामायण का 4000 करोड़ बजट सुन विवेक अग्निहोत्री को लगा झटका

मशहूर निर्देशक और निर्माता विवेक अग्निहोत्री की फिल्म द बंगाल फाइल्स आने वाले शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है. वह अपनी इस अपकमिंग फिल्म के प्रमोशन में बिजी हैं और इंटरव्यू दे रहे हैं. विवेक अग्निहोत्री की फिल्म द बंगाल फाइल्स को लेकर विवाद भी हो रहा है. फिल्म के ट्रेलर रिलीज होते ही तमाम लोग इसकी

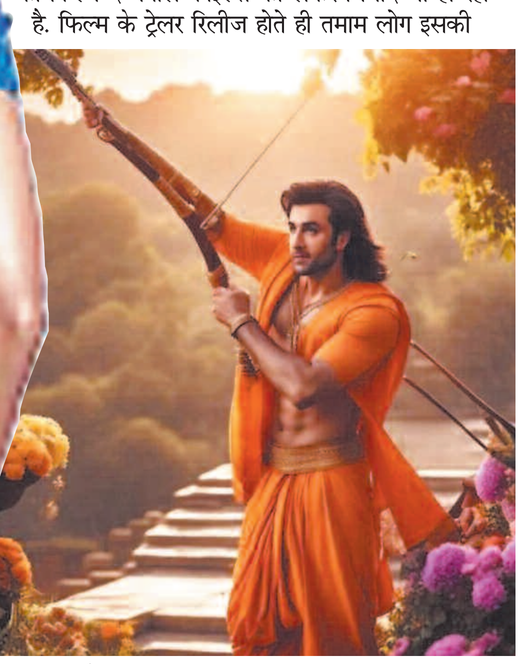

आलोचना कर रहे हैं. इसी बीच विवेक अग्निहोत्री ने एक इंटरव्यू के दौरान रणबीर कपूर की फिल्म रामायण के भारी बजट पर रिएक्शन दिया है. आइए जानते हैं कि फिल्म रामायण को लेकर डायरेक्टर ने क्या कहा है.

विवेक अग्निहोत्री ने कही ये बात

विवेक अग्निहोत्री ने हाल ही में फिल्मीज्ञान से बात करते हुए तमाम मुद्दों पर बात की है. इस दौरान उन्हें बताया गया कि रणबीर कपूर की फिल्म रामायण का बजट 4000 करोड़ रुपये है. इस फिल्म का बजट सुनकर विवेक अग्निहोत्री को झटका लगा और उन्होंने इस पर रिएक्शन दिया है. उन्होंने कहा, 4000 करोड़ हिंदी फिल्म का बजट कैसे हो सकता है? डायरेक्टर को बताया गया कि ये फिल्म पूरी दुनिया के हिसाब से बनाई जा रही है. उन्होंने कहा, बन तो हिंदुस्तान में रही है, फिल्म आकाश में तो बन नहीं रही. कितना भी वीएफएक्स करोड़ कैसे हो सकता है. भगवान करे वो फिल्म बने लेकिन मैं हैरान हू. मैं 400 या 800 करोड़ रुपये तक समझ सकता हूं लकिन 4000 करोड़ रुपये कहां खर्च करें वो नहीं समझ पार रहे हैं.

फिल्म रामायण दो पार्ट में होगी रिलीज

बताते चलें कि रणबीर कपूर की फिल्म रामायण का बजट 4000 करोड़ रुपये बताया जा रहा है. नितेश तिवारी के डायरेक्शन में बनने वाली इस फिल्म के नमित मल्होत्रा प्रोड्यूस कर रहे हैं. फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम का, साई पल्लवी माता सीता और यश रावण का किरदार निभाने वाले हैं. फिल्म रामायण दो पार्ट में रिलीज किया जाएगा. फिल्म का पहला पार्ट साल 2026 की दिवाली और दूसरा पार्ट साल 2027 की दिवाली पर रिलीज किया जाएगा. इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है. ऐसी ही एंटरटेनमेंट की लेटेस्ट खबरों के लिए बॉलीवुडलाइफ के साथ बने रहिए.

कंगना रनौत और प्रियंका चोपड़ा के वकील रिजवान सिद्दीकी, रोज़लिन खान से हारे

रिजवान सिद्दीकी, जिन्होंने कंगना रनौत को ऋतिक रोशन के साथ हुए विवाद में कंगना को,और अलग क़ानूनी मामले में प्रियंका चोपड़ा को भी रिप्रेजेंट किया था, अब एक लंबे चले केस के बाद अनुशासनात्मक कार्रवाई का सामना कर रहे हैं।

2018 में, सिद्दीकी को ठाणे क्राइम ब्रांच ने एक प्राइवेट जासूस के जरिए कथित तौर पर कॉल डेटा रिकॉर्ड निकालने के आरोप में गिरफ्तार किया था, जिसमें नवाजुद्दीन सिद्दीकी की पत्नी का नाम भी शामिल था। हालांकि उन्हें मुंबई की अदालत ने छोड़ दिया था, लेकिन अधिकारियों ने उनके खिलाफ सबूत होने की बात कही थी। अब, अभिनेत्री और कैंसर सर्वाइवर रोज़लिन खान उर्फ?रेहाना खान द्वारा शुरू की गई लगभग एक दशक लंबी लड़ाई के बाद, बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने पेशेवर दुराचार के आधार पर सिद्दीकी का वकालत करने का लाइसेंस दो साल के लिए निलंबित कर दिया है। यह मामला, जो मूल रूप से महाराष्ट्र में लंबित था, अंतिम निर्णय के लिए राष्ट्रीय न्याय संस्था को स्थानांतरित कर दिया गया था। फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए, रोज़लिन खान ने कहा, यह राहत सालों के उत्पीड़न, कलंक और शक्तिशाली लॉबी के दबाव के बाद मिली है। न्याय मांगने के लिए मुझे विवादास्पद करार दिया गया। अपराध को हल करने के बजाय, सिस्टम ने मेरे चरित्र को ही बदनाम करने की कोशिश की। यह फैसला सिर्फ मेरी जीत नहीं है, बल्कि यह महाराष्ट्र में गहराई तक फैली हुई अन्याय को उजागर करता है और हर उस महिला को आवाज़ देता है जिसे शक्ति और हेरफेर से चुप कराया गया है। उन्होंने आगे कहा, मेरे 11 साल के दर्द की तुलना में दो साल का निलंबन पर्याप्त नहीं है। मैं व्यक्तिगत रूप से इस लड़ाई को सुप्रीम कोर्ट तक ले जाऊंगी - यह तो बस शुरुआत है।

No Entry 2:

दिलजीत दोसांझ ने नो एंट्री 2 को क्यों कहा अलविदा? सामने आई असली वजह

सलमान खान की फिल्म नो एंट्री के सीक्वल से पंजाबी एक्टर और सिंगर दिलजीत दोसांझ बाहर हो चुके हैं. वरुण धवन और अर्जुन कपूर की इस मूवी में दिलजीत भी नजर आने वाले थे, लेकिन अब वह इस फिल्म से बाहर हो चुके हैं. इसके पीछे की वजह का खुलासा खुद एक्टर ने किया है. बॉलीवुड की मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक नो एंट्री 2 को लेकर फैंस काफी एक्साइटेड थे. इस फिल्म के लिए वरुण धवन और अर्जुन कपूर के साथ दिलजीत दोसांझ का नाम भी फाइनल हुआ था, लेकिन अब ताजा रिपोर्ट्स के मुताबिक, दिलजीत इस मूवी का हिस्सा नहीं रहेंगे. ऐसे में अब एक्टर के फैंस यह जानना चाहते हैं कि, आखिर क्यों उन्हें ये बड़ा फैसला लेना पड़ा? मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, प्रोड्यूसर बोनी कपूर और डायरेक्टर अनीस बज्मी इस साल अक्टूबर से फिल्म की शूटिंग शुरू करना चाहते हैं, लेकिन दिलजीत दोसांझ का शेड्यूल इस दौरान बिल्कुल भी क्लियर नहीं है. दरअसल, 26 अक्टूबर से 13 नवंबर तक दिलजीत ऑस्ट्रेरिया और न्यूजीलैंड में अपने इंटरनेशनल टूर में बिजी रहेंगे. इसके अलावा उनके पास कुछ और फिल्म प्रोजेक्ट्स भी हैं, जिसकी वजह से वह शूटिंग डेट्स एडजस्ट नहीं कर पाए. खबरों के मुताबिक, जुलाई में ही पहली बार दिलजीत के फिल्म से अलग होने की चर्चा शुरू हुई थी. इसके बाद बोनी कपूर ने उनसे मुलाकात कर शेड्यूल एडजस्ट करने की कोशिश भी की. क्योंकि मेकर्स चाहते थे कि दिलजीत इस फिल्म का हिस्सा बने रहें, लेकिन आखिर में दोनों तरफ से आपसी सहमति के साथ ये फैसला लिया गया कि दिलजीत फिल्म नहीं करेंगे.अब कौन होगा No Entry 2 में तीसरा एक्टर? दिलजीत दोसांझ के फिल्म से बाहर होने के बाद अब मेकर्स की मुश्किल ये है कि वरुण धवन और अर्जुन कपूर के साथ तीसरे एक्टर की तलाश करनी होगी. दिलजीत के बाहर होने से फिल्म के काम में थोड़ी देरी भी हो सकती है.